www.lagatar.in * * * * मंगलवार, 30 जनवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 05, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 282 आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

फोटो - रमीज

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ दूसरे दिन भी जारी रहा झामुमो का प्रदर्शन, 31 तक होगा धरना-प्रदर्शन, झामुमो ने कहा-

आदिवासी सीएम को पचा नहीं पा रही भाजपा, होगा उलगुलान

कौशल आनंद । रांची

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ सोमवार को दूसरे दिन भी झामुमो का मार्च और प्रदर्शन जारी रहा. यह कार्यक्रम 31 जनवरी तक चलेगा.

दूसरे दिन रांची समेत खूंटी, रामगढ़, गढ़वा, सिमडेगा जिले के हजारों पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया. दूसरे दिन रूट को बदला गया. कार्यकर्ता मोरहाबादी मैदान में जमा हुए और करीब 3 बजे रांची कॉलेज, सिद्धू-कान्हू पार्क, प्रेमसंस मोटर चौराहा होते हुए कांके रोड मुख्यमंत्री आवास तक पहुंचे. इसके बाद यहां से मार्च सूचना भवन मार्ग, मछली घर, एसएसपी आवास, रेडियम रोड, कचहरी चौक होते हुए राजभवन पहुंचा. कार्यक्रम में भारी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता हाथ में पार्टी का झंडा लिए हुए केंद्र सरकार, भाजपा और ईडी विरोधी नारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे. राजभवन पहुंचने के बाद रोषपूर्ण प्रदर्शन किया गया और सभा की गयी. इस मौके पर पार्टी नेताओं ने कहा कि जब-जब मोदी डरता है, ईडी, ईडी करता है. दरअसल भाजपा एक आदिवासी सीएम का नाम और काम को पचा नहीं पा रही है. सरकार बनने के बाद से ही इस सरकार गिराने, अस्थिर करने का काम शुरू कर दिया. जब इसमें वह सफल नहीं हो पा रहा है तो तोता जांच एजेंसियों के माध्यम से सरकार को डराने और धमकाने का काम किया जा रहा है. जिसे झामुमो बर्दाश्त नहीं करेगा. अगर भाजपा ओर केंद्र सरकार ने अपनी ओछी हरकत बंद नहीं की, तो आने वाले दिनों में आंदोलन और तेज होगा. सभा का संचालन करते हुए रांची जिलाध्यक्ष मुशताक आलम कहा कि केन्द्र सरकार स्वतंत्र केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग करना बंद करे, वरना केन्द्र सरकार के खिलाफ उलगुलान होगा. इसकी पूरी जिम्मेदारी भाजपानीत केंद्र सरकार की होगी.

धारा 144 का हुआ उल्लंघन

बता दें कि मुख्यमंत्री आवास के 500 मीटर के दायरे में धारा 144 लागू है. इसके बावजूद झामुमो के हजारों कार्यकर्ताओं ने कांके रोड में मुख्यमंत्री आवास होते हुए मार्च आयोजित किया. अब सवाल यह है कि यह मार्च किसके आदेश से सीएम हाउस रास्ते गुजरा. क्या फिर से झामुमो कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज हो सकता है. भारी मात्रा में तैनात पुलिस बलों ने झामुमो कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश नहीं की.

मार्च में ये रहे शामिल : इस मौके पर रामगढ़ जिलाध्यक्ष विनोद किस्कु, विनोद महतो, राजकुमार महतो, गढवा जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, मनोज ठाकुर, खूंटी जिलाध्यक्ष जुबैर आलम, गुलशन मुंडा, सिमडेगा जिलाध्यक्ष अनिल कंडुलना, सफिकुल अन्सारी, राँची जिला सचिव डॉ हेमलाल कुमार मेहता हेमू, समनूर मंसूरी, सुशीला एक्का, अफरोज अन्सारी, अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, रामानन्द बेदिया, आदिल इमाम, प्रवक्ता अरविंद सिंह देवल, संयुक्त सचिव सुकुआ मुंडा, सुजीत उपाध्याय, आफताब आलम, अफरोज आलम, अरुण वर्मा, जीत गुप्ता, कुदुस अंसारी, कैथरीना तिर्की, संजय राय, विक्रम सिंह, विश्वजीत भट्टाचार्य, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष नयन तारा उरांव, राखी देवी, उषा उरांव, संध्या गुड़िया, संगठन सचिव राधा हेंब्रम, शुसाना केरकेट्टा, राधा बाउरी सहित सैकड़ों की संख्या में पार्टी कार्यकर्ता शामिल थे.

सीएम के दिल्ली आवास और झारखंड भवन पहुंची ईडी की टीम

सीएम पर ईडी की दबिश

सीएमओ ने ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय को मेल भेज कर बताया- सीएम 31 को पूछताछ के लिए तैयार

विनीत उपाध्याय/ सौरभ सिंह । रांची

जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले की जांच और आवश्यक जानकारी हासिल करने के सिलसिले में झारखंड ईडी की टीम सोमवार की सुबह 7.30 बजे दिल्ली के शांति निकेतन स्थित सीएम हेमंत सोरेन के आवास पर पहुंची. थोड़ी देर यहां ठहरने के बाद ईडी की टीम झारखंड भवन पहुंची. यहां कुछ देर रुकने के बाद ईडी की टीम दुबारा सीएम के शांति निकेतन स्थित आवास पर आ गयी. ईडी की टीम दिल्ली में सीएम के आवास पर उनके आने का इंतजार कर रही है. यहां पर ईडी की टीम ने घर पर मौजूद कर्मियों से पूछताछ करने के साथ ही साथ कुछ कागजात की जांच की. हालांकि सीएम हेमंत सोरेन वहां मौजूद नहीं थे. दिल्ली में सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ लैंड स्कैम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी की कार्रवाई के बीच, सीएमओ की ओर से ईडी के रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय को मेल भेज कर सूचित किया गया है कि सीएम हेमंत सोरेन 31 जनवरी को दिन के 1 बजे पूछताछ के लिए तैयार हैं. इधर, देर शाम ईडी की टीम ने रांची में फिर से सीएम के आवास पर दबिश दी और उनकी कार की भी जांच की. लेकिन ईडी का हाथ कुछ नहीं लगा. फिलहाल ईडी अब तक सीएम को ट्रेस नहीं कर पायी है.

जमीन घोटाले में ताजा इनपुट मिले, तो पहुंची ईडी की टीम : झारखंड ईडी की टीम को जमीन घोटाले में कुछ नई जानकारियां मिली हैं. इसी जानकारी के संबंध में सीएम हेमंत सोरेन का बयान दर्ज करने के लिए ईडी की टीम सोमवार की सुबह दिल्ली के शांति निकेतन स्थित उनके आवास और झारखंड भवन भी पहुंची, लेकिन वहां भी सीएम से भेंट नहीं हो सकी.सीएम 27 जनवरी की देर शाम विशेष विमान से दिल्ली पहुंचे थे. सीएम वहां किस काम से गये थे, इसका खुलासा नहीं हो पाया है. उन्हें सोमवार को ही दिल्ली से वापस रांची लौटना था. जानकारी के अनुसार ईडी की टीम ने झारखंड भवन में सीएम के कार चालक से भी सीएम के संबंध में पूछताछ की, लेकिन चालक ने अनभिज्ञता जाहिर की.

ईडी की टीम दिल्ली में

ईडी की टीम रांची में

सीएम सोरेन ने समय देने से कर दिया था इनकार

25 जनवरी को सीएम ने ईडी को अप्रत्यक्ष रूप से पूछताछ के लिए समय देने से इनकार कर दिया था. हालांकि सीएम ने ईडी को भेजे गये पत्र में समय देने का उल्लेख नहीं किया था. कहा गया था कि वह उचित समय पर इसका जवाब दे देंगे. वहीं ईडी ने सीएम को 22 जनवरी को 9वां समन भेजकर 27 से 31 जनवरी के बीच ईडी की जांच टीम के सामने पेश होने के लिए कहा था. इससे पहले आठवें समन पर 20 जनवरी को ईडी के अधिकारियों ने मुख्यमंत्री आवास पर जाकर उनसे लगभग सात घंटे तक पूछताछ की थी. ईडी के भेजे पिछले सात समन पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन यह कहते हुए गैर हाजिर रहे कि यह समन असंवैधानिक है और उनकी सरकार को परेशान करने के लिए ऐसा किया जा रहा है.

14 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है ईडी

ईडी ने 13 अप्रैल 2023 को रांची में जमीन घोटाला के मामले में छापेमारी की थी. जमीन से जुड़े कुछ दस्तावेज तत्कालीन उप राजस्व निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद के घर पर मिले थे. इस मामले में मई 2023 में रांची सदर थाना में केस किया गया था. इस केस को ईडी ने अपने ईसीआईआर का हिस्सा बनाया था. पूछताछ में बड़गाईं सीओ मनोज कुमार और कर्मचारी भानु प्रताप प्रसाद और गार्ड ने बताया था कि जमीन किसकी है. यह जमीन कुल 12 प्लॉट में है, जो कुल 8 .46 एकड़ है. जांच में यह बात सामने आई है कि पूरी जमीन की घेराबंदी कर गार्ड हाउस भी बनाया गया है. इस भूखंड में कुछ गैरमजरूआ भुईंहरी जमीन है, बकि कुछ बकास्त भुईंहरी जमीन है. जमीन घोटाले मामले में ईडी ने आईएएस छवि रंजन समेत 14 लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है.

हेमंत ने ईडी पर लगाए गंभीर आरोप

सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी पर राज्य सरकार के कामकाज में बाधा डालने के लिए राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित होने का आरोप लगाया और दावा किया कि 31 जनवरी को या उससे पहले उनका बयान दोबारा दर्ज कराने की ईडी की जिद से दुर्भावना झलक रही है. संघीय जांच एजेंसी को भेजे एक ईमेल में झामुमो के 48 वर्षीय कार्यकारी अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि उन्हें समन जारी करना पूरी तरह अफसोसजनक और कानून द्वारा दी गयी शक्तियों का दुरूपयोग है. सोरेन ने रविवार को भेजे ईमेल में कहा, अदालत को उपलब्ध कराने के लिए 20 जनवरी को मुझसे सात घंटे तक हुई पूछताछ की वीडियो रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखें. सोरेन ने 31 जनवरी को दोपहर एक बजे उनके आवास पर बयान दर्ज कराने के लिए स्वीकृति दे दी है.

ईडी ने 29 या 31 को पूछताछ के लिए वक्त देने को कहा था

25 जनवरी को रांची जमीन घोटाला मामले में हेमंत सोरेन द्वारा पूछताछ के लिए वक्त नहीं देने पर ईडी ने मेल के जरिए संदेश भेजा था. संदेश में ईडी ने सीएम से पूछताछ के लिए 29 या 31 जनवरी का वक्त देने को कहा था. ईडी ने अपने संदेश में यह भी लिखा था कि अगर सीएम 29 या 31 जनवरी का वक्त नहीं देंगे, तो एजेंसी के अधिकारी खुद उनके पास जाकर पूछताछ करेंगे.

झारखंड पुलिस हाई अलर्ट पर

ईडी द्वारा सीएम हेमंत सोरेन के रांची-दिल्ली आवास पर रेड को लेकर पुलिस हाई अलर्ट पर है. पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों के एसपी को अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है. राजधानी सहित हर जिले में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम हैं. रांची में अतिरिक्त 14 डीएसपी सहित 1500 जवानों को तैनात किया गया है.

जानें जमीन घोटाले में ईडी ने सीएम को कब-कब भेजा समन

- **पहला समन:** 8 अगस्त को भेजा गया और 14 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश था.
- **दूसरा समन:** 19 अगस्त को भेजा गया और 24 अगस्त को हाजिर होने का निर्देश था.
- **तीसरा समन:** 1 सितंबर को भेजा गया और 9 सितंबर को हाजिर होने का निर्देश था.
- **चौथा समन:** 17 सितंबर को भेजा गया और 23 सितंबर को हाजिर होने का निर्देश था.
- **पांचवा समन:** 26 सितंबर को भेजा और 4 अक्टूबर को हाजिर होने का निदेश था.
- **छठा समन:** 11 दिसंबर को भेजा गया और 12 दिसंबर को हाजिर होने का निर्देश था.
- सातवां समन : 29 दिसंबर को भेजा गया, पूछताछ के लिए समय और जगह खुद तय करने को कहा गया.
- **आठवां समन:** 13 जनवरी को भेजा गया और 16-20 जनवरी तक बयान दर्ज कराने का समय था.
- 20 जनवरी : जमीन घोटाले मामले में सीएम से पहली बार पूछताछ.
- **नौवां समन:** 25 जनवरी को भेजा पूछताछ के लिए 27 से 31 जनवरी तक का समय दिया गया.
- **दसवां समन:** 27 जनवरी को भेजा गया है, बयान दर्ज कराने के लिए 29-31 जनवरी तक का समय है.
- **29 जनवरी:** झारखंड भवन और सीएम के दिल्ली स्थित आवास पर ईडी की पहुंची.

सीएम आज जवाब नहीं दे रहे तो कल देना होगा:राज्यपाल

प्रमुख संवाददाता । रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सीएम हेमंत सोरेन को ईडी के समन पर कहा है कि अगर सीएम आज जवाब नहीं दे रहे हैं, तो उन्हें कल जवाब देना होगा. सच्चे नागरिक के रूप में हमें इसका पालन करना चाहिए. कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है. मैंने इसे कई बार व्यक्त किया है. कार्रवाई की जानी चाहिए. राज्यपाल ने कहा कि वह सीएम को ईडी का समन मिलने के मद्देनजर राज्य की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और वह समय आने पर फैसला करेंगे.

पत्रकारों ने राज्यपाल से पूछा कि राज्य में राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर क्या राजभवन के लिए सभी विकल्प खुले हैं, तो उन्होंने कहा, मैं संविधान के रक्षक के रूप में पूरी स्थिति पर नजर रखे हुए हूं. यह राज्यपाल का कर्तव्य है और मैं इसे निभा रहा हूं. समय आने पर फैसला लूंगा. राज्यपाल ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने की संभावना को खारिज करते हुए कहा कि फिलहाल यह अटकल है. उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को इसमें नहीं पड़ना चाहिए.

खास बातें

- स्थिति पर नजर रखे हुए हूं, समय आने पर फैसला लूंगा
- **राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है**

ईडी का है अपना कर्तव्य

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ झामुमो के विरोध पर झारखंड के राज्यपाल ने कहा कि ईडी का अपना कर्तव्य है और मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि पार्टी को इस प्रकार की कार्रवाई में शामिल नहीं होना चाहिए. इससे दोनों राजनीतिक दलों के बीच अनावश्यक तनाव पैदा हो रहा है. इसकी आवश्यकता नहीं है. कोई भी कानून से ऊपर नहीं है. हमें ऐसी स्थिति नहीं बनानी चाहिए कि हम कानून से ऊपर हो जाएं.

सियासी भूचाल के साथ ब्यूरोक्रेसी में मचा हड़कंप

रवि भारती । रांची

सीएम हेमंत सोरेन के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को लेकर सोमवार को पूरा झारखंड अलर्ट मोड पर है. हर जगह सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गयी है. दूसरी तरफ राज्य में सियासी भूचाल के साथ ब्यूरोक्रेसी में हड़कंप है. सीएम के दिल्ली आवास में ईडी की टीम के दस्तक के साथ ही प्रदेश की राजनीति में कयासों का दौर शुरू हो गया है. ब्यूरोक्रेसी भी इससे अछूती नहीं रही. सीएस सोमवार को आपात बैठक बुलाई, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखने का निर्देश दिया. जिलों के एसपी को अलर्ट पर रहने को कहा गया. वहीं प्रशासनिक महकमा भी अलर्ट मोड पर है.

प्रोजेक्ट भवन और नेपाल हाउस में ऊहापोह की स्थिति: प्रोजेक्ट भवन व नेपाल हाउस में उहापोह की स्थिति रही. -शेष पेज 8 पर

खास बातें

- सीएस ने बुलायी आपात बैठक, पूरा झारखंड अलर्ट मोड में
- चीफ सेक्रेटरी ने सुरक्षा पर नजर रखने का दिया निर्देश

विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश

मुख्य सचिव ने बैठक में संताल परगना में विशेष सतर्कता बरतने का निर्देश दिया है. जिलों के डीसी व एसपी को व्यवस्था पर पैनी नजर रखने का भी निर्देश दिया. वहीं ईडी की कार्रवाई पर नजर रखने का निर्देश अधिकारियों को दिया. कहा कि किसी भी हालत में विधि व्यवस्था ना बिगड़े इसके लिए सतर्क रहने को कहा. बैठक में गृह सचिव अविनाश कुमार और डीजीपी अजय कुमार सिंह ने विधि व्यवस्था को लेकर की गई तैयारी से मुख्य सचिव को अवगत कराया.

प्रेस कांफ्रेंस ईडी की कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर जमकर बरसे झामुमो नेता सुप्रियो, कहा-

ईडी की दिल्ली में दबिश डराने के लिए, हम डरेंगे नहीं

विशेष संवाददाता । रांची

दिल्ली में सीएम के निजी आवास व झारखंड भवन में ईडी की दबिश पर झामुमो सोमवार को केंद्र सरकार व ईडी के खिलाफ बरसा. पार्टी केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि यह कार्रवाई झामुमो को डराने के लिए है, जिससे हम डरने वाले नहीं. भाजपा हमारा राजनीतिक मुकाबला नहीं कर सकती, जनता के बीच जा नहीं सकती, तो जांच एजेंसियों का दुरूपयोग कर रही है.

उक्त बातें सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में प्रेस वार्ता में कही. कहा कि ईडी ने ही खुद मुख्यमंत्री को पत्र लिख कर आगे की पूछताछ के लिए समय और तिथि तय करने को कहा था. -शेष पेज 8 पर

क्या बोले

- राज्यपाल अपनी चौहद्दी में रहें, मीडिया संयम बरते, भाजपा न फैलाए अफवाह
- ईडी के आग्रह पर जब 31 को समय और स्थान सीएमओ ने दे दिया, तो फिर ये कदम क्यों
- सोहराई भवन से सीएम हेमंत का कोई लेना-देना नहीं, उनकी पत्नी इसका काम देखती हैं
- अपनी गरिमा और चौहद्दी पार न करें राज्यपाल सीपी राधाकृष्न
- सीएम हेमंत ट्रेसलेस नहीं, बाबूलाल को मिलना है तो अपॉइंटमेंट ले लें, मिलवा देंगे

मीडिया अपनी सही भूमिका निभाए, प्रोपगेंडा से बचे

सुप्रियो भट्टाचार्य ने सुबह से दिल्ली को लेकर चल रही खबरों पर भी आपत्ति प्रकट की. उन्होंने कहा कि मीडिया और उसके प्रतिनिधि भी इस राज्य में निवास करते हैं. सूत्रों के द्वारा कोई भी खबर प्रचारित-प्रसारित नहीं करनी चाहिए. इससे राज्य का महौल खराब होता है. खबरों को जांच-परख कर और पूरी जानकारी लेने के बाद ही प्रचारित-प्रसारित किया जाए. प्रोपगेंडा से बचा जाए.

पिछली पूछताछ में ईडी के हाथ रहे खाली

सुप्रियो ने कहा कि 20 जनवरी को ईडी की टीम सीएम आवास पहुंची थी. सात घंटे 17 से 18 सवाल किया. मगर पूछताछ में मामला शिड्यूल प्रोग्रेसिव क्राइम के दायर में नहीं पाया गया. जो मामले हैं, उनकी जानकारी चुनाव आयोग में दर्ज हैं. आयकर के पास जानकारी है. सोहराई भवन से सीएम का लेना-देना नहीं. उसका काम उनकी पत्नी देखती हैं. जिस जमीन को ईडी अपनी कार्रवाई का आधार बना रही है दरअसल वह भूमिहरी जमीन है, जिसकी खरीद-फरोख्त नहीं हो सकती.

बाबूलाल को दिया कड़ा जवाब

सुप्रियो ने कहा कि सीएम हेमंत दिल्ली अपने निजी काम से गए हैं. वह ट्रेसलेस नहीं हैं. यदि बाबूलाल मरांडी को सीएम से मिलना है, तो पहले अपॉइंटमेंट लेना होगा. आवेदन देना होगा. हम उनकी मुलाकात करवा देंगे. सुप्रियो ने एक सवाल के जवाब में राज्य के राज्यपाल को भी उनकी चौहद्दी याद दिलाई. कहा कि गवर्नर की रूलिंग पॉलिटिकल पार्टी पर नहीं चलती और न ही गवर्नर किसी पार्टी के प्रवक्ता हैं. वे किसी पॉलिटिकल पार्टी को डायरेक्ट भी नहीं कर सकते. उन्हें अपनी चौहद्दी को पार नहीं करना चाहिए.

फरार हो गये सीएम हेमंत सोरेन, या हो गया अपहरण?

भाजपा बोली - संज्ञान लें राज्यपाल

प्रमुख संवाददाता । रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन को लेकर कई सवाल उठाये हैं. उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ईडी अधिकारियों के डर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के लापता होने की सूचना समाचार चैनलों के माध्यम से प्राप्त हो रही है.

अगर इस खबर में सत्यता है, तो यह झारखंड के लिए संवैधानिक संकट की स्थिति है. राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से निवेदन है कि वो मामले का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री को तलब कर जांच एजेंसी से भागने का कारण पूछें. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड की साख और प्रतिष्ठा दांव पर है. उन्होंने कहा कि अपनी इन हरकतों से हेमंत ने उनके

जनजातीय समाज की प्रतिष्ठा और गौरव को मिट्टी में मिलाने का काम किया है. साथ ही उन्होंने झारखंड के डीजीपी से जवाब मांगा कि सीएम हेमंत सोरेन सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ कर रात को कैसे बाहर निकल कर भाग सकते हैं? उन्होंने की सुरक्षा में लगे कर्मियों को बर्खास्त करने की मांग करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को तुरंत सुरक्षित रूप से पेश किया जाना चाहिए. बाबूलाल मरांडी ने पूछा कि आखिर एक राज्य का मुख्यमंत्री भगोड़ा कहलाने का पाप कैसे कर सकता है? उन्होंने इसे शर्मनाक करार दिया. उधर, गोड्डा के सांसद एवं भाजपा नेता निशिकांत दुबे भी इस मामले में मुखर हैं. दुबे ने कहा, मैंने पहले ही कहा था कि झारखंड सरकार का महाधिवक्ता मेरे झारखंड की आन बान और शान वीर शिबू सोरेन जी के बेटे मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी को भगोड़ा घोषित करवा देगा. आज मेरी बात सही साबित होती दिख रही है. निशिकांत दुबे ने कहा कि मीडिया के ख़बरों के अनुसार या तो हेमंत सोरेन जी भाग गए दिल्ली से या तो बीमार हो गए या तो अपहरण हो गया. उन्होंने झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मांग की कि सीएम के सुरक्षा अधिकारी को बर्खास्त किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि झारखंड की नाक कट गयी. हेमंत सोरेन को अब तक 10 बार समन भेजा जा चुका है.

रामगढ़ की पूजा श्रीवास्तव ने पीएम से पूछे सवाल , पीएम नरेंद्र मोदी ने उदाहरण सहित दिया जवाब

रामगढ़ की पूजा ने पीएम मोदी से सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूछा सवाल

संवाददाता। रांची

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के 7वें संस्करण का राज्य के सरकारी स्कूलों में हुआ सीधा प्रसारण

परीक्षा के तनाव और घबराहट भरे माहौल को दूर करने के साथ ही बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षकों का मार्गदर्शन करने अथवा उन्हें सलाह देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली के भारत मंडपम में देशभर से आये स्कूली बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम के 7वें संस्करण के मौके पर संबोधित किया. पीएम ने इस अवसर पर प्रदर्शित कला और शिल्प प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया. अपने संबोधन में कहा कि हमारे बच्चों में लचीलापन पैदा करना और उन्हें दबावों से निपटने में मदद करना महत्वपूर्ण है. छात्रों की चुनौतियों का समाधान अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षकों को भी सामूहिक रूप से मिलकर करना चाहिए. झारखंड के रामगढ़ जिले के गुरुनानक स्कूल में पढ़ाई कर रहे प्रियांशु श्रीवास्तव की मां पूजा श्रीवास्तव ने पीएम से पूछा कि अपनी बेटी प्रियांशु श्रीवास्तव की पढ़ाई को सोशल मीडिया मंचों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि के इस्तेमाल के साथ- साथ कैसे मैनेज कर सकती हैं? इसपर पीएम ने पूजा श्रीवास्तव का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि किसी भी चीज की अति किसी का भला नहीं करती है. हर चीज की एक सीमा और मानदंड होती है. उन्होंने मां के खाने का उदाहरण देते हुए कहा कि मां ने बहुत बढ़िया खाना बनाया है तो इसका मतलब यह नहीं की उसे खाते जाएं. भले ही वह पोषक तत्वों से भरपूर हो, उसके कई लाभ हो, आपको वह डिश पसंद भी हो, वह खाने का ही सही वक्त हो. मगर एक सीमा के बाद आपको अपना प्रिय भोजन भी खाना बंद करना पड़ेगा क्योकि अगर ऐसा नहीं किया तो उससे पेट दर्द, उलटी जैसी समस्या हो जायेगी. मुझे मालूम है कि मेरे समय का उपयोग मुझे कैसे करना है. इसका आत्मविवेक होना जरूरी है. जो माता पिता पूरे दिन खुद भी मोबाइल पर बिताते होंगे, वह भी अपने बच्चो को मोबाइल से बचाना चाहते हैं.

पीएम ने दी सलाह

- घर में एक कमरे को होना चाहिए 'नो गैजेट जोन'
- मोबाइल का लॉक पासवर्ड घर के हर सदस्य को होना चाहिए मालूम

माता-पिता बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को विजिटिंग कार्ड नहीं बनाएं

पीएम ने कहा कि शिक्षक नौकरी की भूमिका में नहीं हैं, बल्कि वे छात्रों के जीवन को संवारने की जिम्मेदारी निभाते हैं. उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा कि माता-पिता को अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को उनका विजिटिंग कार्ड नहीं बनाना चाहिए. अपने बच्चों के बीच प्रतिस्पर्धा और प्रतिद्वंद्विता के बीज कभी न बोएं, बल्कि भाई-बहनों को एक-दूसरे के लिए प्रेरणा बनना चाहिए. पीएम ने कहा कि असफलताओं से निराशा नहीं होनी चाहिए. हर गलती एक नई सीख है। जितना मैं अपने देशवासियों की क्षमताएं बढ़ाता हूं, चुनौतियों को चुनौती देने की मेरी क्षमता उतनी ही बढ़ती हैं. उचित शासन के लिए भी नीचे से ऊपर तक उत्तम सूचना की व्यवस्था और ऊपर से नीचे तक उत्तम मार्गदर्शन की व्यवस्था होनी चाहिए. मैंने अपने जीवन में निराशा के सभी दरवाजे और खिड़कियां बंद कर दी हैं. प्रधानमंत्री ने कहा कि एक ही घर में चार लोग बैठे है, मगर वो एक दूसरे से बात करने के बजाय उन्हें मोबाइल पर मैसेज भेजते हैं. इसके पीछे सीक्रेसी भी बड़ा कारण है. कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि खाना खाते समय डाइनिंग टेबल पर कोई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट नहीं होगा. सब लोग खाना खाते समय गप्प मारेंगे, बातें करेंगे. घर में एक कमरे को 'नो गैजेट जोन' होना चाहिए, ताकि उस कमरे में आकर घर के सभी सदस्य एक समय पर बिना मोबाइल के बातचीत करें. तकनीक को बोझ मानकर उससे दूर भागना नहीं चाहिए. तकनीक का सही उपयोग सीखना जरूरी है. स्कूली बच्चों को सलाह देते हुए कहा कि अपने माता पिता को भी बढ़ते तकनीक से अवगत कराये, उन्हें जागरूक करें. प्रधानमंत्री के संबोधन को झारखंड के सभी सरकारी स्कूलों में स्कूली बच्चों, शिक्षकों व स्कूल प्रबंधन समितियों द्वारा सुना व देखा गया. इसके लिए सभी स्कूलों में लाइव प्रसारण की विशेष व्यवस्था की गयी थी. बच्चों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनकर जीवन में सकारात्मकता और नवीन ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा ली.

रटकर सफलता हासिल नहीं की जा सकती

आज का काम कल पर नहीं छोड़ें : राज्यपाल

- राज्यपाल ने बच्चों व शिक्षकों संग 'परीक्षा पे चर्चा' का सीधा प्रसारण देखा

संवाददाता। रांची

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को राजभवन में बच्चों व शिक्षकों के साथ दूरदर्शन पर प्रधानमंत्री के 'परीक्षा पे चर्चा 2024' कार्यक्रम का सीधा प्रसारण को देखा. इस अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के इस कार्यक्रम से बच्चों को परीक्षा के दौरान होने वाले तनाव से मुक्त होने में काफी मदद मिलेगी. उनके संबोधन से शिक्षकों एवं अभिभावकों को भी संदेश मिला है

तनाव दूर करने के लिए दिनचर्या पर फोकस करें

राज्यपाल ने कहा कि जीवन में तनाव सभी को है. आप सोच-सोचकर तनावग्रस्त होंगे, तो इससे भी तनाव होगा. तनाव को दूर करने के लिए हमें अपनी दिनचर्या का प्रभावी ढंग से पालन करना होगा. हमारे पास दिन के 24 घंटे होते हैं. 8 घंटे के नींद के बाद 16 घंटे बचते हैं, जिसमें हम अच्छे ढंग से पढ़ सकते हैं, खेल सकते हैं व अन्य रचनात्मक कार्य कर सकते हैं. हमें आज का काम आज ही करना चाहिए, कल पर नहीं छोड़ना चाहिए. इससे तनावग्रस्त होने से बचेंगे.

अपने पाठ को गहराई से समझने की कोशिश करे

राज्यपाल ने कहा कि अपने पाठ को गहराई से समझने की कोशिश करें. एक बार में पाठ समझ में न आए तो उसे बार-बार पढ़ें.व पढ़ने के बाद लिखना आवश्यक है. लिखने के दौरान आप अपनी त्रुटि से अवगत होंगे, जिसे दूर करने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा. रटकर सफलता हासिल नहीं की जा सकती है. परीक्षा के दौरान आपके द्वारा पूर्व में किया गया मेहनत ही काम में आएगा. इस अवसर पर राज्यपाल ने सभी से संवाद कर सभी को प्रोत्साहित किया और सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना की.

के रवि कुमार स्कूली शिक्षा विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त

रांची। राज्य सरकार ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार को सचिव स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अतिरिक्त प्रभार से मुक्त कर दिया गया है. कार्मिक ने सोमवार को इसका आदेश जारी कर दिया.

16 फरवरी को बंद के समर्थन में पोस्टर जारी

रांची। संयुक्त किसान मोर्चा व केंद्रीय ट्रेड यूनियन और स्वतंत्र क्षेत्रीय फेडरेशन, एसोसिएशन के संयुक्त मंच ने केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और राष्ट्र विरोधी नीतियों के खिलाफ 16 फरवरी को औद्योगिक/ क्षेत्रीय हड़ताल और ग्रामीण बंद के समर्थन में आज अंग्रेजी और हिंदी में पोस्टर जारी किया. औद्योगिक/क्षेत्रीय हड़ताल व ग्रामीण बंद को लोगों का अधिकतम समर्थन सुनिश्चित करने के लिए पोस्टर और अभियान सामग्री राज्य/जिला स्तर पर विभिन्न राष्ट्रीय भाषाओं में तैयार होगी और 1-15 फरवरी तक घर-घर अभियान के दौरान वितरित की जायेगी. एसकेएम व सीटीयू सभी धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक ताकतों और आम नागरिकों से कॉर्पोरेट लूट को समाप्त करने के लिए इसका समर्थन करने का अनुरोध करते हैं.

हाईकोर्ट में सशरीर हाजिर हुए हजारीबाग डीसी, एसडीओ व नगर आयुक्त

रांची। झारखंड हाईकोर्ट में हजारीबाग के शैलेंद्र कुमार गुप्ता की याचिका पर सुनवाई हुई. सोमवार को सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के पूर्व के आदेश के आलोक में हजारीबाग के डीसी, एसडीओ और नगर आयुक्त अदालत के समक्ष सशरीर उपस्थित हुए. अदालत ने हजारीबाग जिला प्रशासन को यह निर्देश दिया है कि बिना अनुमति लिए प्रार्थी की भूमि पर नाली निर्माण के लिए जिम्मेदार अधिकारी एक लाख रुपए का जुर्माना प्रार्थी को दें. साथ ही अदालत ने जुर्माना के साथ भूमि अधिग्रहण कर उसका मुआवजा प्रार्थी को देने का निर्देश जिला प्रशासन को दिया है. दरअसल हजारीबाग के बिंदेश्वरी पथ पर शैलेंद्र गुप्ता की रैयती भूमि पर हजारीबाग नगर निगम द्वारा नाली बना दी गई है. जिसके खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है. इस मामले की सुनवाई जस्टिस आनंदा सेन की कोर्ट में हुई. नगर निगम द्वारा नाली बनाने का विरोध करने पर प्रार्थी शैलेंद्र कुमार और उसके भाई सुशील कुमार गुप्ता के खिलाफ 17 अगस्त 2022 को हजारीबाग सदर में कांड संख्या 293 /2022 दर्ज की गई थी.

सीएम ना पहले डरे हैं और न कभी डरेंगे : राजेश ठाकुर

संवाददाता। रांची

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा है कि सीएम हेमंत सोरेन को योजनाबद्ध तरीके से परेशान किया जा रहा है. सीएम ना पहले डरे हैं और न कभी डरेंगे. कांग्रेस पूरी एकजुटता के साथ मुख्यमंत्री के साख खड़ी है. कहीं कोई संकट की बात नहीं है. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा से डरकर इस तरह का माहौल बनाया जा रहा है. ये लोग जितना भी प्रयास कर लें, हमलोग उतना ही मजबूत होंगे. उधर सोमवार को मंत्री चंपई सोरेन, मिथिलेश ठाकुर, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय, सीएम के प्रधान सचिव विनय चौबे भी सीएम आवास में मौजूद रहे.

मिशन 2024 : भाजपा-झामुमो के पास कई मुद्दे, कांग्रेस पारंपरिक वोटरों के भरोसे

सत्य शरण मिश्रा। रांची

सभी राजनीतिक दल लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गये हैं. इस साल मई में लोकसभा चुनाव होने हैं, वहीं नवंबर- दिसंबर तक झारखंड विधानसभा के भी चुनाव होने हैं. चुनाव को लेकर राष्ट्रीय के साथ ही साथ क्षेत्रीय पार्टियां भी तैयारी में जुट गयी हैं. खास कर झारखंड में राष्ट्रीय पार्टी भाजपा फ्रंट फुट पर आकर तैयारी में जुटी है, तो क्षेत्रीय दल झामुमो भी पूरी तरह से चुनावी मूड में आ गया और सरकार की उपलब्धियों को भुनाने में वलगा है. झामुमो, भाजपा के आरोपों को काउंटर भी कर रहा है. झामुमो ने कई मुद्दों पर भाजपा को बैकफुट भी धकेल दिया है, जिसकी काट ढूंढने में भाजपा जुटी है. कांग्रेस भी कहने को तो तैयारी में जुटी है, लेकिन दूसरे दलों के मुकाबले इसकी तैयारी में उतना दम नजर नहीं आता है.

राजद, जदयू, वाम दल सहित अन्य छोटे दलों की वैसी कुछ तैयारी नहीं दिख रही है. हालांकि सभी का दावा है कि वे अपने स्तर से ही सीटों का चयन कर चुनावी तैयारी में जुटे हैं. फिलहाल भाजपा, कांग्रेस व झामुमो लोकसभा और विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाकर काम शुरू कर दिया है. इन पार्टी के कार्यक्रम, एजेंडे और विपक्षी दलों को घेरने की जो रणनीति दिख रही है, उसमें भाजपा ही फिलहाल सबसे आगे दिख रही है. झामुमो भी हेमंत सरकार की योजनाओं को वोट में कन्वर्ट करने के साथ ही साथ भाजपा के आरोपों का काउंटर करने की रणनीति पर काम कर रहा है. लेकिन कांग्रेस के पास कोई मजबूत एजेंडा नहीं दिख रहा है. कांग्रेस के पास तो ले-देकर राष्ट्रीय मुद्दों और राहुल गांधी की न्याय यात्रा के अलावा कोई दूसरा विषय नहीं दिख रहा. पार्टी बस सदस्यता अभियान चलाने में व्यस्त है.

केंद्र सरकार के हर अभियान से जुड़ रही भाजपा

भाजपा सड़क से सोशल मीडिया तक एक्टिव मोड में है. पार्टी केंद्र सरकार की सभी योजनाओं से लोगों को जोड़ने का अभियान चला रही है. केंद्र सरकार के हर कार्यक्रम में भाजपा के नेता और कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं. राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह, जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम, विकसित भारत संकल्प यात्रा, स्वच्छ तीर्थ अभियान, नव मतदाता सम्मेलन और पीएम मोदी के मन की बात जैसे कार्यक्रमों में पार्टी बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रही है. मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए दीवार लेखन अभियान चल रहा है. प्रदेश से बूथ स्तर तक गांधी जयंती से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जा रहा है और आम लोग भी इसमें शामिल हो रहे हैं। पार्टी के सभी 7 मोर्चों की संयुक्त बैठकें और कार्यशाला हो रही हैं. आईटी और मीडिया सेल को दुरुस्त किया जा रहा है. जब सरकार के विभाग प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपनी उपलब्धियां गिनाते हैं तब भाजपा के भी नेता प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की नाकामियां उजागर करते हैं. जनजातियों को साधने के लिए भाजपा लगातार कार्यक्रम कर रही है. 11 फरवरी को भी रांची में जनजाति रैली बुलाई गई है.

झामुमो से हेमंत सोरेन ने संभाल रखा है मोर्चा

झारखंड सरकार में शामिल प्रमुख दल झामुमो भी एक्टिव है. प्रदेश में झामुमो सबसे बड़ी पार्टी है. उसके पास सबसे अधिक विधायक हैं, लेकिन मोर्चा अकेले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने संभाल रखा है. ईडी के प्रेशर में भी हेमंत सोरेन मोर्चा पर डटे हुए हैं. झामुमो का मुख्य फोकस आदिवासी और मूलवासी वोटरों पर है. हेमंत सोरेन बतौर मुख्यमंत्री आदिवासी-मूलवासियों के लिए ताबड़तोड़ नई योजनाएं बनाकर उन्हें लागू कर रहे हैं.1932 का खतियान आधारित स्थानीय नीति का विधेयक दोबारा विधानसभा से पास करवाया. एसटी-एससी को 50 साल की उम्र से ही पेंशन देने की घोषणा की. केंद्र सरकार से फंड नहीं मिलने पर अबुआ आवास योजना शुरू कर दिया. गुरूजी क्रेडिट कार्ड योजना, फूलो-झानो आशीर्वाद योजना समेत दर्जनों योजनाएं उन्होंने शुरू की. इसके अलावा आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के जरिये वे प्रदेश के सभी जिलों में पहुंचे और लोगों को बताया कि झामुमो ही राज्य का विकास कर सकती है.

सदस्यता अभियान से आगे नहीं बढ़ रही कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी पिछले 4 साल से सिर्फ सदस्यता अभियान में ही व्यस्त है. लोकसभा प्रभारी बना दिए गये हैं. बीच-बीच में उनकी बैठकें होती रहती है. कांग्रेस के पास कोई ठोस मुद्दा भी नहीं दिख रहा है. राहुल गांधी की यात्राएं और हेमंत सरकार की योजनाओं को ही कांग्रेस लेकर चल रही है। कांग्रेस अपने पारंपरिक वोटरों के जरिये 2024 की वैतरणी पार करने की कोशिश में है. झामुमो से गठबंधन के कारण भी उसे फायदा मिलेगा. भाजपा ने जिस तरह समाज के हर वर्ग को साधने और हर लोकसभा और विधानसभा सीटों के समीकरण के मुताबिक अपनी रणनीति तैयार की है. उस तरह की कोई रणनीति कांग्रेस में नहीं दिख रही है। प्रदेश स्तर पर न कोई बड़े कार्यक्रम हो रहे हैं और न किसी बड़ी रैली की योजना बनी है. प्रदेश के बड़े नेता आपस में बैठकें कर लेते हैं और कार्यकर्ताओं को निर्देश जारी कर दिया जाता है.

CLASSIFIED

AMRITA HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
7870865821
Dr. Sumedha Gargy
MBBS, MD (Obs 'n' Gynae)
ECFMG (Certified USA)
MRCOG (London) & ESGO
Certified in Gynaecological Oncology (Europe)
Fellowship in Gynae Oncology TATA Medical Centre, Kolkata
Ex. Sr. Resident, Dept. of Surgical Oncology, RIMS, Ranchi
Shyamli, Kali Mandir Road
Burdwan Compund, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob : 8271505819, E-mail : gargysumedha@gmail.com

DR. RADHAKRISHNAN SCHOOL OF LEARNING
SENIOR SECONDARY SCHOOL (10+2)
Affiliated to C.B.S.E. New Delhi (3430409)
नामांकन जारी
खेल का मैदान, योग्य शिक्षक, बस की सुविधा
लाइब्रेरी एवं प्रैक्टिकल के लिए उत्तम प्रबंध
NH-33 बोंगा इचाक, हजारीबाग
सम्पर्क करें : 9471041355

INDU BHUSHAN MEMORIAL SCHOOL
Class:- Nursery to XIIth
Co-Education, English Medium
Our Features
- Reasonable Fee Structure
- Qualified and Trained Teachers
- Innovative Teaching
- Appropriate Student- Teacher Ratio
- No Heavy Bags
- Pre-Primary Play Area
- Attentin Towards Every Child
- Parenting Classes (For Parents)
- CCTV Monitoring
- Transport Facility
Admission is going on.
Contact : 9430370823, 9955449958
Kawatu, Ichak, Hazaribag (Jharkhand)

24 घंटा सेवा उपलब्ध... अनुभवी डॉक्टर के साथ...
जीवन अनमोल हॉस्पिटल
राजा बांग्ला ओकनी रोड हजारीबाग
निवेदक सुबोध कुमार

लोकनायक जेपी विद्या मंदिर
सीबीएसई मान्यता प्राप्त नर्सरी टू नाइंथ
नामांकन जारी
बस की सुविधा खेल का मैदान
सीसीटीवी कैमरा एवं योग्य शिक्षक
प्रचार्या सुनीता देवी
नामांकन के लिए संपर्क करें पता, नंगवा टोल प्लाजा हजारीबाग

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहायता केंद्र
24 घंटा सेवा उपलब्ध
फ्री इलाज एवं ऑपरेशन के लिए संपर्क करें
राहुल ठाकुर
संचालक
मां अंबे नर्सिंग होम
कालीबाड़ी रोड, बैंक ऑफ बड़ौदा, हजारीबाग फोन : 8709644624

मणिपाल मोन्टेसरी हाई स्कूल
नामांकन जारी
प्ले ग्रुप से दसवीं कक्षा तक
सीबीएसइ पाठ्यक्रम
गैस गोदाम रोड, मंडईकला, हजारीबाग, संपर्क : 9693535747

Estd. : 2014
Under the Management of Shanti Seva Trust
R.C. Mission Residential School
(A Co-educational, English Medium, CBSE Board School)
Baba Path, Hurhuru, Hazaribagh | M-9142690238, 9113769641
Admission Open
छात्रावास में सुविधाएं :
- लाइब्रेरी की सुविधा
- सुबह-शाम ट्यूशन
- सीसी टीवी कैमरा
- 24 घंटे सिक्युरिटी
- 24 घंटे बिजली-पानी
- कंप्यूटर लैब
- मेन्यू अनुसार भोजन
School Building
Minku Kumar
Director

संत रोबोट बालक मध्य विद्यालय हजारीबाग
नामांकन जारी
रेमंड सोरेन
प्रधानाध्यापक
होली क्रॉस रोड कैथोलिक आश्रम, सम्पर्क : 9798141537

SHARDA SCHOOL
Run by:S. E. T., Reg No.:4/223,Sl No. 4729, U.Dise -20050115504
Email:info@shardaschoolkoderma.com,
Website:www.shardaschoolkoderma.com
Near Durga Mandap
Maduatand
Jhumari Telaiya
PIN- 825409
(Jharkhand)
Mob: 8210034302

श्री गणेश नर्सिंग होम
लोअर चुटिया, रांची, फोन : 9835588850
सुविधाएं : सभी तरह के ऑपरेशन, गॉल ब्लाडर, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसील बवासीर एवं हड्डी की चोट समेत सम्पूर्ण जांच की व्यवस्था उचित दर पर उपलब्ध
Dr. Randhir Kumar
M.B.B.S., D. Ortho
Ms (General Surgery), FIAGES
Ex-Resident (Neurosurgery) RIMS
24 Hours Emergency Pathology Service
(Home Collection also available here)
Vaccination Facility Child
इशानी मेडिकल हॉल
यहां सभी तरह की दवाएं उचित मूल्य पर दी जाती है।

श्री साईं नर्सिंग होम
24 घंटा सेवा उपलब्ध
मरीजों की सुलभता हेतु
सारी सुविधा उपलब्ध
मिथिलेश कुमार शर्मा
संचालक
श्री साईं नर्सिंग होम, हजारीबाग, संपर्क करें 9931579949,8789744618

EDUCATION
TO-LET
BUSINESS
REAL ESTATE
RECRUITMENT
MATRIMONY
& Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश
एक राज्य-एक अखबार
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | मंगलवार, 30 जनवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 05, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 282 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

ग्रामीण तैयार : श्री बालाजी इंजीनियरिंग लिमिटेड की योजना पर गांवगुटू में हुई पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई

कंपनी की विस्तारीकरण योजना को मिली मंजूरी

कंपनी में 242 श्रमिक हैं, इनमें 160 स्थानीय ग्रामीण हैं, कंपनी प्रबंधन प्रदूषण रोकने के लिए बेहतर प्रयास करे, कंपनी रोजगार और शुद्ध पेयजल की व्यवस्था करे

संवाददाता । किरीबुरु

मेसर्स श्री बालाजी इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग लिमिटेड का विस्तारीकरण करने की योजना है. इसके लिए गांवगुटू में पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई हुई. इसमें ग्रामीणों ने कंपनी की विस्तारीकरण योजना को सशर्त मंजूरी दे दी. इस कंपनी में वर्तमान में 1,20,000 टन प्रतिवर्ष स्पंज आयरन उत्पादन क्षमता के साथ 16,200 टन प्रति वर्ष सिलिको मैगनीज के उत्पादन के लिये 1×9 एमवीए सबमर्ज्ड आर्क फार्नेस और कैप्टिव पावर प्लांट 12 मेगावाट की स्थापना की योजना है. यह लोक सुनवाई एसडीओ मुकेश मछुवा की अध्यक्षता में हुई. सुनवाई में झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद की वैज्ञानिक अंकिता मिश्रा, क्षेत्रीय पदाधिकारी राम प्रवेश कुमार भी मौजूद थे. सबसे पहले कंपनी के इकाई प्रतिनिधि अमन वर्मा ने कंपनी की प्रस्तावित योजनाओं के बारे में जानकारी दी. ग्रामीणों ने कहा कि कंपनी प्रबंधन इस प्लांट से होने वाली प्रदूषण को रोकने के लिए बेहतर प्रयास करे.

प्रभावित गांवों के ग्रामीण बेरोजगारों को कंपनी में स्थायी नौकरी के साथ-साथ अन्य रोजगार की व्यवस्था, शुद्ध पेयजल, चिकित्सा, गुणवत्तायुक्त तकनीकी व उच्च शिक्षा, कृषि का बेहतर सुविधा, एम्बुलेंस, कंपनी गेट के सामने से गुजरने वाली मुख्य ग्रामीण सड़क का

अपना पक्ष रखते हुए कंपनी के एमडी केके कनोडिया.

पक्कीकरण, जलजमाव से मुक्ति, सामाजिक व सांस्कृतिक विकास के लिए कार्य करने आदि की मांग की. कंपनी प्रबंधन को जिसने भी जमीन प्रारम्भ में दिया है उन परिवारों को स्थायी नौकरी व तमाम प्रकार के लाभ दिये जायें. ग्रामीणों ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में कंपनी अब तक बेहतर कार्य की है, आगे और बेहतर करने की उम्मीद करते हैं. कंपनी घटते भूमिगत जल स्रोत की समस्या को दूर करे, स्कूल-कॉलेज जाने के लिए छात्र-छात्राओं के लिए वाहन की व्यवस्था करे. एसडीओ मुकेश मछुवा ने कहा कि ग्रामीणों की तरफ से अच्छा प्रस्ताव कंपनी के पास आया है. हमें उम्मीद है कि कंपनी ग्रामीणों की मांग को पूरा करेगी. किसी ने भी कंपनी के विरोध में कुछ नहीं कहा. कंपनी से लोगों को काफी उम्मीद है. कंपनी लोगों की उम्मीद व विश्वास पर खरा उतरे, ताकि बाद में कानून व्यवस्था की समस्या उत्पन्न नहीं हो. कंपनी के एमडी केके कनोडिया ने जनता के सवालों का जवाब देते हुये कहा कि प्लांट से निकलने वाला गैस और चारकोल पावर प्लांट में जायेगा, जिससे प्रदूषण का स्तर काफी कम हो जायेगा. प्रदूषण नियंत्रण के लिए विशेष तकनीक का उपकरण भी लगाया जायेगा, जिससे प्रदूषण कम होंगे. कंपनी में 242 श्रमिक हैं. इसमें लोकल 160 ग्रामीण व पूरे झारखंड के 172 लोग हैं. हम एक सप्ताह में एम्बुलेंस देंगे, लेकिन आप ग्रामीण उसके संचालन के लिए समिति बनाकर दे. समिति ही संचालन करेगी. हमें किसी भी ग्रामीण ने 3 अथवा 6 एकड़ जमीन नहीं दी है. इस प्रोजेक्ट में किसी ग्रामीण की जमीन हम नहीं ले रहे हैं. जलजमाव को खत्म करने के लिए हमने दो नाला बनाया है. अगर कहीं जलजमाव या डम्प है तो उस समस्या को दूर करेंगे. चैनसुख मोटर से देवी स्थान तक सड़क सरकार बनाने की बात कही है. राजाबांधा के तालाब का निर्माण एक सप्ताह के अंदर प्रारम्भ कराया जायेगा. कंपनी के अंदर मात्र 3 डीप बोरिंग है.

पानी का पैसा दे रहे, पानी नहीं मिला

कनोडिया ने कहा कि सरकार को हम पानी के लिए 3 वर्षों से पैसा दे रहे हैं, लेकिन अभी तक पानी हमें नहीं मिला, लेकिन जल्द मिलने की संभावना है. अगर इएसपी मशीन प्लांट में नहीं चल रही, तो उसकी जानकारी हमें तुरंत दे. हम पदाधिकारी को तुरंत निलम्बित करेंगे. 12 स्मार्ट क्लास अलग-अलग स्कूलों व कॉलेज में दिये हैं. स्कूल में जरूरत होगी तो उसे भी हम देंगे. बिजली हम देंगे. स्कूल बस सर्वे कराकर देने की कोशिश करेंगे. 2004 में हमारा अकेला प्लांट लगा. पड़ोसी राज्य में 4 प्लांट से आज लगभग 30 प्लांट लग गये. ऐसा प्रयास करने के लिए झारखंड सरकार व प्रशासन को सोचना होगा, क्योंकि इस क्षेत्र में लौह अयस्क का अकूत भंडार है. अगर यहां और प्लांट लगेगा तो बेरोजगारी दूर होगी और विकास होगा. इस दौरान प्लांट के प्रबंधक सुरेश डोलिया, सीएसआर पदाधिकारी अजीत श्रीवास्तव, प्रमुख पूनम गिलुवा, मुंडा दिगम्बर चातोम्बा, मानकी मुकेश बोबोंगा, पूर्व जिप सदस्य शंभू हाजरा, मुखिया प्यारवती देवगम, मुखिया मंगल सिंह गिलुवा, पूर्व मुखिया राजा तिर्की, पूर्व उप प्रमुख अशोक दास, संजीव राय, सुजीत चातोम्बा आदि सैकड़ों मौजूद थे.

कल से झारखंड में बारिश के आसार

रांची । झारखंड में ठंड कम होने का नाम नहीं ले रही है. मौसम विभाग के रिपोर्ट के अनुसार 31 जनवरी को राजधानी रांची समेत झारखंड के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं हल्के दर्जे की वर्षा होने की संभावना है. वहीं 1 फरवरी को राज्य के उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों में कुछ स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा होने की संभावना है.

शहर का तापमान

25.5	रांची	9.4
26.2	जमशेदपुर	11.7
27.2	डालटनगंज	8.3
25.1	बोकारो थर्मल	9.2
28.4	चाईबासा	10.6
24.4	देवघर	8.7
23.4	गिरिडीह	9.7
24.9	गढ़वा	7.3
23.4	गोड्डा	8.0

दुष्कर्म पीड़िता ने कोर्ट में खाया जहर, गंभीर, अस्पताल में भर्ती

दुष्कर्म के आरोपी सीआरपीएफ दारोगा को जमानत मिलने से दुखी पीड़िता ने उठाया कदम

संवाददाता । धनबाद

सिविल कोर्ट धनबाद में सोमवार को उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक दुष्कर्म पीड़िता युवती ने आरोपी की जमानत होने के विरोध में कोर्ट परिसर में जहर खा लिया. आरोपी सीआरपीएफ में दरोगा बताया जा रहा है और उसकी पोस्टिंग सियालदाह में होने की बात कही जा रही है. आनन फानन में पीड़िता को सदर अस्पताल लाया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए उसे एसएनएमएमसीएच ले जाया गया. बताते हैं कि युवती ने बरवाअड्डा थाने में वर्ष 2023 में मुकदमा दर्ज कराया था. आरोप था कि सीआरपीएफ में दरोगा के पद पर कार्यरत सुनील कुमार ने उससे प्रेम किया था, फिर शादी का प्रलोभन देकर उसके साथ शारीरिक संबंध भी बनाए, बाद में शादी से इंकार कर दिया. तब पीड़िता ने पुलिस से शिकायत कर उसके खिलाफ लड़ाई शुरू की.

सुनवाई के दौरान पता चला कि आरोपी को बेल मिल गयी है

इधर पीड़िता मुकदमे की सुनवाई के लिए कोर्ट आई थी. सुनवाई के दौरान उसे पता चला कि आरोपी युवक को झारखंड उच्च न्यायालय ने जमानत दे दी है. इसके बाद उसने कोर्ट परिसर में ही जहर खा लेने की बात कही. मामले की सूचना मिलते ही सिविल कोर्ट के रजिस्ट्रार अभिनव त्रिपाठी के आदेश पर धनबाद थाने की पुलिस युवती को लेकर अस्पताल पहुंची.

अब जी कर क्या करूंगी वो मुझसे सही बोलता था

लोगों ने बताया कि पीड़िता कह रही थी कि सारी तकलीफ के बाद भी वो मुकदमा लड़ रही है, ऐसे लोगों के खिलाफ जो किसी की भी इज्जत को तार-तार करने में जरा भी नहीं हिचकते हैं. वो कहता था कि कोर्ट और पुलिस उसका कुछ बिगाड़ नहीं सकती, अब ये साबित हो गया कि वो सही बोल रहा था, इसलिए अब मरना चाहती हूं.

पति ने पत्नी के सिर पर हथौड़ा मार कर ली जान

आदित्यपुर । आरआइटी थाना क्षेत्र के बनतानगर बस्ती में रविवार की शाम पति-पत्नी के के बीच झगड़े में पति ने पत्नी के सिर पर हथौड़ा मार कर हत्या कर दी. जानकारी के अनुसार बनतानगर बी जोन निवासी राजू कुमार रविवार की शाम अपनी पत्नी प्रियंका के साथ झगड़ा कर रहा था. बात इतनी बढ़ गयी कि आरोपी पति ने घर में रखे हथौड़े से पत्नी के सिर पर प्रहार कर दिया. जिसके बाद पत्नी बुरी तरह से घायल हो गई. इसी बीच पड़ोसियों ने हल्ला हंगामा सुन जब घर में देखा, तो आरोपी राजू कुमार की पत्नी प्रियंका देवी (उम्र 32 साल) घर में लहुलुहान अवस्था में गिरी हुई थी. उसका पति बगल में हथौड़ा लेकर बेसुध बैठा था. पड़ोसियों ने आनन-फानन में महिला को टेंपो में लेकर पहले 111 सेव लाइफ अस्पताल ले गये.

जिसके बाद वहां से टीएमएच रेफर कर दिया गया. टीएमएच में जांच के क्रम में चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया. महिला की शादी 13 साल पूर्व राजू कुमार से हुई थी, राजू पेशे से पुट्टी मिस्त्री है और वह बिहार के नवादा जिले के भट्टा गांव का रहनेवाला है. आरोपी बनतानगर में मकान बना कर पिछले 8 साल से रह रहा था. आरोपी के तीन भाई भी आदित्यपुर में ही अलग अलग जगहों पर रहते हैं.

डीवीसी मुख्यालय कोलकाता में संयुक्त मोर्चा का प्रदर्शन

डीवीसी मुख्यालय कोलकाता के समक्ष प्रदर्शन में शामिल लोग.

संवाददाता । मैथन

संयुक्त मोर्चा ने विभिन्न मांगों को लेकर सोमवार को डीवीसी मुख्यालय कोलकाता में जोरदार प्रदर्शन किया. प्रदर्शन में मैथन सहित डीवीसी की सभी परियोजनाओं से भारी संख्या में कर्मी व यूनियन प्रतिनिधि शामिल हुए.

प्रदर्शन में उमड़ी भीड़ को देखते हुए प्रबंधन को झुकना पड़ा और आंदोलनकारियों को वार्ता के लिए बुलाया. मोर्चा नेताओं ने बताया कि पहले दौर की वार्ता में डीवीसी के चैयरमैन एस सुरेश कुमार ने मांगे पूरी करने के लिए 14 दिन का समय मांगा, लेकिन मोर्चा के नेताओं ने इसे ठुकरा दिया. इसके बाद शाम चार बजे दोबारा वार्ता शुरू हुई. मोर्चा के नेता कर्मचारियों के वेतन व प्रोमोशन नीति में विसंगतियों को दूर करने, फील्ड अलाउंस, चिकित्सा भत्ता, आवास किराया में वृद्धि, रिक्त पदों पर नियुक्ति आदि मांगों अड़े रहे. वार्ता में डीवीसी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सह बेरमो विधायक जयमंगल सिंह, निरसा के पूर्व विधायक अरूप चटर्जी, पूर्व मंत्री लालचंद महतो, स्टाफ एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक घोष, श्रमिक यूनियन के अध्यक्ष समीर बाइन, संयुक्त मोर्चा के संयोजक जीवन आइच आदि शामिल थे.

कॉलेज के छात्रों के साथ बाहरी युवकों ने की मारपीट

जमशेदपुर। कपाली ओपी क्षेत्र के अलकबीर पॉलिटेक्निक कॉलेज के बाहर कॉलेज के ही दो छात्रों के साथ बाहरी युवकों ने मारपीट की. घटना में कॉलेज के सेमेस्टर वन का अनीस और इलेक्ट्रिकल का छात्र नवजोत घायल हो गए. घायलों को प्रबंधन ने इलाज के लिए एमजीएम पहुंचाया जहां दोनों का इलाज किया गया. घटना के संबंध में अनीस ने बताया कि सोमवार सुबह 11 बजे कॉलेज के युवकों के साथ बाहरी युवकों का विवाद हुआ. प्रबंधन ने पुलिस को सूचना दी. सूचना पर पुलिस पहुंची और मामले को शांत कराया था. दोपहर 2 बजे कॉलेज के पास स्कूटी पर सवार 4 युवकों ने उन पर हमला करके घायल कर दिया.

प्रश्न पत्र लीक को ले सड़क पर उतरे छात्र

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने मुख्यमंत्री का पुतला फूंका

संवाददाता । कतरास (धनबाद)

सोमवार को विद्यार्थी परिषद ने कतरास कॉलेज के मुख्य गेट पर सीएम हेमंत सोरेन का पुतला फूंका. इस दौरान छात्रों ने नारेबाजी भी की. अभाविप के अध्यक्ष स्वयं स्वर्ण ने बताया जेएसएससी द्वारा ली गई संयुक्त स्नातक योग्यताधारी परीक्षा में पेपर लीक का मामला सामने आने के बाद बीते दिन परीक्षा को रद्द कर दिया गया. कहा कि हेमंत सरकार के अंतर्गत पिछले 4 वर्षों में यही देखा गया है कि परीक्षाओं की अधिसूचना जारी की जाती है और फॉर्म भराया जाता है. ज्यादातर परीक्षाओं को कैंसिल ही कर दिया गया और कुछ की परीक्षा यदि ली भी गयी तो उसमें प्रश्नपत्र लीक हो गया जिसे भी बाद में रद्द करना पड़ा. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार के राज में सिर्फ हत्या, लूट, घोटाले व पेपर लीक ही हुए हैं एवं यह सरकार सिर्फ

करदाता के पैसे से अपनी जेब भरने के लिए शासन में आई है. मौके पर कॉलेज उपाध्यक्ष विष्णु देशवाली, गोपाल केवट, आयुषी बनर्जी, अभय सिंह, अमन सिंहा, विक्रम कुमार, सुमित पासवान सहित उपस्थित थे.

जिला मुख्यालय में भी जेएसएससी प्रश्नपत्र लीक होने से धनबाद में छात्र संगठन सड़क पर उतरे और सीएम व जेएसएससी प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पुतला जलाया. जल रहे पुतले पर ही छात्रों ने एडमिट कार्ड भी जला दिया. छात्रों का कहना है कि दो तिथि में परीक्षा हो चुकी है और तीसरी तिथि की परीक्षा 4 फरवरी को है. सभी परीक्षा को रद्द करने की मांग वे लोग कर रहे हैं. झारखंड-बिहार के लाखों छात्रों ने जेएसएससी की परीक्षा दे रहे हैं. रविवार को दूसरी तिथि की परीक्षा देने के बाद छात्रों को पता चला कि प्रश्न पत्र पहले ही लीक हो चुका है. प्रश्न पत्र लीक के लिए सीएम व जेएसएससी प्रबंधन दो, है. छात्र संगठन सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं.

गृह रक्षक में बहाली के बाद 148 सेमी से 141 की हो गई अनिता

धनबाद। गृह रक्षक में बहाली होने के बाद अनीता कुमारी 148 सेमी से 141 की हो गई. इस पर होमगार्ड डीजी से शिकायत की गई. होमगार्ड में पुरुष की लंबाई 168, सामान्य महिला की लंबाई 152 व महिला एससी-एसटी की लंबाई 148 होनी चाहिए. लेकिन कई लोग सेटिंग कर लंबाई कम होने के बाद शारीरिक परीक्षा में बहाल हो गए. और कुछ माह बाद ट्रेनिंग के समय लंबाई व कागजात की जांच हुई, तो पकड़े गए. कई लंबाई में कम पाए गए, तो कई के आवासीय प्रमाण पत्र फर्जी निकले. इसकी शिकायत की गई. डीजी की ओर से गठित टीम ने जांच की पता चला कि कई लोगों के आवासीय प्रमाण पत्र फर्जी हैं. लंबाई में भी कम निकले. एससी-एसटी से बहाल हुई अनीता की लंबाई की जांच की गई, तो भंडाफोड़ हो गया.

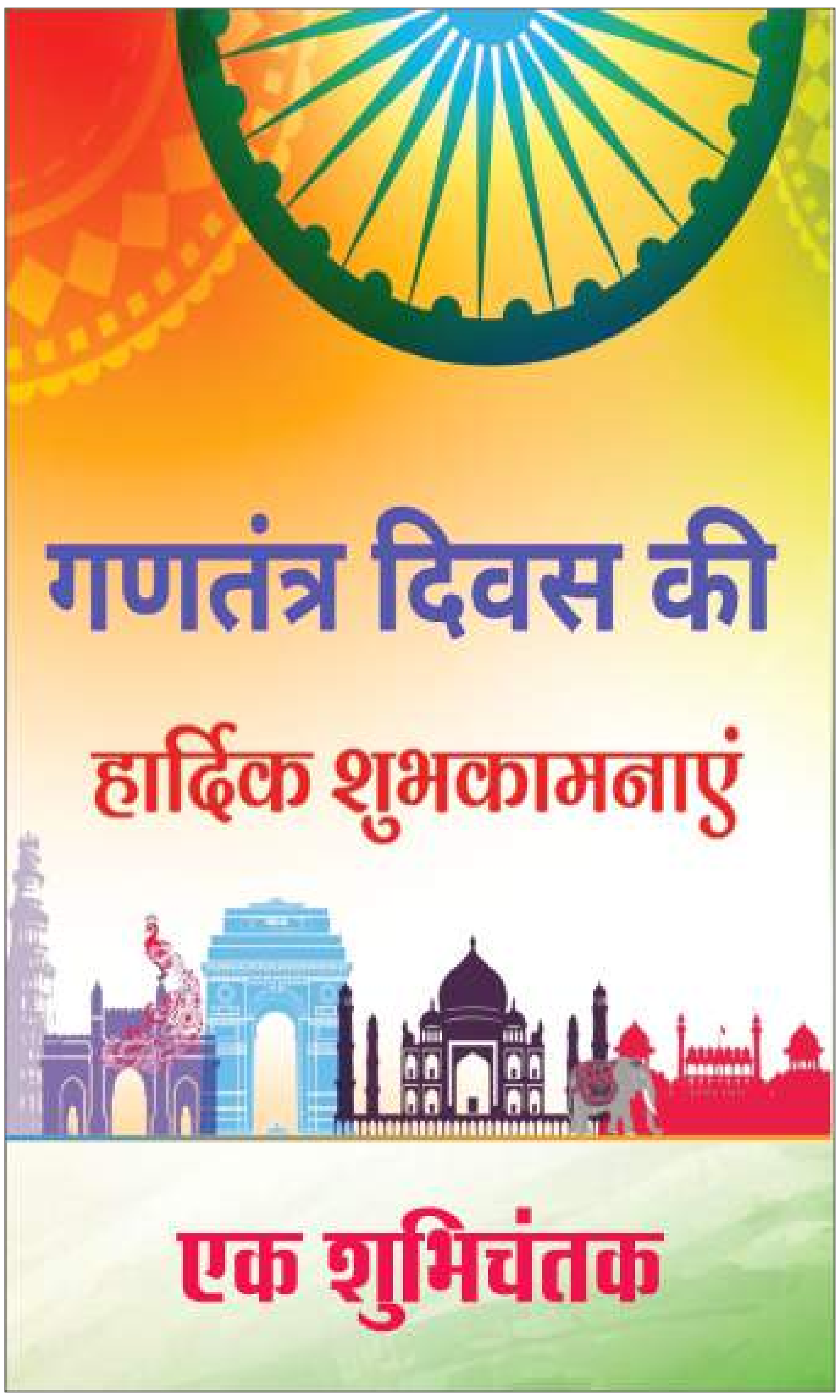

कयास राज्य में बदलते राजनीतिक हालात कुछ बड़ा होने का दे रहे संकेत

तो क्या झारखंड में भी बिहार की तरह होगा बदलाव!

रवि भारती । रांची

दिल्ली में सीएम हेमंत सोरेन के आवास पर ईडी की दस्तक के बाद झारखंड की राजनीति 360 डिग्री घूम गई है. प्रदेश की राजनीति में सियासी भूचाल आ गया है. सत्ता के गलियारों में इस बात की चर्चा आम है कि कहीं बिहार जैसा झारखंड में भी खेल न हो जाए. हालांकि झारखंड में वह बड़ा क्या होगा, इसे लेकर सियासी जानकारों के बीच अलग अलग आकलन है.

कुछ लोगों का दावा है कि सीएम हेमंत सोरेन का भाजपा के प्रति सॉफ्ट रवैया अख्तियार करना अब उनकी सियासी मजबूरी बन चुकी और वह इन तीखे संबंधों में मधुरता लाने का प्रयास कर सकते हैं. दूसरी ओर कुछ सियासी जानकार झारखंड में राष्ट्रपति शासन की भविष्यवाणी भी कर रहे हैं. इन तमाम दावों के बीच देखना होगा कि झारखंड के सियासी हालत किस करवट बैठते हैं. सियासी जानकारों के साथ ही झारखंड के आम लोगों की नजर भी इस बदलते घटनाक्रम पर लगी हुई है.

खास बातें

- झारखंड में जारी है अटकलों का दौर, तरह-तरह के विचार
- हर कोई कह रहा-होनेवाला है राज्य में कुछ बड़ा खेला

बिहार में हो चुका बड़ा राजनीतिक खेल

दो दिन पहले ही बिहार में भी बड़ा राजनीतिक खेल हुआ. नीतीश कुमार राजद का दामन छोड़ भाजपा के साथ हो लिए. एक ही दिन में सत्ता भी संभाल ली. लेकिन राजनीतिक जानकारों के अनुसार इसकी पटकथा लगभग सात महीने पहले ही लिखी जा चुकी थी, जब ईडी ने जदयू एमएलसी और नीतीश के करीबी लोगों पर दबिश बढ़ाई थी. इसके बाद जदयू बैकफुट में आ गया. इंडिया गठबंधन को बीच मझधार में छोड़ नीतीश कुमार ने भाजपा के साथ सरकार बना ली. इस बड़े उलटफेर को देखते हुए झारखंड में भी चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है. कयासों का दौर जारी है. चचर्झाहो रही है कि झामुमो और भाजपा मिल कर झारखंड में बहुमत की नयी सरकार बना सकते हैं.

एक और नए समीकरण की चर्चा

झारखंड में एक दूसरे समीकरण बनने की चर्चा हो रही है. झारखंड में बीजेपी के निशाने पर कांग्रेस के विधायक पहले से ही रहे हैं. कई बार कांग्रेस विधायकों के टूटने की खबर भी सामने आ चुकी है. ऐसे में चर्चा है कि हो सकता है कि भाजपा कांग्रेस विधायकों को तोड़ कर पार्टी में मिला ले और नयी सरकार का गठन हो जाए. ये चर्चा इसलिए हो रही है, क्योंकि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रामेश्वर उरांव ने एक समारोह में रविवार को बाबूलाल मरांडी की जम कर तारीफ की. उससे संकेत मिल रहा है कि बिहार से अलग होकर बने झारखंड में भी कहीं बिहार की पुनरावृत्ति हो जाए, तो आश्चर्य नहीं. मरांडी की मौजूदगी में उरांव ने कहा- अलग राज्य का उद्देश्य शोषण से मुक्ति था. पहले सीएम बाबूलाल मरांडी के समय से विकास का काम शुरू हुआ.

ब्रीफ खबरें

चलाया जा रहा है बाल विवाह मुक्त अभियान

महुदा। बाल विवाह मुक्त भारत निर्माण के लिए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट द्वारा कैलाश सत्यार्थी चिल्ड्रेन फाउंडेशन के सहयोग से चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को ट्रस्ट द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र काण्ड्रा में महुदा क्षेत्र के आंगनबाड़ी केंद्र की सेविकाओं के साथ बैठक की गई. बैठक को संबोधित करते हुए झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट के फील्ड कॉर्डिनेटर भागीरथ सिंह ने कहा कि ट्रस्ट द्वारा जनवरी से मार्च तक तीन माह वंचित परिवार का सर्वे एवं विद्यालय से वंचित परिवारों का सर्वे कराया जा रहा है.

अगलगी में 66 लाख रु की संपत्ति जलकर खाक

कतरास। कतरास बाजार के राहुल चौक के समीप संचालित तिरुपति आयरन स्टोर में लगी भीषण आग पर तीन दमकल वाहन से सोमवार की अहले सुबह काबू पा लिया गया . हालांकि आग बुझाने के बावजूद भी दुकान के निचले व ऊपरी तल्ले से धुआं उठ रहा था.आग इतनी भयावह रूप ले ली थी कि ऊपरी तल्ले में रखे सामान भी झुलस गए. साथ ही मकान की दीवारों में कई जगह दरारें पड़ गई .एतियान के तौर पर कतरास पुलिस ने घटनास्थल स्थल पर बेरिकेडिंग कर नजर बनाए हुए हैं.

हेल्थ चेकअप कैंप में 120 मरीजों की जांच

धनबाद । सुश्रुता मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एंड इंस्टिट्यूट ऑफ़ यूरोलॉजी की ओर से मेमको मोड़, आठ लेन रोड में वनांचल पब्लिक स्कूल प्रांगण में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया.कैंप में 120 मरीजों की जांच डॉ. विद्युत गुहा (सर्जन) डॉ सौम्या (गायनोकॉलोजिस्ट) डॉ. बिश्वारुप गुहा (यूरोलॉजी) विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम ने किया.डॉ विद्युत गुहा (सर्जन) ने बताया इस हेल्थ कैंप में मरीजों का जेनरल चेकअप कर उन्हें दवा भी निःशुल्क दी गई.

छात्रों ने माइनिंग कॉलेज में जड़ा ताला

सिंदरी । बीआईटी सिंदरी परिसर स्थित सरकारी पॉलिटेक्निक भागा माइनिंग कॉलेज के विद्यार्थियों ने शिक्षकों की कमी और फरवरी में होने वाली परीक्षा की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर सोमवार को कॉलेज के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया. जोरदार प्रदर्शन भी किया. विद्यार्थियों के आंदोलन से कॉलेज में पठन-पाठन पूरी तरह ठप हो गया. काफी मान-मनौवल व पुलिस के हस्तक्षेप से छात्रों ने काफी देर बाद ताला खोल दिया. छात्र-छात्राओं ने बताया कि फूड टेक्नोलॉजी, कंप्यूटर साइंस और माइनिंग विभाग के शिक्षकों को 18 दिसंबर से हटा दिया गया है.

आदर्श सेवा समिति का वार्षिक समारोह

मैथन। मैथन आदर्श सेवा समिति का 23 वां वार्षिक समारोह पुरस्कार वितरण एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन सीडब्ल्यूसी के निदेशक सह सदस्य सचिव शशि राकेश एवं डीवीसी के अधीक्षक अभियंता राकेश केसरी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. मौके पर नन्हे कलाकार मयूख साहा ने उद्घाटन गीत प्रस्तुत किया, जबकि नृत्य श्रीजयी गांगुली ने प्रस्तुत किया ।कार्यक्रम में पश्चिम बंगाल एवं झारखंड के विभिन्न विद्यालयों से कुल 78 बच्चों ने क्वीज में भाग लिया.

पीएम के कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर डीसी ने विभागीय पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेवारी

चार को धनबाद में महाकुंभ, पीएम, सीएम, न्याय यात्रा और जेएसएससी की परीक्षा एक साथ

संवाददाता । धनबाद

आगामी 4 फरवरी को जिले में लगेगा महाकुंभ, जिसमें प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी का एक साथ एक ही दिन जुटान होगा. इसके साथ ही जेएसएससी के द्वितीय चरण की परीक्षा भी आयोजित होगी. इन सभी कार्यक्रम के सफल संचालन को लेकर सोमवार को समाहरणालय में डीसी वरुण रंजन ने विभागीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की.उन्होंने जिला में प्रधानमंत्री के दो कार्यक्रम हैं. एक कार्यक्रम हर्ल सिंदरी में होनी है, मुख्यमंत्री का गोल्फ ग्राउंड में कार्यक्रम है. वहीं राहुल गांधी का न्याय यात्रा कार्यक्रम भी इसी दिन है. इसके अलावा जेएसएससी की परीक्षा भी आयोजित होने वाली है.

नोडल पदाधिकारियों को दी गई जिम्मेवारी

हर्ल कारखाना में कार्यक्रम के लिए डीडीसी शशि प्रकाश सिंह को नोडल पदाधिकारी बनाया गया . वहीं बरवाअड्डा में प्रधानमंत्री के जनसभा कार्यक्रम के लिए एलआरडीसी सतीश चंद्रा को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया . राहुल गांधी के कार्यक्रम हेतु नगर आयुक्त रविराज शर्मा को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है . मुख्यमंत्री के कार्यक्रम हेतु डीआरडीए निदेशक मुमताज अली अहमद को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है . साथ ही जेएसएससी परीक्षा हेतु एडीएम (विधि व्यवस्था) कमलाकांत गुप्ता को नोडल पदाधिकारी नियुक्त किया गया है .इन सभी कार्यक्रम के लिए कंट्रोल रूम का निर्माण किया जा रहा है .

सड़क, बिजली, पानी की व्यवस्था भी होगी दुरुस्त

वीवीआईपी के आगमन को लेकर शहर में कई बदलाव भी देखने को मिलेगा . सड़क से फुटपाथ गायब हो जाएंगे, टूटी सड़के चकाचक होगी . बिजली, पानी और ट्रैफिक की व्यवस्था भी दुरुस्त होगी . इसे लेकर डीसी ने विभागीय पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया है . जिसमें हैलीपेड को ससमय दुरुस्त करने, सभी अप्रोच रोड की मरम्मत, शहर की साफ-सफाई एवं सौंदर्यकरण सहित ट्रैफिक व्यवस्था सुदृढ़ करने की बात शामिल है .

नगर आयुक्त ने सभी कर्मियों की छुट्टी के साथ साप्ताहिक अवकाश रद्द की

पीएम के कार्यक्रम को लेकर साफ-सफाई

धनबाद । नगर आयुक्त रविराज शर्मा ने नगर निगम के सभी नगर प्रबंधक, सुपरवाइजर, स्वच्छता पर्यवेक्षक एवं सफाई कर्मियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा है कि आगामी 4 फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आगमन को लेकर पूरे निगम क्षेत्र की साफ सफाई, ड्रेनेज, अतिक्रमण हटाने एवं नगर निगम के अन्य कार्यो में तत्परता लाएं. नगर आयुक्त ने सभी निगम कर्मियों को विशेष निर्देश देते हुए कहा है कि इन कार्यक्रमों को लेकर विशेष अभियान चलाते हुए सभी क्षेत्रों की विशेष सफाई कराई जाए. इसके साथ ही जलापूर्ति, ड्रेनेज सिस्टम पर विशेष ध्यान दिया जाए. सड़कों के अतिक्रमण को हटाने के लिए अभियान चलाने का निर्देश दिया गया है.

साप्ताहिक अवकाश भी नहीं रहेगा : पीएम सीएम एवं राहुल गांधी के एक ही दिन कार्यक्रम को लेकर निगम कर्मियों की छुट्टी 4 फरवरी तक रद्द कर दी गई है. आगामी 4 फरवरी तक नगर निगम के किसी कर्मी को कोई छुट्टी नहीं मिलेगी. इसके साथ ही कोई साप्ताहिक अवकाश भी नहीं रहेगा. रविवार नगर आयुक्त ने यह आदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन एवं राहुल गांधी के प्रस्तावित कार्यक्रम के मद्देनजर दिया है. मालूम हो कि 27 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिंदरी में हर्ल कंपनी का उद्घाटन करने आ रहे हैं. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन झामुमो के स्थापना दिवस कार्यक्रम में शामिल होने या रहे हैं . राहुल गांधी का शहर में रोड शो होना है. इस दौरान साफ सफाई एवं निगम से जुड़े अन्य कार्यों का क्रियान्वयन सही ढंग से कराने के लिए नगर आयुक्त ने आवश्यक निर्देश दिए हैं.

अमन हत्याकांड में सीआईडी ने दर्ज किया मुकदमा

रांची में हुई एफआईआर साल का पहला मुकदमा

संवाददाता । धनबाद

धनबाद जेल में बंद यूपी के कुख्यात शूटर अमन सिंह की हत्या के मामले में सीआईडी ने मुकदमा दर्ज कर लिया है, अब मुकदमे में अग्रेतर कार्रवाई और सबूतों की तलाश सीआईडी करेगी. सीआईडी की तरफ से अमन सिंह हत्याकांड साल का पहला मुकदमा है.

बताते चलें कि चार दिसंबर 2023 को धनबाद जेल में बंद अमन सिंह को अस्पताल वार्ड में गोलियों से छलनी कर दिया गया था. इस मामले में पुलिस ने जेल सीसीटीवी फुटेज के आधार पर रितेश यादव को नामजद अभियुक्त बनाया था. रितेश भी यूपी का रहने वाला था, और साजिश के तहत जेल पहुंचा था, हत्या के बाद रितेश को रिमांड पर लेकर पूछताछ हुई, तो जेल में उसे पिस्टल उपलब्ध कराने वाले विकास बजरंगी और सतीश गांधी को अभियुक्त बनाया गया. इस हाईप्रोफाइल मर्डर केस में जेल के अधिकारियों पर गाज गिरी थी. साथ ही सीआईडी ने भी मामले को लेकर सक्रिय थी, अब सीआईडी ने मामले को अपने अधीन कर लिया है, बताते चले कि जेल में पिस्टल किसने भिजवाया था और जेल से बाहर कौन कौन इस हत्याकांड में बतौर मास्टरमाइंड हैं, पुलिस फिलहाल इस खुलासे से दूर है. ऐसे में सीआईडी अब इन बातों की पड़ताल करे.

रौशन हत्याकांड में एक आरोपी को उम्रकैद दूसरे को 10 वर्ष कैद

धनबाद। लोयाबाद कनकनी निवासी रोशन की हत्या कर देने के चर्चित मामले में धनबाद के जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह की अदालत ने नामजद आरोपी कनकनी लोयाबाद निवासी अनुज चौहान को उम्रकैद और दस हजार रुपए जुर्माना की सजा दी . जबकि रोहित चौहान को दस वर्ष कैद एवं पांच हजार रुपए जुर्माना की सजा सुनाई है . 25 जनवरी को अदालत ने दोनो को दोषी करार दिया था . अदालत ने मामले के अन्य आरोपी सीताराम चौहान ,सावित्री देवी एवं सरोज चौहान को संदेह का लाभ देते हुए रिहा कर दिया था . प्राथमिकी लोयाबाद थाने में मृतक रोशन के भाई रत्नेश चौहान की शिकायत पर 2 मई 2021 को दर्ज की गई थी . प्राथमिकी के मुताबिक दो मई को सुबह आरोपियों के साथ मृतक का नाली विवाद को लेकर झगड़ा हुआ था . झगड़ा में आरोपियों ने रोशन के ऊपर चाकू से हमला कर दिया था .जिसमें वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया था . अस्पताल ले जाने के क्रम में रोशन की मौत हो गई थी . रत्नेश गंभीर रूप से जख्मी था .

नीरज हत्याकांड में कुर्बान की अर्जी खारिज

धनबाद । पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्याकांड की सुनवाई सोमवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश अखिलेश कुमार की अदालत में हुई.सुनवाई के दौरान मुन्ना बजरंगी के शूटर आरोपी मोहम्मद कुर्बान की ओर से दायर ड्यूटी रजिस्टर मंगाने की याचिका खारिज कर दी. 25 जनवरी को सुनवाई के दौरान अधिवक्ता मो. जावेद ने दलील देते हुए कहा था कि मौके वारदात पर ट्रैफिक के जवान तैनात थे, जो इस बात का सबसे अच्छा गवाह हो सकते हैं कि मृतक नीरज सिंह व अन्य मृतकों को गाड़ी से किसने निकाला और अस्पताल ले गए. उस समय गाड़ी में कौन-कौन लोग मौजूद थे, लिहाजा ड्यूटी रजिस्टर मंगाया जाए. अदालत में अभियोजन ने जवाब दायर कर अर्जी का विरोध किया था. अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया था.

हरीश समेत पांच की अग्रिम जमानत खारिज

धनबाद। जाति सूचक शब्द कह महिला को अपमानित करने एवं मारपीट करने के मामले में हार्डकोक व्यवसाई हरीश गर्ग उनकी बहू दीप्ति गर्ग, विनय मुखर्जी,बलियापुर निवासी शुभाशीष पांडे एवं मुकेश कुमार पांडे की अग्रिम जमानत अर्जी धनबाद एसटीएससी के विशेष न्यायाधीश सुजीत कुमार सिंह की अदालत ने खारिज कर दी. अभियोजन का संचालन एसएसीएसटी एक्ट के विशेष अभियोजक जयदेव बनर्जी ने की. . प्राथमिकी शहरपूरा सिंदरी निवासी पीड़िता के शिकायत पर बलियापुर थाने में 20 अगस्त 2020 को दर्ज की गई थी.

ठगी मामले में जमानत याचिका खारिज हुई

धनबाद। होर्डिंग कंपनी में पार्टनर बनाने के नाम पर 19 लाख रुपया की ठगी के आरोपियों को जमानत याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दी. बताते चले कि धनबाद निवासी आमिर खान ने उक्त मुकदमा दर्ज कराया था. आरोप था कि जेपी नगर निवासी आशुतोष सिंह, देशरत्न सिंह और सुनील ने मिलकर होर्डिंग कंपनी में पार्टनर बनाने के नाम पर 19 लाख रुपया ले लिया था और पार्टनर भी नही बनाया, तब मामले की शिकायत थाने में की गई थी. आरोपियों ने कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी.

तोपचांची में ट्रक की चपेट में आकर महिला की मौत, विरोध में सड़क जाम

संवाददाता । धनबाद

तोपचांची थाना क्षेत्र के साहोबहियार में सोमवार को नेशनल हाइवे पर तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आकर एक महिला की मौत हो गई. मृतका की पहचान साहोबहियार हरिजन टोला निवासी बानो देवी (60 वर्ष) के रूप में की गई. जानकारी के अनुसार, महिला लकड़ी का गठर लेकर सड़क पार कर रही थी. तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक ने चपेट में ले लिया. महिला की घटनास्थल पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर तेज रफ्तार में निमियाघाट की ओर भाग गया.सूचना मिलते ही तोपचांची पुलिस ने ट्रक का पीछा कर पकड़ लिया और ट्रक को जब्त कर थाना ले गई.

ग्रामीणों की भीड़ जुट गई : इधर, घटना की खबर फैलते ही वहां ग्रामीणों की भीड़ जुट गई. परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल था. गुस्साए लोंगों ने मुआवजे की मांग को लेकर सड़क जाम कर दी. ग्रामीणों ने बताया कि साहोबहियार के पास फुटओवरब्रिज नहीं रहने के कारण सड़क पार करने के दौरान लोग अक्सर दुर्घटना का शिकार होते हैं. तोपचांची बीडीओ फणिश्वर रजवार, सीओ संजय कुमार सिंह, थाना प्रभारी जयराम प्रसाद, विधायक प्रतिनिधि जगदीश चौधरी, मुखिया अनवर अंसारी घटनास्थल पहुंचे और लोगों को समझा-बुझकर शांत कराया. अधिकारियों ने सरकारी प्रावधान के अनुसार पीड़ित परिवार को मुआवजा का आश्वासन दिया. करीब डेढ़ घंटा बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम हटा लिया. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया.

सीजीएम आनंद प्रसाद सिंदरी के पूर्व निवासी : दीपू

सिंदरी । गणतंत्र दिवस पर बोकारो थर्मल के नये मुख्य महाप्रबंधक सह प्रोजेक्ट हेड आनंद मोहन प्रसाद ने झंडोत्तोलन किया. उनका निवास कभी सिंदरी के एसकेफोर 177 - 78 हुआ करता था. उनके पिता स्व अमर नाथ प्रसाद एफसीआई सिंदरी में ट्रेनिंग सेंटर में कार्यरत थे. उक्त जानकारी देते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता सह सिंदरी चेम्बर ऑफ कामर्स अध्यक्ष दीपक कुमार दीपू ने उन्हें समस्त सिंदरीवासियों की ओर से बधाई दी है.उन्होंने बताया कि बोकारो थर्मल पावर स्टेशन के नये सीजीएम बीआईटी सिंदरी के 1989 बैच के छात्र थे. उनकी स्कूली शिक्षा भी सिंदरी में हुई थी. आनंद प्रसाद का पैतृक निवास बिहार के भागलपुर में है और उनकी शादी पटना के प्रतिष्ठित घराने में हुई है.

आधार कार्ड बनवाने वाले वयस्कों की बढ़ी परेशानी

संवाददाता । धनबाद

जिले में वैसे लोग जो अब वयस्क हो चुके है और अभी तक अपना आधार कार्ड नहीं बनवाया है तो उनकी मुश्किलें बढ़ने वाली है. ऐसे लोगों को आधार सेंटर में जाने के साथ अब बीडीओ ऑफिस के भी चक्कर लगाने पड़ेंगे. देश में आधार को लेकर हो रहे फर्जीवाड़े को रोकने के लिए केंद्र सरकार ने यह कदम उठाया है. नए नियम के मुताबिक यदि आपकी उम्र 18 साल या उससे अधिक है. आधार कार्ड बनवाने के लिए आधार सेंटर में पहली बार जाते हैं तो यहां सारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद आपको अपने सारे दस्तावेज को लेकर ब्लाक ऑफिसर (बीडीओ) के पास जाना होगा. ऑफिसर आपके जन्म प्रमाण पत्र, घर का पता तथा अन्य जानकारी प्राप्त करने के बाद ही अपने लॉगिन में जाकर स्वीकृति प्रदान करेंगे, उसके बाद ही नया आधार कार्ड बनेगा.

नया नियम लागू हो चुका है

इस संबंध में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी अमित कुमार सिंह ने बताया कि नया नियम लागू हो चुका है . बहुत से लोग पहले आधार कार्ड बनवा चुके है . नए नियम के अनुसार छिटपुट लोग ही आधार कार्ड अभी बना रहे है . नया आवेदन किसी भी केंद्र से करने पर वह संबंधित क्षेत्र के वीडीओ के लॉग-इन में चला जाता है . जंहा आवेदक को जाकर भौतिक सत्यापन कराना पड़ता है . उसके बाद ही आधार बनता है . 18 साल से कम उम्र के लोगों के लिए नियम पहले वाला ही है .

डीवीसी प्लस टू हाई स्कूल में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित

छात्र वर्ग में विवेक कुमार और छात्राओं में नयना कुमारी स्कूल चैंपियन बने

संवाददाता । मैथन

डीवीसी के प्लस टू हाई स्कूल मैथन में सोमवार को 60 वां वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण एवं रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ. प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीवीसी के अधिकारी दीपांकर चौधरी, अभिजीत चक्रवर्ती बीसी कुजूर ने संयुक्त रूप से किया. स्कूल के प्राचार्य आईबी झा ने अतिथियों का स्वागत किया और स्कूल का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया.

प्रतियोगिता के छात्र वर्ग में विवेक कुमार और छात्राओं में नयना कुमारी स्कूल चैंपियन बनी. जबकि छात्र वर्ग में रोहित लोहार एवं छात्राओं में चंदना कुमारी इंटर कॉलेज चैंपियन बने. छात्र-छात्राओं ने लंबी कूद, ऊंची कूद, 200, 400, 800 मीटर दौड़ आदि प्रतियोगिताओं में बड़े उत्साह के साथ बढ़चढ़कर भाग लिया. सफल छात्र-छात्राओं को मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया. मौके पर अतिथियों ने कहा कि बच्चों को पढ़ाई के साथ साथ खेलकूद में भी बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए, ताकि खेलकूद से शरीर एवं मस्तिष्क को एक नई उर्जा मिलती है. खेलकूद में भी नाम रौशन किया जा सकता है, बल्कि खेलकूद के प्रति जज्बा होना चाहिए.

न्याय यात्रा को सफल बनायें : विकास सिंह

कतरास। राहुल गांधी के प्रस्तावित भारत जोड़ों न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए कॉंग्रेस पार्टी की एक बैठक सोमवार को कतरास प्रधान कांग्रेस कार्यालय में आयोजित की गई .जिसकी अध्यक्षता करमचंद बावरी तथा संचालन अजय पासवान ने किया .बैठक को संबोधित करते हुए युवा कांग्रेस के कतरास नगर अध्यक्ष विकास सिंह ने कहा कि कांग्रेस के सभी नेता,कार्यकर्ता न्याय यात्रा को सफल बनाने के लिए मेहनत करे,उन्होंने राहुल गांधी के संदेश तथा न्याय यात्रा के उद्देश्य को आम जनता तक पहुंचाने का आग्रह किया.कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कतरास नगर अध्यक्ष रंजीत पांडेय तथा बाघमारा विधानसभा अध्यक्ष विशाल महतो ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ों न्याय यात्रा धनबाद में ऐतिहासिक रूप से सफल होगी.

अंतिम ठहराव के बाद ट्रेन को यार्ड में ले जाकर मेंटेनेंस करने का है नियम

6 साल 6 महीने बाद चली डीसी ट्रेन की 20 दिनों से मेंटेनेंस तक नहीं

खास बातें

- बोगी की ट्रॉली में गड़बड़ी के कारण पूर्व में हो चुके हैं हादसे
- अधिकारियों की लापरवाही के कारण मेंटेनेंस नहीं

संवाददाता । धनबाद

डीसी लाइन को आग से खतरा बताते हुए रेलवे की ओर से 15 जून 2017 में बंद हुई धनबाद-चंद्रपुरा सवारीगाड़ी स्पेशल ट्रेन 6 साल 6 महीने बाद 10 जनवरी 2024 से तो चली, लेकिन 20 दिनों में एक दिन भी मेंटेनेंस तक नहीं किया गया. जबकि ट्रेन रोजाना अप-डाउन में दो फेरा लगाती है. चंद्रपुरा से सुबह 07:10 बजे खुलकर 09:40 बजे धनबाद आने के बाद दिनभर लूप लाइन में ट्रेन खड़ी रहती है, फिर शाम को प्लेटफॉर्म संख्या सात पर लाकर धनबाद से 05:05 बजे चंद्रपुरा के लिए रवाना किया जाता है. रेलवे सूत्रों के अनुसार नियमतः रोजाना चलनेवाली ट्रेन को यार्ड में कोचिंग पीट में ले जाकर मेंटेनेंस करना है. चाहे पैसेंजर ट्रेन हो या फिर एक्सप्रेस. सूत्रों के अनुसार रेलवे के अधिकारियों की अनदेखी और लापरवाही के कारण मेंटेनेंस के अभाव में कभी भी ट्रेन हादसा हो सकता है. यार्ड में मेंटेनेंस के समय ब्रेक ब्लॉक, एक्सेल समेत एयर ब्रेक आदि को चेक किया जाता है, जो हर बोगी प्रमुख पार्टस होता है. इसके अलावा कई अन्य पार्टस भी होते हैं, जिसका कोचिंग पीट में रेलवे कर्मचारी जांच कर ठीक करते हैं. कोई पार्टस टूट जाता है या उसमें दरार पड़ जाती है, तो उसे बदल कर दूसरा लगाया जाता है. कई बार बोगी की ट्रॉली में गड़बड़ी होने से ट्रेन बेपटरी हो चुकी है. यात्रियों का कहना है कि डीसी ट्रेन को डीआरएम समेत जनप्रतिनिधियों ने श्रेय लेने के लिए 10 जनवरी को धनबाद, कतरास व चंद्रपुरा में कार्यक्रम आयोजित कर हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था.

ब्लैक डायमंड धनबाद-भुवनेश्वर की भी मरम्मत नहीं

जानकारी के अनुसार धनबाद-हावड़ा के बीच चलनेवाली ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस और डीसी रूट पर चलनेवाली धनबाद-भुवनेश्वर एक्सप्रेस की भी रोजाना मरम्मत नहीं हो रही है . रेलवे अधिकारी के अनुसार ब्लैक डायमंड एक्सप्रेस की मेंटेनेंस 48 घंटे बाद होती है . जबकि धनबाद-भुवनेश्वर की मेंटेनेंस धनबाद में नहीं होती है . उसका भुवनेश्वर के यार्ड में मेंटेनेंस होता है . पहले दोनों ट्रेन की मेंटेनेंस रोजाना दोपहर में धनबाद स्टेशन के कोचिंग यार्ड में होता था . अभियंता, तकनीशियन, हेल्फर समेत अन्य कर्मचारियों की कमीं के कारण अधिकारी गंगा-दामोदर, गंगा-सतलज समेत गिने-चुने ट्रेनों की ही मेंटेनेंस करते हैं .

ट्रेन में सफर करते हैं सैकड़ों यात्री, हादसे की आशंका बढ़ी

यात्रियों का कहना है कि ट्रेन में एक-दो नहीं, बल्कि सैकड़ों यात्री सफर करते हैं . चाहे ब्लैक डायमंड हो या फिर धनबाद-भुवनेश्वर एक्सप्रेस या फिर कोई अन्य ट्रेन . मेंटेनेंस के अभाव में किसी पार्टस में गड़बड़ी के कारण बड़ा हादसा होता है और यात्रियों की जान जाती है, तो इसके लिए जिम्मेदार कौन होगा . हादसे के बाद आला अधिकारी जांच टीम गठित कर पल्ला झाड़ लेते हैं . रिपोर्ट में क्या साबित होता है और कितने लोगों पर कार्रवाई होती है . यह किसी से छिपी नहीं है . अधिकारी जिम्मेदारी के साथ काम करें और कर्मियों से कराएं, तो हादसा नहीं के बराबर होगा .

टासरा प्रोजेक्ट सिंदरी

सारडा रिपोर्ट के प्रारूप पर भूअर्जन पदाधिकारी ने की जनसुनवाई

एकमुश्त जमीन अधिग्रहण व नियोजन की रखी शर्त

संवाददाता। सिंदरी

सेल के टासरा प्रोजेक्ट के लिए सामाजिक प्रभाव आकलन (सारडा) रिपोर्ट के प्रारूप पर धनबाद के जिला भू-अर्जन पदाधिकारी मो. मुजाहिद्दीन अंसारी की अध्यक्षता में सोमवार को जनसुनवाई हुई. जनसुनवाई में झरिया सीओ रामसुमन प्रसाद, सेल चासनाला के जीएम व बड़ी संख्या में रैयत शामिल थे. रोहड़ा बांध मौजा के आर्य समाज मैदान में हुई जनसुनवाई के दौरान रैयतों ने जमीन का एकमुश्त अधिग्रहण व नियोजन की शर्त रखी. जिला भूअर्जन पदाधिकारी ने कहा कि टासरा प्रोजेक्ट के लिए 224 एकड़ भूमि का एकमुश्त अधिग्रहण किया जाएगा. आरएनआर पॉलिसी के तहत रैयतों के अधिकारों का पूरा ख्याल रखा जाएगा. उन्होंने बताया कि 28 वर्षों के लिए टासरा ओपन कास्ट परियोजना चलाने के लिए आईएमडीओ कंपनी 4 मिलियन टन प्रति वर्ष कोयला उत्पादन करेगी. पहले चरण में 1130 घरों के 3208 लोग प्रभावित होंगे. ग्रामीणों ने जनसुनवाई में सेल प्रबंधन पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया. ग्रामीणों ने शर्त रखी कि सेल प्रबंधन टासरा और रोहड़ाबांध मौजा की एकमुश्त 224 एकड़ भूमि अधिग्रहण करे. रैयतों को विस्थापित कर नगर निगम क्षेत्र में बसाया जाए. प्रत्येक रैयत विस्थापित को पुनर्वास के लिए 5 डिसमिल भूमि चाहिए. एक एकड़ भूमि अधिग्रहण के बदले कंपनी को पीढ़ी दर पीढ़ी परिवार के एक व्यक्ति को नियोजन देना होगा. पूर्व में विस्थापित हो चुके 105 लोगों को मूलभूत सुविधाओं के साथ कंपनी नियोजन दे.

जनसुनवाई में ये रहे शामिल : जनसुनवाई में जिला भू-अर्जन पदाधिकारी मो मुजाहिद्दीन अंसारी, झरिया सीओ रामसुमन प्रसाद, सेल चासनाला महाप्रबंधक शिवराम बनर्जी, गौशाला ओपी प्रभारी वीरेन्द्र कुमार, झरिया सीआई अभय सिन्हा, सेल अधिकारी पंकज मंडल, केटीएमपीएल निदेशक टी. रमेश, एचआर हेड चिट्टी बाबू, विजय शर्मा, मनीष सिंह, गणेश महतो, गोपाल महतो, मलय चंद्र महतो, विवेक मंडल, पूरन सिंह, मिहिर मंडल, अनिल सिंह, कपिलदेव सिंह, दशरथ ठाकुर, करण महतो, भक्तिपद पाल, सुभाष चंद्र मंडल, कालीपद मंडल, सुभाष सिंह सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल थे.

ब्रीफ खबरें

बैठक में फलेरिया उन्मूलन का संकल्प

गावां (गिरिडीह)। फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम को लेकर सोमवार को ब्लॉक टास्क फोर्स की बैठक प्रखंड मुख्यालय सभागार में हुई. बैठक की अध्यक्षता बीडीओ महेंद्र रविदास ने किया. बैठक में 10 फरवरी से 25 फरवरी 2024 तक प्रखंड के सभी पंचायतों में यह अभियान चलाया जाएगा. उसके अंतर्गत सभी को डीईसी व एल्बेंडाजोल की एकल खुराक दी जाएगी. यह दवा दो वर्ष से कम उम्र के बच्चे, गर्भवती महिलाओं व अत्यंत बीमार व्यक्तियों को नहीं खिलायी जाएगी. इसको लेकर सभी सहिया, बिटीटी, एएनएम स्वास्थ्य कार्यकर्ता को प्रशिक्षण दिया गया.

डीएवी के छात्रों का आशीर्वाद समारोह

बोकारो। बोकारो के डीएवी सेक्टर 6 में 12 वीं कक्षा के छात्रों के लिए सोमवार को आशीर्वाद समारोह का आयोजन किया गया. आशीर्वाद समारोह का शुभारंभ वैदिक हवन यज्ञ के साथ हुआ. विद्यालय के संस्कृत शिक्षक बाल शेखर झा ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर विधिवत ढंग से हवन यज्ञ संपादित किया. इस कार्यक्रम में डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-4 के प्राचार्य अरूण कुमार झा, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य ब्रह्मदेव प्रसाद उपस्थित थे. विद्यालय के प्राचार्य बृजमोहन लाल दास ने विद्यार्थियों के लिए शुभकामनाएं दी है.

फायर बैरियर पैनल का उद्घाटन किया

बोकारो। बीएसएल के डीएनडब्लू विभाग के वन आर पे सबस्टेशन के बेसमेंट और उससे जुड़े केबुल टनल में फायर रीटार्डेन्ट डोर और फायर बैरियर पैनल का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी ने किया. तिवारी ने इस कार्य की सराहना करते हुए बताया कि अग्नि सुरक्षा की इस पहल को अन्य विभागों में भी कार्यान्वित करना चाहिए. पावर सप्लाइ का डिस्ट्रिब्यूशन केबुल के माध्यम से समस्त विभागों को किया जाता है, इसे सुचारू रुप से डिस्ट्रीब्यूट करने के लिए प्लांट के सभी विभागों को एचटी केबुल नेटवर्क से जोड़ा गया है.

आदर्श उच्च विद्यालय का स्थापना दिवस

गांडेय (गिरिडीह)। जिले के गांडेय प्रखंड के बुधुडीह स्थित आदर्श हाई स्कूल का 24 वा स्थापना दिवस समारोह पूर्वक मनाया गया. समारोह की शुरुआकत जिला परिषद अध्यक्षा मुनिया देवी, तारा प्रसाद वर्मा, मुखिया नवीन वर्मा, राम प्रसाद पी मंडल ने सयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर की गई . कार्यक्रम की शुरुआत में विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा रंगा रंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया . विद्यालय के संस्थापक ताराप्रसाद वर्मा ने कहा कि शुरुआती दौर में आस पास के गांवों में घर घर जाकर बच्चों का नामंकन कार्य किया.

महिला समिति का वार्षिकोत्सव आयोजित

बोकारो। महिला समिति बोकारो का वार्षिक उत्सव मानव संसाधन विभाग के एचआरडी हाल में आयोजित किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वल से हुआ तथा सभागार में उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत पौधों से किया गया. अध्यक्ष महिला समिति अनिता तिवारी ने अतिथियों को अपनी शुभकामनाएं दी जिसके उपरांत रंगारंग प्रस्तुति विष्णु वंदना के साथ आरंभ हुई. इस दौरान राजस्थानी लोक नृत्य, श्रीमती रंजना रॉय की लोकगीत, करवा चौथ नाटिका, बिहू नृत्य, समूह गान, रेट्रो डांस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा.

माले की टीम ने जायजा लेकर जिला प्रशासन से कार्रवाई की मांग की, कहा-

विद्यालय के अतिरिक्त वर्ग कक्षा निर्माण में हो रही लूट

संवाददाता। गिरिडीह

झारखंड सरकार के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा सदर प्रखंड के महेशलुंडी में उत्क्रमित उच्च विद्यालय के लिए बनाए जा रहे अतिरिक्त 10 वर्ग कक्षाओं के 2 मंजिला भवन निर्माण में कोताही बरती जा रही है. यह भवन जिला समाहरणालय के पास ही बन रहा है, फिर भी संवेदक को कोई भय नहीं. उक्त बातें भाकपा माले के गांडेय विस क्षेत्र के नेता एवं अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के संस्थापक सदस्य राजेश यादव ने अपनी पार्टी की एक टीम के साथ स्थानीय लोगों द्वारा इस संबंध में की गई शिकायत के उपरांत निर्माण कार्य का जायजा लेने के बाद जारी प्रेस बयान में कही. माले की टीम में यादव के अलावा राजेश सिन्हा, कन्हैया सिंह सहित गणेश ठाकुर, दीपू मंडल आदि थे.

प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग

माले नेता राजेश सिन्हा ने भी स्कूल बिल्डिंग निर्माण के नाम पर इस लूट का विरोध करते हुए प्रशासन से उचित कार्रवाई की मांग की. नेताद्वय ने कहा कि सिर्फ महेशलुंडी ही नहीं बल्कि धनयडीह (गिरिडीह) में भी इसी तरह की लूट हुई है. कहा कि यदि निर्माण की गुणवत्ता में सुधार नहीं हुआ तो स्थानीय लोगों की बड़ी सभा कर आंदोलन शुरू किया जाएगा. जरूरत पड़ी तो डीसी ऑफिस के समक्ष भी धरना दिया जाएगा.

गुणवत्ता की अवहेलना देखी है: माले नेता ने कहा कि ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अवहेलना को स्वयं देखी है. इसलिए वे घटिया निर्माण का विरोध कर रहे हैं. निर्माण क्रम में बाथरूम में टाइल्स लगाने की जगह सिर्फ सीमेंट से पक्का कर दिया गया है. जैसे-तैसे कार्य किया जा रहा है. दरवाजे, खिड़कियां, नल, नाली, दीवारों के प्लास्टर सब-के-सब घटिया तरीके से बन रहे हैं. निर्माण में प्रयुक्त सामग्री की मात्रा और गुणवत्ता दोनों ही कमजोर है. घटिया निर्माण से अक्रोशित लोगों ने आखिरकार काम को रुकवाकर संबंधित जेई को इसकी जानकारी दी है.

खास बातें

- बाथरुम में टाइल्स की जगह सिर्फ सीमेंट का प्रयोग किया
- सभी सामग्री की गुणवत्ता के कमजोर होने का आरोप

झामुमो की बैठक में भाजपा पर लगाया आरोप

राजभवन घेराव की बनी रणनीति

संवाददाता। तिसरी (गिरिडीह)

तिसरी प्रखंड के बघलोरवा में सोमवार को झारखण्ड मुक्ति मोर्चा प्रखंड कमिटी का वनभोज कार्यक्रम सम्पन्न हुआ. जिसमें बतौर मुख्य अतिथि धनवार के पूर्व विधायक मो.निजामुद्दीन अंसारी, गांडेय के पूर्व विधायक जयप्रकाश वर्मा और अल्पसंख्यक मोर्चा के जिला सचिव सफीक अंसारी मुख्य रूप से उपस्थित थे.जिसमें आगामी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव के मद्देनज़र कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा की गई. साथ ही 31 जनवरी को राजभवन घेराव को लेकर रणनीति बनाई गई. वहीं इन नेताओं के समक्ष आधे दर्जन युवाओं ने झामुमो का दामन थामा जिनका मो. निजामुद्दीन और जयप्रकाश वर्मा ने पार्टी का सिंबल देकर स्वागत किया. मौके पर पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी ने कहा कि राजभवन घेराव को लेकर यह बैठक बुलाई गई है और इस बैठक के माध्यम से संगठन मजबूती की चर्चा भी की गई. उन्होंने कहा कि यदि ईडी हमारे मुख्यमंत्री को गिरफ्तार करती है तो यह भाजपा की सबसे बड़ी भूल होगी. यदि ऐसा हुआ तो झारखंड ऐसा आग उगलेगा कि 2000 से पहले का जो नजारा था वही नजारा फिर से देखने को मिलेगा.

बेरमो को जिला बनाने की मांग को लेकर सड़क पर उतरे लोग

असरदार रहा बेरमो बंद

संवाददाता। बेरमो

बेरमो को जिला बनाने की मांग को लेकर सोमवार को बेरमो बंद असरदार रहा. बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति के नेता और कार्यकर्ता सुबह से ही सड़कों पर उतरकर बंद को सफल बनाने में लगे रहे. तेनुघाट, गोमिया, पेटरवार और बेरमो चार नंबर मोड़ पर आंदोलनकारी देर तक जमे रहे. पेटरवार चौक पर गोमिया विधायक लंबोदर महतो, समिति के सह संयोजक कुलदीप प्रजापति, राकेश कुमार, तेनुघाट में अधिवक्ता संघ के महासचिव वकील प्रसाद महतो, बेरमो में पूर्व जिप सदस्य आफताब आलम ने मोर्चा संभाल रखा था. संघर्ष समिति के लोगों ने गोमिया चौक पर टायर जलाकर बंद के समर्थन में सड़क पर धरना दिया. इसके चलते गोमिया से हजारीबाग, पेटरवार और फुसरो जाने वाली मुख्य सड़क जाम हो गई. सड़क पर वाहनों की कतार लग गई.

अपनी दुकानें बंद रखीं

वहीं गोमिया, स्वांग, हजारीबाग मोड़, साड़म व होसिर चौक के दुकानदादारों में अपनी दुकानें बंद रखीं. धरना में जिप अध्यक्ष सुनीता देवी और भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला अध्यक्ष चितरंजन साव, समिति के मिथुन चंद्रवंशी, विपिन कुमार, विनोद यादव सहित अन्य लोग शामिल थे. वहीं विस्थापित नेता नरेश प्रजापति के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने गोविंदपुर फेज टू में लोहा पुल से छिलका पुल के बीच कोयला ट्रांसपोर्टिंग बंद करा दी. दोपहर एक बजे गोमिया सीओ प्रदीप कुमार महतो गोमिया चौक पर पहुंचे और बंद समर्थकों से बात कर जाम हटाया. बंद के समर्थन में अधिवक्ता संघ तेनुघाट से जुड़े अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से खुद को अलग रखा. संघ के महासचिव वकील प्रसाद महतो, जिप सदस्य माला कुमारी, तेनुघाट मुखिया नीलम श्रीवास्तव, साड़म मुखिया शोभा देवी, रहमतुन निशां, विद्यानंद प्रसाद, सुरेंद्र यादव, विक्की जैन आदि ने बंद को सफल बताया है.

जिला बनाने की मांग को लेकर तेनुघाट भी रहा बंद

संवाददाता। तेनुघाट

बेरमो जिला बनाने को लेकर सोमवार को बुलाई गई बेरमो बंद के समर्थन में तेनुघाट भी बंद रहा. तेनुघाट में पूरा बाजार सुबह से ही व्यवसायियों के द्वारा बेरमो जिला बनाने की मांग के समर्थन में स्वत बंद कर दिया गया. बंद में आवश्यक वस्तु एवं चिकित्सा से संबंधित सभी वाहन एवं चिकित्सा कर्मचारियों को इस बंदी से मुक्त रखा गया था.

इस दौरान अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष सह बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष कामेश्वर मिश्र और महासचिव सह बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति के सचिव वकील प्रसाद महतो ने बताया कि बेरमो अनुमंडल जो जिला बनने की सारी अहर्ताएं पूरी करता है मगर उसके बाद भी अभी तक सरकार बेरमो अनुमंडल को जिला बनाने की ओर कोई ध्यान नहीं दे रही है. इसलिए सड़क पर उतरना पड़ा। बेरमो जिला बनाओ संघर्ष समिति के संयोजक संतोष नायक जो पिछले 54 दिनों से धरना प्रदर्शन पर बैठे हुए हैं उसके बाद भी सरकार उनकी और ध्यान नहीं दे रही है. जरूरत पड़ने पर आगे भी हम सभी चरणबद्ध आंदोलन करने को तैयार रहेंगे. इस दौरान प्रशासन भी पूरी तरह मुस्तैद नजर आया. तेनुघाट ओपी प्रभारी अपने दल बल सहित बंद समर्थकों के पास उन्हें शांत करवाते नजर आई । बंद समर्थकों ने सुबह सात बजे से लगभग एक बजे सड़क जाम लगा दिया एक बजे के बाद सड़क को मुक्त कर दिया गया.

निलंबन मुक्त होने पर डीलरों ने विधायक का किया अभिनंदन

बोकारो।

कसमार प्रखंड जन वितरण प्रणाली दुकानदार संघ ने सोमवार को प्रखंड के पुरनी बगियारी स्थित नवनिर्मित किसान भवन में स्थानीय विधायक डॉ लंबोदर महतो के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया. इस दौरान संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विधायक को माला पहनकर स्वागत किया तथा विभिन्न डीलरों को निलंबन मुक्त कराने पर आभार जाताया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ लंबोदर ने कहा कि प्रखंड के सभी डीलर बिना डरे अपना काम करें. वह ईमानदारी से काम करेंगे तो उन पर किसी भी तरह की आंच नहीं आने देंगे. विधायक ने कहा कि किसी के बहकावे में आकर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने प्रखंड के डीलरों को निलंबन कर बेवजह परेशान करने का काम किया था. डीलरों को निर्दोष देखते हुए वह उनके पक्ष में खड़े हुए तथा अधिकारियों के सामने मजबूती से इस मामले को रखकर सभी को निलंबन मुक्त करने का काम किया. इस दौरान डीलरों ने कहा कि डीलर कहीं से भी दोषी नहीं थे. बावजूद परेशान किया गया. मौके पर डीलरों ने अपनी अन्य समस्याओं को भी विधायक के समक्ष रखा. मौके पर दीपक कुमार झा, कृपाशंकर जायसवाल, गंगाधर बैठा, श्यामल झा, सोमर महतो, सूरज जायसवाल, इब्राहिम अंसारी, रामकिंकर झा, कुदुस अंसारी, सुनील कपरदार, निर्मल गोसाई, सुरेंद्र मुंडा, अखिलेश्वर हेंब्रम, भागीरथ कपरदार, विष्णु जायसवाल, संतोष प्रजापति, शत्रुघ्न हेंब्रम, शेखर रजक, नंदलाल रजक, फुलमनी देवी, धनेश्वर महतो आदि मौजूद थे.

कसमार में गोमिया विधायक का अभिनंदन करते डीलर.

अबुवा आवास को लेकर बैठक आयोजित की गई

पीड़टांड़ (गिरिडीह)। पीरटांड़ प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार में सोमवार को प्रखंड के सभी मुखिया एवं जनप्रतिनिधियों के साथ प्रमुख सविता टुडू एवं बीडीओ मनोज कुमार मरण्डी की उपस्थिति में अबुवा आवास को लेकर बैठक का आयोजन किया गया.बैठक में बताया गया कि अबुआ आवास में आए आवेदन ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किए गए योग्य एवं अयोग्य लाभार्थियों का चुनाव प्रथमिकता के आधार पर करना है . बीडीओ ने बताया कि अबुआ आवास में योग्य लाभार्थियों का चयन ग्राम सभा ले माध्यम किया जाना है.

गावां प्रखंड में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही

रॉड काटकर सामान ले गये चोर

संवाददाता। गावां (गिरिडीह)

गावां प्रखंड में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रहा है. लगातार चोरी की घटना से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. प्रखंड में चोरों का आतंक इस कदर बढ़ गया है कि अब आंगनबाड़ी, स्कूल और मंदिर पर अपना निशाना बना रहे हैं. लेकिन पुलिस इसपर अंकुश लगाने में असफल हो रही है. रविवार की देर रात गावां थाना के चहारदीवारी से सटे मॉडल थाना मोड़ आंगनबाड़ी केंद्र से चोरों ने हजारों रुपये संपत्ति की चोरी कर ली है. यहां चोरों ने आंगनबाड़ी केंद्र के खिड़की का छड़ तोड़कर सेंटर में रखे बर्तन, वेट मशीन, खाद्यान्न सामग्री, रजिस्टर आदि की चोरी कर ली है. घटना की जानकारी तब हुई, जब प्रतिदिन की तरह आंगनबाड़ी केंद्र खोलने के लिए सेविका सेंटर पर पहुंची. तब सेविका ने देखा कि सेंटर के खिड़की का छड़ काटकर चोरी की गई है. सेंटर में सारा सामान इधर उधर बिखरा पड़ा हुआ है.

पहले भी आंगनबाड़ी केंद्र में हो चुकी है चोरी

गावां प्रखंड में आंगनबाड़ी केंद्र में चोरी की यह नई घटना नहीं है. इसके पहले भी 7 जनवरी को सांख पंचायत के लखेकुरा के एक आंगनबाड़ी केंद्र सहित 4-5 घरों में चोरी हुई थी. इसके पूर्व पसनौर, खरसान सहित कई पंचायतों में चोरी की घटना हुई है. लेकिन एक भी मामले का उद्भेदन नहीं हुआ है.

विधान चंद्र राय बोकारो जिला के संयोजक मनोनीत

संवाददाता। बोकारो

आम आदमी पार्टी के झारखंड प्रदेश समिति की ओर से विधान चंद्र राय को आम आदमी पार्टी का बोकारो जिला का संयोजक मनोनीत किया गया है. प्रदेश संयोजक देवनाथ सिंह ने यह मनोनयन करते हुए आशा व्यक्त की है कि बोकारो जिले में अब आम आदमी पार्टी का संगठन निर्माण और तेज होगा. सदस्य मो मेहबूब आलम को बोकारो जिला संगठन प्रभारी और अशोक कुमार को सह कोषाध्यक्ष की जिम्मेवारी सौंपी गयी है. तीनों नवनियुक्त पदाधिकारियों ने आभार जताते हुए कहा है कि वे जन-जन तक पार्टी की नीतियों को पहुंचाने का काम करेंगे.

गौरव के पल

आर्यभट्ट गणित चैलेंज 2023 में शानदार प्रदर्शन

डीपीएस बोकारो के विद्यार्थियों ने मारी बाजी

संवाददाता। बोकारो

दिल्ली पब्लिक स्कूल, बोकारो के प्रतिभावान विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपने स्कूल और शहर का नाम गौरांवित किया है. केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद की ओर से आयोजित आर्यभट्ट गणित चैलेंज 2023 में विद्यालय के तीन विद्यार्थियों ने शानदार सफलता प्राप्त की है. इनमें कक्षा 9 के छात्र आयुष लच्छीरामका तथा 10वीं के आदित्य मिश्रा एवं कुमार अनमोल के नाम शामिल हैं. इन तीनों ही बच्चों ने सीबीएसई पटना क्षेत्र के सर्वश्रेष्ठ 100 विद्यार्थियों की मेधा सूची में अपनी जगह पक्की करने में कामयाबी पाई है. इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए एस. गंगवार ने सोमवार को तीनों ही सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की.

गणित अपनाने के लिए प्रेरित

उल्लेखनीय है कि सीबीएसई कक्षा आठवीं से 10वीं के छात्रों के लिए आर्यभट्ट गणित चैलेंज (एजीसी) आयोजित करता है. इसका उद्देश्य बच्चों की गणितीय सक्षमता का आकलन कर उन्हें गणित को दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना है. दो चरणों में होनेवाली इस चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता के फर्स्ट लेवल में पंजीकृत प्रत्येक संबद्ध स्कूल से केवल शीर्ष तीन छात्र ही लेवल-2 प्रतियोगिता के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं. प्रथम चरण में सफल हुए प्रतिभागी ही दूसरे स्तर के लिए क्वालीफाई कर पाते हैं. कंप्यूटर-परीक्षण के सफल समापन के बाद प्रत्येक सीबीएसई क्षेत्र के शीर्ष 100 छात्रों को मेरिट प्रमाण पत्र दिए जाते हैं.

एचईसी संकट निदान जरूरी

हेवी इंजीनियरिंग कारपोरेशन के मजदूर और अधिकारी लंबे समय से वेतन नहीं मिलने के कारण आंदोलनरत हैं. भारत के औद्योगीकरण की मदर इंडस्ट्री के कर्मियों का दर्द बताता है कि सार्वजनिक क्षेत्र के समक्ष किस तरह के हालात उत्पन्न कर दिए गए हैं. इससे जाहिर होता है भारत के पांच ट्रिलियन इकोनॉमी के साथ तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की राह में सार्वजनिक क्षेत्र को किस तरह अलग-थलग छोड़ा जा रहा है. एचईसी की नींव के साथ ही आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न साकार करने की दिशा में सफर शुरू किया गया था. विचार करने की जरूरत है कि आखिर देश में सार्वजनिक क्षेत्र के ज्यादातर संस्थान एचईसी की तरह ही बीमारी के शिकार क्यों हो गए हैं. हेवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, एचईसी की 1962 में स्थापना हुई थी. बोकारो, भेल, राउरकेला स्टील, एनसीएल आदि के निर्माण में इस मदर इंडस्ट्री ने अहम भूमिका निभाई थी. किसी समय में एचईसी में अफसर कर्मचारियों की कुल संख्या 22 हजार हुआ करती थी. वर्तमान में 1011 स्थाई कर्मचारी बचे हैं. जिन्हें दो साल से वेतन नहीं मिला है. कार्यशील पूंजी के अभाव में कंपनी का उत्पादन ठप हो गया, जबकि कंपनी के पास 1300 करोड़ का वर्क ऑडर है. इससे साफ पता चलता है कि कंपनी में बेहतर मैनेजमेंट की कमी है. इस कंपनी को निर्माण से ले कर अब तक मात्र सात बार मुनाफा हुआ. पिछले 15 साल से कंपनी का उत्पादन कम हो रहा है और वह अपने संसाधन बेचकर खर्च निकाल रहीं है. केंद्र सरकार ने इस कंपनी को पुनर्जीवन देने का प्रयास नहीं किया है. भारत को दुनिया का श्रेष्ठ औद्योगिक राष्ट्र बनाना है तो एचईसी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. इस संदर्भ में केंद्र को तुरंत पहल करने की जरूरत है. एचईसी का काम बड़े उद्योगों और विशेष संस्थानों के लिए संयंत्र और बुनियादी ढांचा तैयार करना था. एचईसी को कभी कोई स्वायत्तता देने का भी प्रयास नहीं किया गया. एचईसी की त्रासदी यह रही है कि केंद्र सरकार के स्तर पर इसे ले कर किसी तरह की ठोस नीति नहीं बनायी गयी जब कि इस संथान ने भारत के अंतरिक्ष अभियानों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी और रक्षा के क्षेत्र में भी उसकी अहम भूमिका रही है. एक ऐसे प्रतिष्ठान का यह हश्र बताता है कि हमारे देश में किस तरह निजी क्षेत्र के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की बलि ली जा रही है. एचईसी में कर्मचारियों का 18 माह और अफसरों का 20 माह से वेतन बकाया है. बकाया वेतन की मांग को लेकर सात श्रमिक संगठन एक मंच पर आकर कंपनी में तालाबंदी की है. सातों श्रमिक संगठनों ने एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति का गठन किया है. अस्थायी मजदूरों का एग्रिमेंट भी अधर में लटका हुआ है. भारी उद्योग मंत्रालय भी एचईसी को लेकर गंभीर नहीं है. मंत्रालय ने भी स्पष्ट कर दिया है कि कंपनी को किसी भी तरह का आर्थिक सहयोग नहीं मिलेगा. अपने संसाधन से ही कंपनी को संचालित होना है. भारी उद्योग मंत्रालय के अनुसार, एचईसी लगातार घाटे में चल रही है. पिछले पांच साल में एचईसी के टर्नओवर में लगातार गिरावट आयी है.

> केंद्र सरकार ने इस कंपनी को पुनर्जीवन देने का प्रयास नहीं किया है. भारत को दुनिया का श्रेष्ठ औद्योगिक राष्ट्र बनाना है तो एचईसी की भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. इस संदर्भ में केंद्र को तुरंत पहल करने की जरूरत है.

सुभाषित

पुस्तकस्था तु या विद्या, परहस्तगतं च धनम्।
कार्यकाले समुत्तपन्ने न सा विद्या न तद् धनम् ।।

विद्या यदि पुस्तकों में ही रहे और धन यदि दूसरों के हाथ में रहे तो कार्यकाल उपस्थित होने पर वह विद्या भी विद्या नहीं है और वह धन भी धन नहीं है. पुस्तक में उपलब्ध ज्ञान समय पर काम नहीं आता. इसी प्रकार यदि आपका धन किसी और के पास है(ऋण आदि) तो वह भी काम नहीं आता.

सत्य-निष्ठा के प्रतीक महात्मा गांधी

दुनिया को मानवता के इतिहास में सत्य को समझाने के लिए धर्म का आविर्भाव हुआ. सभी धर्मों ने अपने को सर्वश्रेष्ठ और सबसे प्राचीन घोषित किया. इसीलिए जो धर्म हमें शांति और सद्भाव पढ़ाने आया था, वह भी धर्म के नाम पर रक्त रंजित हो गया. इतिहास साक्षी है कि धर्म के नाम पर पिछले पांच हजार वर्षों में लगभग सात हजार छोटे बड़े युद्ध हुए हैं. अंधविश्वास और रूढ़ियों के कारण मानवता को अनेकानेक संत्रास और कष्ट हुए.

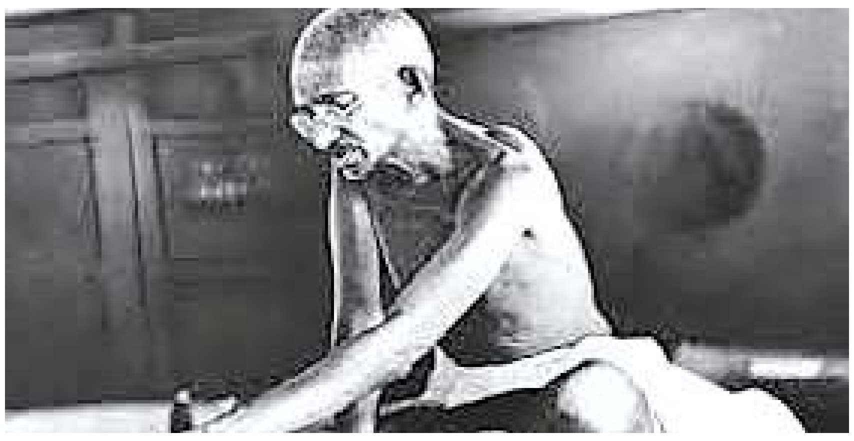

• देश-काल

डॉ. जंग बहादुर पाण्डेय

आज जब सिद्धांतों और वादों की प्रासंगिकता क्षीण होती जा रही है और विश्व मानस सिद्धांत वाद की जकड़न से मुक्ति का प्रयास कर रहा है, हमें गांधी जी का पुराना ऐतिहासिक कथन याद आता है, जो उन्होंने गांधी सेवा संघ के सम्मेलन में कहा था कि ₹ गांधीवाद नाम की कोई चीज नहीं है और मैं अपने पीछे कोई संप्रदाय छोड़ना नहीं चाहता हूं.₹ यह कहकर अपने नाम पर बनी संस्था को भंग करने की सलाह दी थी. इसका सीधा अर्थ है कि गांधी जी सिद्धांतों के बंधनों से मानवता को मुक्त करना चाहते थे. विचार जब किसी व्यक्ति की मर्यादा में कैद हो जाता है तो वह वाद बन जाता है. विचार जब किसी धार्मिक आग्रह पर सवार होता है तो वह संप्रदाय बन जाता है. विचार जनसत्ता और संपत्ति का दास बन जाता है तो निस्तेज बन जाता है. असल में बापू किसी भी वाद या संप्रदाय से खुद को बांधना नहीं चाहते थे. विचार तो व्योम व्यापी हैं, जिसका केंद्र सत्य है. इसीलिए बापू न तो गुरुनिष्ठ थे, न ग्रंथ निष्ठ. उनकी तो एक ही निष्ठा थी और वह थी सत्य निष्ठा. इसीलिए उन्होंने आजीवन सत्य के साथ प्रवचन का कर्मकांड नहीं किया, बल्कि जीवन भर सत्य के साथ प्रयोग किया. सत्य न तो प्राची के हाथ बिका है, ना प्रतीची के साथ. सत्य पर न तो सुकरात का अधिकार है, न शंकराचार्य का सर्वाधिकार.यह वह विज्ञान है, जिसका अनुष्ठान सत्य और केवल सत्य है.

दुनिया को मानवता के इतिहास में सत्य को समझाने के लिए धर्म का आविर्भाव हुआ. सभी धर्मों ने अपने को सर्वश्रेष्ठ और सबसे प्राचीन घोषित किया. इसीलिए जो धर्म हमें शांति और सद्भाव पढ़ाने आया था, वह भी धर्म के नाम पर रक्त रंजित हो गया. इतिहास साक्षी है कि धर्म के नाम पर पिछले पांच हजार वर्षों में लगभग सात हजार छोटे बड़े युद्ध हुए हैं. अंधविश्वास और रूढ़ियों के कारण मानवता को अनेकानेक संत्रास और कष्ट हुए. इसीलिए गांधी जी ने भी सिद्धान्तवाद से उठकर सर्वधर्म समभाव को अपना जीवन धर्म माना. विवेकानंद ने भी सांप्रदायिक धर्म के बदले विश्व धर्म की अवधारणा रखी. गुरुदेव रवीन्द्रनाथ ठाकुर ने भी संस्थागत धर्म के बदले मानव धर्म का उद्घोष किया- सवार ऊपरे मानुष सत्य तहार ऊपर कोई नाई. महाभारत में व्यास ने कहा कि 'नहि श्रेष्ठतम किंचित मानुषसात्. इसी प्रकार राष्ट्रवाद का सिद्धांत भी एक दिव्य सिद्धांत के रूप में हमने पाया:-जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी. सर मोहम्मद इकबाल ने भी गाया- सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा. हम बुलबुलें हैं इसकी ये गुलिस्तां हमारा.

काश ! बापू जीवित रहते तो राहुल सांकृत्यायन की '22 वीं सदी' विन्डल विलकी की 'एक विश्व ' की कल्पना को साकार करने की चेष्टा करते, क्योंकि राष्ट्रवाद का गतितत्व समाप्त हो गया.पिछले पांच हजार वर्षों में मानव मानव के ही द्वारा अनेक प्रकार से शोषणों का शिकार होता रहा है, जिसमें आर्थिक शोषण और विषमता सबों की जड़ में है. कार्ल मार्क्स ने सभ्यता के इतिहास को शायद इसीलिए शोषण का इतिहास बताया और पूंजीवाद के विरोध में उन्होंने सर्वहारा को संगठित कर वर्ग संघर्ष और युद्ध की अनिवार्यता का सिद्धांत प्रतिपादित किया, लेकिन नियति का यह व्यंग्य है. इसीलिए साम्यवादी राष्ट्र इसी आणविक युग में युद्ध की अनिवार्यता के बदले सह अस्तित्व को स्वीकार कर चुके हैं और वर्ग संघर्ष भी शायद अहिंसक सत्याग्रह का रूप ले रहा है, जहां महात्मा गांधी से लेकर डॉ. मार्टिन लूथर किंग और लेह वैलेसा का पुरुषार्थ प्रकट हो रहा है.

शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में हमें पुरानी रूढ़ियों का त्याग करना पड़ेगा. पितृसत्तात्मक समाज ने पिछले पांच हजार वर्षों तक अपना वर्चस्व प्रदर्शित किया है और मानव सभ्यता लहू-लुहान हो चुकी है. मानवता का प्रथम शोषण पुरुषों के द्वारा नारी समाज पर ही प्रारंभ हुआ, जो आज तक हो रहा है और नर नारी की विषमता के स्वरूप में यह मूल है. पुरुष के पुरुषार्थ का प्रयोग हम देख चुके हैं. इसलिए स्त्री शक्ति के हाथों में सभ्यता का शिशु सौंपना होगा. मातृ-शक्ति केवल ममतामयी नहीं है , बल्कि हिंसा विरोधी और त्यागमयी है. महात्मा गांधी ने अपने अहिंसक सत्याग्रह में स्त्री शक्ति को अपनी प्रथम पंक्ति में प्रथम स्थान पर रखा है. आज जो उदारीकरण, निजीकरण और वैश्वीकरण के नाम से जो स्वर्ण मृग-मारीच हमारे सामने आया है, उसका असली रूप हमें समझना होगा. जो उदारीकरण और भूमंडलीकरण शोषण और विषमता पर आधारित है, उसे छद्म रूप में समझना चाहिए और निजीकरण का समावेश वस्तुतः 'नव साम्राज्यवाद' की काली छाया है-जिस प्रकार शोषण पर आधारित एक ग्रहित विचार है, उसी प्रकार सर्वहारा अधिनायक वाद के नाम पर चल रहे पूंजीवाद की रीति-नीति को अपनाने वाला साम्यवाद भी कलंकित हो चुका है. जैसे जैसे भौतिकता का विकास हो रहा है ,वैसे वैसे महात्मा गांधी की प्रासंगिकता बढ़ रही है. गांधी का सत्य और अहिंसा का सिद्धांत आज भारत के लिए ही नहीं संपूर्ण विश्व के लिए अनिवार्य हो गया है,जबकि दुनिया तीसरे विश्व युद्ध के मुहाने पर बैठी है. गांधी जी ने वसुधैव कुटुम्बम् का सिद्धांत दिया था. महात्मा गांधी ने अपने जीवन और आश्रम में व्रतों के पालन पर जोर दिया, इसके लिए एकादश व्रत को दैनिक प्रार्थना का अंग बनाया:- अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, असंग्रह, शरीर-श्रम, अस्वाद, सर्वत्र भय -वर्जन. सर्वधर्म समान्नत्व, स्वदेशी, स्पर्श भावना. आज विश्व को गांधी जी के इन एकादश व्रतों की महती आवश्यकता है. गांधी जी का सत्य और अहिंसा का सिद्धांत इतना लोकप्रिय और कारगर हुआ कि गांधी जी ने भारत की आजादी बिना खड़ग बिना ढाल ले ली. आधुनिक युग के सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन ने कहा था कि आने वाली नस्लें मुश्किल से विश्वास करेंगी कि हाड़-मांस का ऐसा पुतला इस धरती पर आया था और चला था.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

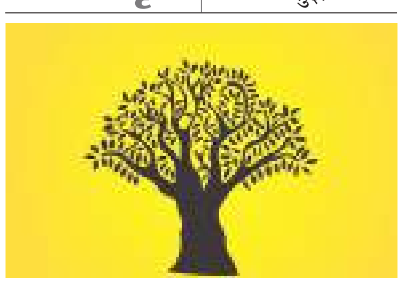

स्वार्थ भरा संशय

एक अमीर व्यक्ति था. उसने समुद्र में तफरी के लिए एक नाव बनवाई. छुट्टी के दिन वह नाव लेकर समुद्र की सैर के लिए निकल पडा. अभी मध्य समुद्र तक पहुंचा ही था कि अचानक जोरदार तूफान आया. उसकी नाव थपेडों से क्षतिग्रस्त हो, डूबने लगी, जीवन रक्षा के लिए वह लाईफ जैकेट पहन समुद्र में कूद पडा. जब तूफान थमा तो उसने अपने आपको एक द्वीप के निकट पाया. वह तैरता हुआ उस टापू पर पहुंच गया. वह एक निर्जन टापू था, चारों ओर समुद्र के अलावा कुछ भी नजर नहीं आ रहा था. उसने सोचा कि मैंने अपनी पूरी जिंदगी किसी का, कभी भी बुरा नहीं किया, फिर मेरे ही साथ ऐसा क्यों हुआ..? एक क्षण सोचता, यदि ईश्वर है तो उसने मुझे कैसी विपदा में डाल दिया. वह वहां पर उगे झाड़-पत्ते-मूल आदि खाकर समय बिताने लगा. भयावह वीरान अटवी में एक मिनट भी, भारी पहाड़ सम प्रतीत हो रही थी. ज्यों-ज्यों समय व्यतीत होता, उसकी रही सही आस्था भी बिखरने लगी. उसका संदेह पक्का होने लगा कि इस दुनिया में ईश्वर जैसा कुछ है ही नहीं! निराश हो वह सोचने लगा कि अब तो पूरी जिंदगी इस तरह ही, इस बियावान टापू पर बितानी होगी. यहां आश्रय के लिए क्यों न एक झोपडी बना लूं..? उसने सूखी डालियों, टहनियों और पत्तों से एक छोटी सी झोपडी बनाई. अभी रात हुई ही थी कि अचानक मौसम बदला, अम्बर गरजने लगा, बिजलियां कडकने लगी. सहसा एक बिजली झोपडी पर आ गिरी और आग से झोपडी धधकने लगी. अपने श्रम से बने, अंतिम आसरे को नष्ट होता देखकर वह आदमी पूरी तरह टूट गया. वह आसमान की तरफ देखकर ईश्वर को कोसने लगा. सर पर हाथ धरे हताश होकर संताप कर रहा था कि अचानक एक नाव टापू किनारे आ लगी. नाव से उतरकर दो व्यक्ति बाहर आये और कहने लगे, ₹हम तुम्हें बचाने आये हैं, यहां जलती हुई आग देखी तो हमें लगा कोई इस निर्जन टापू पर मुसीबत में है. यदि तुम आग न लगाते तो हमें पता नहीं चलता कि टापू पर कोई मुसीबत में है! ओह! वह मेरी झोपडी थी. उस व्यक्ति की आंखों से अश्रु धार बहने लगी. हे ईश्वर! यदि झोपडी न जलती तो यह सहायता मुझे न मिलती. वह कृतज्ञता से द्रवित हो उठा. मैं सदैव स्वार्थपूर्ति की अवधारणा में ही तेरा अस्तित्व मानता रहा. अब पता चला तूं अकिंचन, निर्विकार, निस्पृह होकर, निष्काम कर्तव्य करता है. कौन तुझे क्या कहता है या क्या समझता है, तुझे कोई मतलब नहीं. मेरा संशय भी मात्र मेरा स्वार्थ था.

भारत-फ्रांस मित्रता की गहराई और विस्तार

• देशांतर

प्रमोद जोशी

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की दो दिन की राजकीय.यात्रा को आकस्मिक कहना उचित होगा. ऐसी यात्राओं का कार्यक्रम महीनों पहले बन जाता है, पर इस यात्रा का कार्यक्रम अचानक तब बना, जब अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की भारत-यात्रा रद्द हो गई. तथ्य बताता है कि दोनों देशों के बीच रिश्ते असाधारण रूप से अच्छे हैं. मैक्रों इससे पहले मार्च 2018 में राजकीय-यात्रा पर भारत आए थे. पिछले साल सितंबर में वे जी-20शिखर सम्मेलन में आए थे. उसके पहले जुलाई में प्रधानमंत्री मोदी फ्रांस गए थे और दोनों देशों ने 2047 तक के एक रोडमैप की घोषणा की थी. गाज़ा और लाल सागर में चल रहे टकराव और दिन-प्रतिदिन बदलती वैश्विक राजनीति की पृष्ठभूमि में हुई यह यात्रा बेहद महत्वपूर्ण है. राफेल विमानों की एक और खरीद और जेट विमानों के इंजन भारत में ही बनाने के लिए फ्रांस की कंपनी सैफ्रान के साथ समझौते पर बातचीत भी इन दिनों चल रही है. दोनों देशों के बीच राजनयिक और खासतौर से रक्षा-सहयोग हाल के वर्षों में काफी बढ़ा है. वस्तुतः रूस का साथ क्रमशः छूटने के दौर में अब भारत को फ्रांस का तकनीकी सहारा मिल रहा है. रक्षा मंत्रालय ने पिछले साल प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा के ठीक पहले जुलाई में ही फ्रांस से नौसेना के इस्तेमाल के लिए 26 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने को मंजूरी दी थी, जिनकी तैनाती देश में ही निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर की जाएगी. रूस के बाद इस समय भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा सप्लायर फ्रांस है. भारतीय वायु सेना में पहली पीढ़ी के दासो ऑरैगां तूफानी लड़ाकू विमानों से लेकर हाल में पनडुब्बी और राफेल मसौदे तक भारत ने फ्रांस से कई हाई-टेक रक्षा सामग्री की खरीद की है. मैक्रों के इस दौरे से यह बात स्पष्ट हुई है कि भारत और फ्रांस के रिश्तों की गहराई क्रमशः बढ़ती जा रही है और यूरोप में वह हमारा सबसे बड़ा मित्र देश है. यह दूसरा मौका होगा, जब अमेरिकी राष्ट्रपति का दौरा रद्द होने पर उनका स्थान फ्रांस के नेता लेंगे.1975 में भारत में आपातकाल की घोषणा के कारण अमेरिकी राष्ट्रपति जेराल्ड फोर्ड ने अपनी भारत यात्रा स्थगित कर दी थी. पश्चिम में भारत के प्रति कटुता बढ़ रही थी, इसके बावजूद जनवरी 1976 में तत्कालीन प्रधानमंत्री याक शिराक गणतंत्र दिवस के मुख्य अतिथि बनकर आए. शिराक के बाद निकोलस सरकोज़ी, फ्रांस्वा होलां से लेकर इमैनुएल मैक्रों तक सभी राष्ट्रनेताओं ने भारत के साथ रिश्ते बनाकर रखे है. यूरोपियन यूनियन के बाहर फ्रांस ने पहली बार जिस देश के साथ रणनीतिक-सहयोग स्थापित किया, वह भारत ही है. 1974 में जब भारत ने पहली बार परमाणु परीक्षण किया, तब अमेरिका ने तारापुर संयंत्र के लिए यूरेनियम ईंधन की सप्लाई रोक दी. तब फ्रांस ने ईंधन उपलब्ध करवाया. भारत और यूरोपियन यूनियन के बीच व्यापार समझौते की बातें भी हैं. यूरोपियन यूनियन का सदस्य होने के अलावा फ्रांस संरा सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य है और कई मौकों पर भारत के पक्ष में हस्तक्षेप कर चुका है. वह भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थक है. यह बात दीर्घकालीन राजनयिक रिश्तों के लिहाज से महत्वपूर्ण है. उसके साथ हमारे न्यूनतम मतभेद हैं या कहें कि मतभेद हैं ही नहीं. वहां की आंतरिक-राजनीति में भारत के प्रति नकारात्मक भावनाएं वैसी नहीं हैं, जैसी अमेरिका में हैं. अमेरिका की आंतरिक राजनीति में भारत को लेकर जिस प्रकार का संशय है, वैसा संशय फ्रांस की राजनीति में कभी नहीं रहा. भारत को फ्रांस स्वतंत्र दृष्टि से देखता यानी अंग्रेजी नज़रिए से नहीं. इसके अलावा वह नब्बे के दशक से ही दुनिया को एक ध्रुवीय यानी अमेरिका-केंद्रित बनाने के बजाय बहुध्रुवीय बनाने का पक्षधर है. फिर से जन्म ले रहे शीतयुद्ध की परिस्थितियों में वह भी गुटों से अलग रहने का पक्षधर है, जो भारत के दृष्टिकोण से मेल खाता है. जलवायु परिवर्तन पर पेरिस संधि के बाद भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के सहयोग से ही 'इंटरनेशनल सोलर एलायंस' बनाया. भारत की डिजिटल पेमेंट प्रणाली 'यूपीआई' को स्वीकार करने वाला वह पहला यूरोपियन देश बना. दोनों देशों के बीच व्यापार के विस्तार में दोनों सरकारों की रुचि है. टाटा टेक्नोलॉजी और एलएंडटी टेक सर्विस सहित कई भारतीय कंपनियों ने संयुक्त प्रौद्योगिकी विकास के लिए फ्रांस में अपने नवाचार केंद्र खोले हैं. अंतरिक्ष-अनुसंधान एक और महत्वपूर्ण क्षेत्र है. फ्रांस की ओर से जारी बयान में कहा गया था कि फ्रांस के संगठन सीएनईएस और भारत के इसरो के बीच वैज्ञानिक और व्यावसायिक सहयोग बढ़ाया जा रहा है.

> रक्षा मंत्रालय ने पिछले साल प्रधानमंत्री की फ्रांस यात्रा के ठीक पहले जुलाई में ही फ्रांस से नौसेना के इस्तेमाल के लिए 26 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने को मंजूरी दी थी, जिनकी तैनाती देश में ही निर्मित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर की जाएगी. रूस के बाद इस समय भारत का दूसरा सबसे बड़ा रक्षा सप्लायर फ्रांस है.

बेटियों के लिए भय मुक्त समाज की जरुरत

• सामयिकी

योगेश कुमार गोयल

देश की बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने तथा समाज में उनके साथ होने वाले भेदभाव के खिलाफ देशवासियों को भी जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 24 जनवरी को 'राष्ट्रीय बालिका दिवस' मनाया जाता है. बेटियों के साथ परिवार में होने वाले भेदभाव के खिलाफ समाज को जागरूक करने के लिए देश की आजादी के बाद से ही प्रयास होते रहे हैं. एक समय में अधिसंख्य परिवारों में बेटी को परिवार पर बोझ समझा जाता था. यहां तक कि बहुत-सी जगहों पर तो बेटियों को जन्म लेने से पहले कोख में ही मार दिया जाता था. यही कारण था कि बहुत लंबे अरसे तक कई राज्यों में लिंगानुपात गड़बड़ाया रहा. यदि बेटी का जन्म हो भी जाता था तो उसका बाल-विवाह कराकर उसकी जिम्मेदारी से मुक्ति पाने की सोच समाज में बनी हुई थी. आजादी के बाद से बेटियों के प्रति समाज की इस सोच को बदलने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के लिए अनेक योजनाएं बनाई गईं और कानून लागू किए गए. आज बालिकाएं भी हर क्षेत्र में राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं. अब तो वे सेना में भी बढ़-चढ़कर अपना पराक्रम दिखा रही हैं. पहली बार साल 24 जनवरी, 2009 को देश में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाया गया. यह दिवस मनाये जाने की शुरुआत के पीछे प्रमुख कारण यही था कि वर्ष 1966 में इसी दिन 'आयरन लेडी' के रूप में इंदिरा गांधी भारत की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी थी. इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारत की बालिकाओं को सहायता और अवसर प्रदान करते हुए उनके सशक्तीकरण के लिए उचित प्रयास करना है. यूनिसेफ के मुताबिक प्रत्येक लड़की को सुरक्षित, स्वस्थ और शिक्षित बचपन का अधिकार है. भारत में आजादी के बाद से ही सरकारों ने बालिकाओं की स्थिति में सुधार लाने के लिए निरन्तर कदम उठाए हैं. समाज में लड़का-लड़की के भेदभाव को खत्म करने के उद्देश्य से ही बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, लड़कियों के लिए मुफ्त अथवा रियायती शिक्षा, कॉलेजों तथा विश्वविद्यालयों में महिलाओं के लिए आरक्षण जैसे अनेक अभियान और कार्यक्रम शुरू किए गए. आज हर क्षेत्र में बालिकाओं को बराबर का हक दिया जाता है, लेकिन फिर भी समाज में उनकी सुरक्षा के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना शेष है. भले ही बालिकाओं के साथ होने वाले अपराधों के खिलाफ कई कानून बनाए जा चुके हैं और 'सेव द गर्ल चाइल्ड' जैसे अभियान चलाए जा रहे हैं, फिर भी समाज में बालिकाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों का सिलसिला लगातार बढ़ रहा है. बालिका दिवस मनाने का मूल उद्देश्य यही है कि बालिकाओं के लिए एक ऐसा समाज बनाया जाए, जहां उनके कल्याण की ही बात हो. लेकिन जिस प्रकार देशभर में बच्चियों और किशोरियों के साथ छेड़खानी, दुर्व्यवहार तथा बलात्कार के मामलों में निरन्तर बढ़ोतरी हो रही है, ऐसे में काफी चिंताजनक तस्वीर उभरती है. संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2013 से 2017 के बीच दुनियाभर में लिंग चयन के जरिये 14.2 करोड़ को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया गया, जिनमें 4.6 करोड़ ऐसी भ्रूण हत्याएं कड़े कानूनों के बावजूद भारत में हुई थीं. हालांकि लिंगानुपात के मामले में स्थिति में कुछ सुधार अवश्य हुआ है, लेकिन स्थिति संतोषजनक नहीं है.ऐसा नहीं है कि आजादी के बाद से बालिकाओं की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है, बल्कि वे हर क्षेत्र में अपनी सशक्त भागीदारी निभाती दिख रही हैं. यह भी सच है कि उन्हें स्वयं को साबित करने के लिए ज्यादा संघर्ष का सामना करना पड़ता है. एनसीआरबी के मुताबिक बालिका दिवस शुरू करने के बाद वर्ष 2009 में महिलाओं के प्रति अत्याचारों में 4.05 फीसदी, 2010 में 4.79, 2011 में 7.05, 2012 में 6.83 फीसदी की वृद्धि हुई. वर्ष 2021 में तो महिलाओं के प्रति अपराधों में 63 फीसदी तक की वृद्धि दर्ज हुई. बालिकाओं की तस्करी के मामलों में भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है. कुछ मामलों में तो दरिंदों द्वारा बलात्कार के बाद मासूम बच्चियों को जान से मार दिया जाता है. बहरहाल, बालिका दिवस मनाए जाने की सार्थकता तभी होगी, जब बालिकाओं के प्रति होते भेदभाव के अलावा उनके प्रति समाज का दृष्टिकोण बदलने के भी गंभीर प्रयास हों. समाज में उन्हें भयमुक्त वातावरण प्रदान करने के लिए गंभीरता से कदम उठाए जाएं. आज भी कन्या भ्रूण हत्या से लेकर लैंगिक असमानता और यौन शोषण तक में कोई कमी नहीं है. लैंगिक भेदभाव समाज में आज भी एक बड़ी समस्या है. बालिका दिवस जैसे आयोजनों की सार्थकता तभी होगी, जब न केवल बालिकाओं को उनके अधिकार प्राप्त हों बल्कि समाज में प्रत्येक बालिका को उचित मान-सम्मान भी मिले.

> संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की एक रिपोर्ट के मुताबिक 2013 से 2017 के बीच दुनियाभर में लिंग चयन के जरिये 14.2 करोड़ को जन्म लेने से पहले ही कोख में मार दिया गया, जिनमें 4.6 करोड़ ऐसी भ्रूण हत्याएं कड़े कानूनों के बावजूद भारत में हुई थीं. हालांकि लिंगानुपात के मामले में स्थिति में कुछ सुधार अवश्य हुआ है, लेकिन स्थिति संतोषजनक नहीं है.

मीडिया में अन्यत्र

नरसंहार रोके इजराइल

युद्धविराम के लिए स्पष्ट आह्वान के अभाव के बावजूद, अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) द्वारा दिया गया फैसला बेहद महत्वपूर्ण है. यह फैसला इजराइल को गाजा में चल रहे सैन्य अभियानों में नरसंहार के कृत्यों को रोकने के उसके दायित्व से बांधता है. यह पता चलने के बाद कि "गाजा में इजराइल के विभिन्न कृत्यों और चूकों को लेकर दक्षिण अफ्रीका ने जो आरोप लगाए हैं, उनमें से कम से कम कुछ कृत्य तो (नरसंहार) संबंधित करार के प्रावधानों के दायरे में आते हैं", संयुक्त राष्ट्र की इस सर्वोच्च न्यायिक संस्था ने कुछ फौरी उपाय बताए हैं. मानवीय कानून के उल्लंघन के लिए इजराइल को जवाबदेह बनाने की असाधारण जिम्मेदारी लेने वाला दक्षिण अफ्रीका सही साबित हुआ है, क्योंकि आईसीजे ने अदालत का दरवाजा खटखटाने के उसके रुख को स्वीकार कर लिया और उसकी प्रारंभिक दलीलों को तर्कसंगत पाया. आईसीजे ने इजराइल को गाजा के वास्ते मानवीय सहायता एवं बुनियादी सेवाएं सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी और तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया है. इजराइल और उसके सहयोगी फैसले में जहां सैन्य कार्रवाई को रोकने के आदेश की अनुपस्थिति को रेखांकित करते हैं, वहीं इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि यह फैसला नरसंहार को रोकने के उद्देश्य को हासिल करने के लिए दिया गया है. यहां नरसंहार से आशय एक ऐसी शब्दावली से है जिसमें लक्षित समूह, इस मामले में फिलिस्तीनियों, के सदस्यों को गंभीर शारीरिक एवं मानसिक नुकसान पहुंचाते हुए और उनके समूह का भौतिक विनाश करने के उद्देश्य से जानबूझकर उनके जीवन पर संकटपूर्ण परिस्थितियां थोपते हुए उनकी हत्या शामिल है. आईसीजे का यह फैसला स्वास्थ्य सुविधाओं, निर्दिष्ट सुरक्षित क्षेत्रों और घनी आबादी वाले क्षेत्रों पर बमबारी करने के लिए इजराइल के खिलाफ एक नैतिक एवं कानूनी अभियोग है.अधिकांश अंतरिम उपायों को 15-2 के बहुमत से समर्थन मिलना नरसंहार को रोकने से जुड़े कदमों पर उच्च स्तर की आम सहमति को दर्शाता है. शत्रुता को समाप्त करने का एक व्यापक फैसला विभाजनकारी हो सकता है - बहुत से लोग इस बात से सहमत नहीं हो सकते कि गैर-राजकीय सशस्त्र तत्वों द्वारा किए जाने वाले आतंकवादी हमले के खिलाफ कोई सैन्य प्रतिक्रिया नहीं हो सकती है - और इसे अनदेखा करना आसान है. इस फैसले ने इजराइल के लिए जानबूझकर गैर-अनुपालन की नीति को चुनना मुश्किल बना दिया है. (द हिंदू)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भाल/भाला/भालू

स्वर्ग से पतित सुर-सरिता को शीश धर, भाल पे बिठा लिया मयंक ये प्रमाण है. लोकहित में समस्त जगती का विष पिया, खल-बल को तृतीय नेत्र विद्यमान है. प्रेम वशीभूत भूतनाथ के भुजंग संग नदिया तो गिरिजा गनेश के समान है. भोलानाथ महादेव औघड़ प्रसन्न हों तो भूल जाते कौन भक्त, कौन भगवान है. इस मनहरण कवित्त की रचना भगवान महादेव शिव की स्तुति के निमित्त कविवर उदय प्रताप सिंह ने की है. उन्होंने कहा है कि स्वर्ग से उतरी गंगा को उन्होंने सिर पर और चंद्रमा को भाल पर बिठा लिया है. गोस्वामी तुलसीदास ने भी कहा है-यस्यांके च विभाति भूधरसुता, देवापगा मस्तके. भाले बाल विधुर्गले च गरलं, यस्योरसि व्यालराट्. अर्थात जिसके अंक में गिरिजा सुशोभित हो रही हैं, मस्तक पर गंगा हैं, भाल पर बाल चंद्रमा और गले में गरल है. दोनों कवियों ने भाल शब्द का प्रयोग किया है, जिसमें भाल का अर्थ सामान्य रूप से ललाट है. ललाट यानी भवों के ऊपर का भाग, कपाल, मस्तक, माथा. भाल का दूसरा अर्थ है भाला, बरछा, तीर की नोंक, शूल. भालू को भी सामान्यतः भाल कह कर ही काम चला लिया जाता है. हालांकि ऐसा प्रायः बोलने में ही होता है. भालू यानी रीछ. भालू हिंदी का तद्भव रूप है. इसका तत्सम रूप है भल्लुक. भालू एक प्रसिद्ध स्तनपायी चौपाया जानवर है. आकार और रंग के विचार से यह कई प्रकार का होता है. साधारणतः यह काले या भूरे रंग का होता है और इसके शरीर पर बहुत बड़े-बड़े बाल होते हैं. उत्तरी ध्रुव के भालू का रंग प्रायः सफेद होता है. यह मांस भी खाता है और फल, मूल आदि भी. भारत में प्रायः मदारी इसे पकड़कर नाचना और तरह-तरह के खेल करना सिखलाते हैं. इसकी मादा प्रायः जाड़े के दिनों में एक साथ दो बच्चे देती है. भाल का सकर्मक क्रिया रूप है भालना, जिसका मतलब है ध्यान पूर्वक देखना, अच्छी तरह देखना, ढूंढना, तलाश करना.

रिटायरमेंट के बाद वैसे सुख कहां?

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

रिटायरमेंट के बारे में सुनकर दो प्रकार के विचार आते हैं. एक तो यह कि रिटायरमेंट एक सुंदर शब्द है. काम का बोझ इस दिन से समाप्त हो जाता है. जिम्मेदारियां समाप्त होती हैं. व्यक्ति हंसता मुस्कुराता है और अपने घर में आंगन में धूप में कुर्सी पर बैठकर दोपहर का समय व्यतीत करता है. दूसरा विचार यह है कि अब क्या किया जाए ! जो मस्ती ऑफिस में थी, वह तो अब लौट कर आने से रही. दफ्तर में सहकर्मियों के साथ खुली धूप में कुर्सियां डाल कर मूंगफली खाने का जाड़ों का सुख अब रिटायरमेंट के बाद तो मिलने से रहा! सच पूछो तो देवता भी इस सुख को पाने के लिए तरसते हैं. कई लोग दफ्तर आराम करने के लिए जाते हैं. दिन भर आराम करते हैं और शाम को सुविधा-शुल्क जेबों में भरकर लौटते हैं. अपनी-अपनी किस्मत है. कुछ लोग सरकारी नौकरी से रिटायर होने के बाद अपना नया बिजनेस या दुकान खोल लेते हैं. कुछ लोगों को सरकार ही किसी न किसी काम धंधे में लगा देती है. ऊँचे दर्जे के लोग सरकारी कमेटियों में फिट कर दिए जाते हैं. जो लोग जिम्मेदार पद पर होते हैं, वे अपनी फाइलें निपटाना शुरू करते हैं तथा राजी-खुशी पेंशन बन जाए, इस बारे में विशेष प्रयत्नशील रहते हैं. किसी आरोप में न उलझ जाएं, इसका ख्याल उन्हें रखना पड़ता है. बहुत से लोगों का रिटायरमेंट के आखिरी वर्ष में व्यवहार बिल्कुल बदल जाता है. वह भेड़िए से गाय बन जाते हैं. जो आदमी बिना किसी आरोप के रिटायर हो जाता है, उसे सब लोग बहुत भाग्यशाली मानते हैं. रिटायरमेंट वाला दिन भावुक होता है .सब लोग उसका जब विदाई समारोह आयोजित करते हैं, तब भावुकता वातावरण में फैल जाती है. विदाई के समय सब लोग इतनी प्रशंसा करते हैं कि व्यक्ति मन ही मन सोचता है कि मेरे बारे में इन सबके इतने अच्छे विचार थे, यह मुझे पहली बार पता चल रहा है . लेकिन फिर वह स्थितियों को परखता है और सोचता है कि दो साल पहले जब अमुक सज्जन रिटायर हुए थे, तब उसने भी उनके सम्मान में ऐसा ही भावुक भाषण दिया था, जिसका भावनाओं से कोई संबंध नहीं था. जो लोग बुढ़ापे से पहले ही अपनी जवानी के कुछ हिस्से को घर की तिजोरी में अथवा बैंक की एफडी के रूप में जमा करके रख देते हैं, वह थोड़ा-थोड़ा खाकर अपनी जिंदगी खुशी से गुजार देते हैं. वरना एक दिन दुनिया से रिटायर तो सभी को होना है .

- जेएसएससी सीजीएल परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हो जाने से अभ्यर्थी हैं मर्माहत
- निष्पक्ष परीक्षा आयोजित कराना आयोग की जिम्मेदारी, मामले की जांच करायी जाए

जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा का प्रश्न पत्र लीक हो जाने से अभ्यर्थी मर्माहत तो हैं ही, वे काफी आक्रोशित भी हैं. उनका कहना है कि लंबे समय के बाद परीक्षा आयोजित की गई, पर यह फिर से विवाद में घिरती नजर आ रही है. जिस पेपर का प्रश्न पत्र लीक हुआ है उसकी परीक्षा फिर से ली जाएगी. ऐसे में परीक्षा परिणाम आने में काफी समय लग जाएगा. पता नहीं यह परीक्षा फिर कब आयोजित की जाएगी. संभव है बहुतों की उम्र ही समाप्त हो जाए. उनके भविष्य का क्या होगा. इससे अभ्यर्थी काफी गुस्से में हैं. वे कहते हैं कि राज्य में बेरोजगारों की संख्या बढ़ती जा रही है और सरकार इस ओर ध्यान ही नहीं दे रही है. उनकी मांग है कि इस मामले में जो भी दोषी हैं उन्हें खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए. बार-बार परीक्षा में अड़चने पैदा होना ठीक बात नहीं है. हम लंबे समय से परीक्षा की तैयारी करते हैं. जो भी परीक्षा आयोजित करते हैं उन्हें देखना चाहिए कि प्रश्न पत्र लीक कैसे हो गए. इसकी जांच कर कार्रवाई की जानी चाहिए. मालूम हो कि 2015 से टलते टलते परीक्षा 2024 में हुई. लेकिन इसका प्रश्न पत्र लीक हो गया.पत्र लीक कहां से हुआ, कैसे हुआ इसकी जानकारी किसी को नहीं है. हालांकि जेएसएससी ने परीक्षा के 4 घंटे बाद ही परीक्षा के तीसरे पेपर को रद्द करने की घोषणा कर दी. रद्द करने का कारण अपरिहार्य बताया गया है. सीजीएल परीक्षा के लिए सबसे पहले 2015 में फार्म भराया गया था. लेकिन इसे स्थगित कर दिया गया. स्थगित होते -होते 28 जनवरी 2024 में परीक्षा ली गई. इस संदर्भ में एजुकेशन रिपोर्ट रजनीश प्रसाद ने अभ्यर्थियों से बात की है. पेश है रिपोर्ट...

अभ्यर्थियों के कहा...

- बेरोजगारों को नौकरी का इंतजार रहता है
- लंबे समय के बाद परीक्षा आयोजित हुई
- परीक्षा रद्द करना काफी निंदनीय है
- ऐसी घटनाएं होती रहीं तो हमारे भविष्य का क्या होगा

सरकार दोषियों को दंडित करे

जानिए कब -कब क्या हुआ

- 2015 में आवेदन लिया
- 21.08 .2016 को परीक्षा होनी थी, लेकिन नहीं हो सकी
- 2017 में फिर निकला विज्ञापन
- मार्च 2017 में परीक्षा होनी थी, लेकिन फिर नहीं हो सकी
- 2019 में नवंबर-दिसंबर में यह परीक्षा लेनी थी लेकिन नहीं ली जा सकी
- 2021 में आवेदन लिया गया.
- 2021 में फिर परीक्षा नहीं हुई
- 21.08 .2022 को होने वाली परीक्षा भी स्थगित कर दी गई
- 2023 में फिर आवेदन लिए गए
- अगस्त 2023 में परीक्षा तिथि की घोषणा की गयी, लेकिन परीक्षा नहीं हो सकी
- इसके बाद 16 – 17 दिसंबर 2023 को भी परीक्षा तिथि तय की गयी थी, लेकिन स्थगित कर दी गयी.
- छात्रों के विरोध को देखते हुए आयोग ने 21 व 28 जनवरी 2024 को परीक्षा की नयी तिथि की घोषणा की थी
- 28 जनवरी और 4 फरवरी को परीक्षा की तिथि की घोषणा हुई
- 28 जनवरी को परीक्षा हुई, लेकिन तीसरे पेपर का प्रश्न पत्र लीक हो गया, तीसरे पेपर की परीक्षा रद्द कर दी गई है

परीक्षा साफ सुथरी होनी चाहिए : रोशनी कुमारी

छात्रा रोशनी कुमारी ने कहा कि परीक्षा साफ सुथरी होनी चाहिए. परीक्षा का परिणाम निष्पक्षता से देना चाहिए. इसकी कॉपी लीक नहीं होनी चाहिए. प्रश्न पत्र जहां-तहां व्हाट्सएप ग्रुप में नहीं चलना चाहिए. लेकिन इसके उल्टा हुआ. दोषियों को जल्द से जल्द पड़कर जेल में डालें और उसे पर कड़ी कार्रवाई भी करें. हमारे भविष्य के साथ खेलने वालों की हम छात्र निंदा करते हैं और सरकार से मांग करते हैं कि हमारी फरियाद को सुने. इधर राज्य में बेरोजगारों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है. छात्र-छात्राएं रोजगार को लेकर हताश हैं. सरकार को इन सब बातों पर ध्यान देने की जरुरत है.

घटना हो रही है वह काफी निंदनीय : योगेश चंद्र भारती

छात्र योगेश चंद्र भारती ने कहा कि बार-बार से इस तरह की जो घटना हो रही है यह निंदनीय है. एक सरकार गई. दूसरी सरकार बनी और दूसरी सरकार का अब कार्यकाल भी खत्म होने वाला है. जेएसएससी में पांच अध्यक्ष हो गए. फिर भी सीजीएल की परीक्षा को सही ढंग से नहीं करवा पाई. एक तो 8 साल के बाद परीक्षा हो रही थी. ऊपर से इसे भी भ्रष्टाचारियों ने ले डूबा. वर्तमान में जो जेएसएससी के अध्यक्ष हैं वह पुलिस प्रशासन के सबसे प्रमुख अधिकारी भी रह चुके हैं. उन्हें तो सभी चीजों को अच्छे से देखना चाहिए. लेकिन उनसे भी कैसे चूक हो गई यह समझ में नहीं आ रहा है.

प्रश्न पत्र का लीक हो जाना आम बात नहीं: अरविंद महतो

छात्र अरविंद महतो ने कहा कि सीजीएल की परीक्षा में प्रश्न पत्र का लीक हो जाना कोई आम बात नहीं है. यह पहली बार भी नहीं हुआ है. इससे पहले जई की परीक्षा में भी प्रश्न पत्र लीक हो गया था. सरकार इस तरह के काम करने वाले दोषी को पकड़े और उसे पर कार्रवाई करें. हम लोग सालों से मेहनत कर रहे हैं और एक परीक्षा का इंतजार करते हैं. परीक्षा तो नियमित रूप से कभी होती नहीं है और जब होती भी है तो कोई न कोई गडबडी हो जाती है. अगर हमने नौकरी नहीं देनी है तो बोल दे. हम लोग घर जाकर खेती करेंगे या फिर कुछ और ही सोचेंगे.

दोषी को जल्द सजा दी जानी चाहिए : पुष्पा लकड़ा

छात्रा पुष्पा लकड़ा ने कहा कि जिसने भी यह काम किया है, सरकार उसे पकड़ कर तुरंत जेल में डाले. तभी जाकर हमें संतुष्टि मिलेगी. यह काम करने वालों की जितनी भी निंदा की जाए वह कम है. यह बहुत ही घिनोना काम है. कुछ लोग छात्रों के भविष्य के साथ खेल रहे हैं. आखिर कैसे इस प्रकार की घटना हो जाती है. परीक्षा आयोजित करने में जितने लोग भी शामिल हैं, यह उनकी लापरवाही है. इनके खिलाफ कार्रवाई होनी ही चाहिए. सरकार को इस दिशा में ध्यान देने की जरुरत है. नहीं तो राज्य के छात्रों का भविष्य अधर में लटक जाएगा.

परीक्षा मजाक बन कर रह गई है : दीपशिखा

छात्रा दीपशिखा ने कहा कि सीजीएल की परीक्षा मजाक बनकर रह गया है. पिछले 8 सालों के बाद यह परीक्षा हुई. लेकिन फिर से गड़बड़ी हो गई. गड़बड़ी करने वाले जो भी दोषी हैं सरकार उसे पकड़कर जेल में डालें. इस प्रकार की घटना से हम छात्रों को मानसिक परेशानियों से गुजरना पड़ता है. हमें चिंता भी लगी रहती है कि आगे क्या होगा. हमारी एक ही मांग है कि दोषी को जल्द से जल्द पकड़ा जाए और सजा दी जाए. सरकार को इस दिशा में शीघ्र पहल करनी चाहिए. क्योंकि इस मामले को लेकर अभ्यर्थी काफी गंभीर हैं. वे चाहते हैं कि उनकी मांग शीघ्र पूरी हो.

क्या कहें समझ में नहीं आ रहा है: अभय कुमार

छात्र अभय कुमार ने कहा कि इस हरकत पर क्या कहें समझ में नहीं आ रहा है. परीक्षा को ले कर क्या हो रहा है. इसकी जवाबदेही किसकी है. उसे पकड़ना चाहिए और पूछना चाहिए कि यह क्या किया. आखिर हर बार यह कैसे हो जाता है. इससे पहले जेई की परीक्षा में भी ऐसा ही हुआ था. झारखंड सरकार जो भी रिक्तियां लाती है उसमें कोई न कोई खामी निकलती ही है.सोचिए जिन छात्रों की उम्र पार हो जाएगी वे क्या करेंगे. उनका भविष्य खराब हो रहा है उसका जवाब कोन देगा. सरकार को इस दिशा में शीघ्र पहल करनी चाहिए. ताकि राज्य को बेरोजगारों को नौकरी मिल सके.

अब पढ़ाई करने का मन नहीं करता: आदित्य कुमार

छात्र आदित्य कुमार ने कहा कि अब पढ़ाई करने का मन नहीं करता है. लगता है कि पढ़ाई लिखाई छोड़कर खेती-बाड़ी का काम करें. सरकारी नौकरी मिलना असंभव सा लग रहा है. आखिर कब तक हम इस तरह से इंतजार करें और परीक्षा दें और फिर परीक्षाफल कुछ न आए. भगवान से ही प्रार्थना कर सकते हैं कि परीक्षा लेने वाली एजेंसी और संस्थान को सद्बुद्धि दे. कई सपने लेकर आए थे हम कि तैयारी करेंगे और कंपटीशन निकालकर एक अच्छी नौकरी करेंगे. लेकिन नौकरी तो दूर परीक्षा ही संकट के घेरे में रह रही है. इस समस्या का हल जल्द होना चाहिए.

आए दिन कोई न कोई गड़बड़ी होती रहती है : अविनाश कुमार

छात्र अविनाश कुमार ने कहा कि झारखंड में आए दिन कोई न कोई परीक्षा में गडबडी होती रहती है. ये बात किसी से छुपी नहीं है. कभी प्रश्न लीक होता है. कभी कुछ होता है. मेरी सरकार से मांग है कि दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए.इसे लेकर छात्रों में काफी आक्रोश है. एसएससी सीजीएल की परीक्षा में प्रश्न का लीक हो जाना अच्छी बात नहीं है. सरकार को चाहिए कि इसके लिए जो भी दोषी हैं उस पर कार्रवाई करे. कारण बहुत लंबे समय से परीक्षा नहीं हुई थी. अगर हुई तो प्रश्न लीक का ममला सामने आ गया. इससे अभ्यर्थियों में हताशा है.

प्रश्न पत्र लीक होना छोटी बात नहीं है : आनंद कुमार

छात्र आनंद कुमार ने कहा कि किसी भी परीक्षा का प्रश्न पत्र लिक हो जाना यह कोई छोटी बात नहीं है. इससे गई छात्रों का भविष्य जुड़ा होता है. प्रश्न पत्र लीक हो गया यह केवल बात नहीं है इसमें हर उन पदाधिकारी को भी पकड़ना चाहिए जो इसमें लापरवाही बरते हैं. परीक्षा कराने वाली एजेंसी का हर वह इंसान दोषी है जो इसमें शामिल है. परीक्षा लेते हैं. फिर वह कैंसिल हो जाती है. आने-जाने में भाड़ा खर्च होता है. परीक्षा फॉर्म भरने में पैसा खर्च होता है. हम छात्र कहां से इतने पैसे बार-बार ला पाएंगे. सरकार से मांग है कि दोषी को जल्द से जल्द पड़कर उसे सजा दे.

दोषी को जल्द पकड़ना सजा दी जानी चाहिए : शशि साहू

छात्र शशि साहु ने कहा कि दोषी को जल्द से जल्द पकडना चाहिए. उसके उपर कडी से कडी कार्रवाई करनी चाहिए. जैसे तैसे मां-बाप पैसा भेजते हैं कि बच्चे पढ़ कर कुछ कर ले. लेकिन कुछ भी नहीं हो पा रहा है. ऐसा पहली बार नहीं हुआ है. इससे पहले भी ऐसा हो चुका है. गलती कोई भी करे भुगतना तो छात्र को ही होता है. प्रश्न पत्र लीक होना, फिर परीक्षा रद्द हो जाना यह आम बात हो गई है.पता नहीं हमलोगों का भविष्य क्या होगा. सरकारी स्तर पर इस दिशा में कोई कारगर पहल भी नहीं दिखती है. हमारा भविष्य क्या होगा यह चिंता हमें खाए जा रही है.

भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है: सुभाष वर्मा

शुभाष वर्मा ने कहा कि जिसने भी ऐसा काम किया है उसके लिए सरकार से हमारी मांग है कि उसे जेल में डाल दिया जाए. झारखंड के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है. रात भर बच्चे कोई स्टेशन पर, तो कोई बस स्टैंड पर सोए, खाने-पीने का पता नहीं. फिर जब परीक्षा दी तो पता चला कि परीक्षा कैंसिल हो गई है, तो यह बच्चों के लिए बेहद ही दुख की बात है. क्योंकि दिन रात तैयारी करने के बाद बच्चों को यह सब देखना पड़ता है तो सोचिए यह कितनी गलत बात है. राज्य में बेरोजगारों की संख्या भी बढ़ती जा रही है.सरकार को इस ओर ध्यान देने की जरुरत है.

नए सिरे से परीक्षा की तिथि जारी की जाए : राजेश कुमार

गिरिडीह बिरनी के युवा छात्र राजेश कुमार का कहना है कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा 28 जनवरी को हुई. जिसका पेपर- 3 रद्द कर दिया गया है. आगे 4 फरवरी को परीक्षा की तिथि घोषित है. उसे भी रद्द कर नए सिरे से नई एजेंसी से एग्जाम कंडक्ट कराई जानी चाहिए. क्योंकि यह विज्ञापन 2015 का है और 2024 तक पूरा नहीं हो पाया है. जेएसएससी इस परीक्षा को 8 साल तक एक पूरा नहीं करवा सकी है. इसलिए सरकार और विभाग जल्द से जल्द निगरानी समिति गठित कर नए सिरे से नई परीक्षा की तिथि जारी करें. साथ ही जो भी दोषी हैं उन्हेंकठोर सजा मिले. समय पर और पारदर्शी तरीके से परीक्षा नहीं होने के कारण कई युवा परेशान होकर दूसरा काम करने की सोच रहे हैं.

प्रश्न का लीक हो जाना बेहद ही शर्मनाक : विजय कुमार

छात्र विजय कुमार ने कहा कि एक तो 8 वर्षों बाद जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा हो रही है, ऊपर से प्रश्न का लीक हो जाना बेहद ही शर्मनाक है. इससे छात्रों का मनोबल गिरता है. इस परीक्षा को मजाक बना दिया है. इसके जो दौषी हैं उन पर कार्रवाई करनी चाहिए. सालों इंतजार करने के बाद भी कुछ नहीं हो रहा है. हर बार ऐसा होता है, लेकिन सरकार इस पर गंभीर नहीं दिखा रही है. परीक्षा सेंटर जहां तहां कर दिया था. जाने में भी छात्रों को काफी परेशानी हो रही थी. अब तो उम्मीदे टूटने लगी है. हमारा भविष्य क्या होगा यह भी नहीं समझ में आ रहा है. हमारी सरकार से मांग है कि इस समस्या को जितनी जल्द हो हल किया जाए.

सेंटर में जाने में काफी दिक्कत हुई: रेयान गुप्ता

छात्र रेयान गुप्ता ने कहा कि छात्र दूर दराज के इलाकों से आते हैं .प्रश्न तो लीक हुआ ही है, परीक्षा केंद्र के नाम पर अभ्यर्थियों को उठा के फेंक दिया है. कुछ ऐसे भी सेंटर भी दिए गए हैं. जहां आने जाने में भी काफी दिक्कत हुई. आखिर परीक्षा पत्र लिक होने का दोषी कौन है. उसे चिह्निज करना चाहिए. उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए. झारखंड के भविष्य के साथ खिलवाड कर रहे हैं. इसे कोई रोकने वाला नहीं है. हम किसे अपनी बात बताए. सरकार को इस मामले में पहल करनी चाहिए. ताकि युवाओं का भविष्य खराब नहीं हो. प्रश्न पत्र लीक होने से अभ्यर्थी काफी निराश हैं कि अब आगे क्या होगा.

सीजीएल परीक्षा को मजाक बना दिया : अमित कुमार

छात्र अमित कुमार ने कहा कि जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को मजाक बना दिया है. बच्चे परीक्षा देकर घर भी नहीं लौटे थे और सूचना मिली कि प्रश्न पत्र लीक हो गया है. इस सूचना से रात भर निंद नहीं आई. सरकार से हमारा आग्रह है कि जिसने भी इस काम को किया है उसे पकडे और उस पर कार्रवाई करे. इस प्रकार की घटना से कई लोगों को नुक्सान होता है. परीक्षा देने गए लोगों को कितनी परेशानी उठानी पढ़ती है. इस ठंड में अभ्यर्थी रात कैसे गुजारे और कितने कष्ट में परीक्षा देने गए. लेकिन सारी मेहनत बेकार हो गई. पता नहीं कि अगली परीक्षा समय पर होगी या नहीं. हमसें से बहुतों की उम्र सीमा भी खत्म हो रही है.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष — रोग भाव में चंद्र है. किसी से ऋण लेने से पहले सोच विचार कर लें. सरकारी कार्यालयों में रुके काम मनोनुकूल रहेंगे. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रह सकती है. लेन-देन में जल्दबाजी बिलकुल न करें.

वृषभ — शिक्षा में विशेष लाभ होगा. दुष्ट व्यक्ति से सावधान रहें. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. शारीरिक हानि की आशंका है. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा. प्रयास से आय बनी रहेगी.

मिथुन — विवाद से दूरी बनाने की जरूरी है. स्थिति अनुकूल होगी. जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. निर्णय सोच कर ले, शत्रुभय रहेगा. धनहानि हो सकती है. भावना पर नियंत्रण रखें. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. निवेश शुभ रहेगा.

कर्क — समय अनुकूल है. अच्छी आय होगी. कोई छोटी और सुलभ यात्रा का योग है. मानसिक उलझन दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. नौकरी में चैन रहेगा. किसी पुरानी बीमारी से परेशानी हो सकती है. नए मित्र बनेंगे. विवेक का प्रयोग करें.

सिंह — आपके व्यवहार से सामाजिक सरोकार बढ़ेगा. व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. लगन और मेहनत से धनार्जन होगा. समय उत्तम है. इसका लाभ ले. गाय को भोजन दे.

कन्या — कार्य करने पर आय होगी पर दौड़-धूप अधिक रहेगी. लाभ के अवसर हाथ से निकल सकते हैं. कार्य होगा, जिससे आय में निश्चितता रहेगी. कोई नया कार्य का जोखिम न लें. गणेश जी का पूजन ध्यान करें.

तुला — कार्य नहीं बनने से मन खिन्न होगा, पर थोड़े प्रयास से रुके कार्य बनेंगे. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. समाजसेवा करने की प्रेरणा प्राप्त होगी. मान-सम्मान मिलेगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होंगे. धन प्राप्ति सुगम होगी.

वृश्चिक — आय का अच्छा स्रोत मिलेगा. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. घर में मेहमानों का आगमन हो सकता है. व्यय होगा. शुभ समाचार प्राप्त होगा. घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल बनेगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. संतान पक्ष की चिंता रहेगी.

धनु — समय सामान्य है. थकान व कमजोरी रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ की संभावना है. व्यावसायिक यात्रा लंबी हो सकती है. लाभ होगा. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य की अनुकूलता बनी रहेगी.

मकर — कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आ सकता है. आर्थिक स्थिति बिगड़ सकती है. किसी व्यक्ति से कहा-सुनी हो सकती है.अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। कुछ कार्य नही होने से चिंता तथा तनाव रहेंगे. आय बनी रहेगी.

कुंभ — कार्य का तनाव रह सकता है. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी. नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा. उत्साह व प्रसन्नता से रहेंगे. शनि को खुश करें.

मीन — व्यापार से लाभ का योग है. शेयर बाजार से विशेष लाभ है. कार्य में तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. आय के नए स्रोत प्राप्त होने के योग हैं. मित्रों व रिश्तेदारों की सहायता कर पाएंगे.

जेएसएसी परीक्षा पेपर लीक पर निष्पक्षता पूर्वक जांच हो: सन्नी सिंकु

चाईबासा। झारखंड में जेएसएससी परीक्षा का क्वेश्चन पेपर लीक हो जाने का मामला आयोग की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े करते हैं.

इसलिए झारखंडी छात्र छात्राओं की व्यापक हित में क्वेश्चन पेपर लीक होने पर इसकी न्यायिक जांच आवश्यक है. यह प्रतिक्रिया झारखंड पुनरूत्थान अभियान के मुख्य संयोजक सन्नी सिंकु ने दी है. एक तो कई वर्षों के बाद जेएससीसी परीक्षा का आयोजन किया गया. उसमें भी लाखों बेरोजगार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कोई गाड़ी भाड़ा करके सम्मिलित हुआ था, तो कोई कहीं से भी रुपये पैसे जुगाड़ करके सम्मिलित हुआ था. अब उस खर्च का कौन जिम्मेदारी लेगा और तो और यह भी चर्चा का बाजार गर्म है पेपर लीक का मामला पेपर लीक माफिया के साथ भी जोड़ा जा रहा है.

पेज एक का शेष

ईडी की दिल्ली में दबिश...

ईडी ने 29 से 31 जनवरी तक का समय दिया था. तो फिर इस तरह की कार्रवाई और राज्य के राजनीतिक माहौल खराब करने की कार्रवाई के पीछे मंशा क्या है. किसके इशारे पर दिल्ली में ईडी पहुंची.

सियासी भूचाल के साथ...

कई विभागों के हेड ऑफ डिपार्टमेंट भी स्थिति पर पैनी नजर रखे हुए हैं. कई अपने सोर्स से भी पल-पल की जानकारी लेते रहे. वहीं विभागों में फाइल मूवमेंट भी धीमा हो गया है. कई विभागों के हेड टीवी आ रही खबरों पर ही नजरें टिकाए रहे. वहीं सीएम के करीबी अफसर भी मोबाइल पर पल-पल का अपडेट देखने में लगे रहे. प्रोजेक्ट भवन में मौजूद सेक्शन ऑफिसर से लेकर सहायक तक भी ईडी की गतिविधियों की जानकारी लेते रहे.

अब तक 4.55 लाख किसानों का हो चुका है ई-केवाईसी

ऋण माफी की पहल : सूबे के 6.15 लाख किसानों का होगा ई-केवाईसी

प्रमुख संवाददाता।रांची

झारखंड में किसानों के ऋण माफी के लिए 615204 किसानों का ई-केवाईसी होगा. अब तक 454830 किसानों का ई-केवाईसी हो चुका है. सबसे अधिक राजधानी रांची में 41368 किसानों के ई-केवाईसी का लक्ष्य रखा गया है. वहीं सबसे कम सिमडेगा में सिर्फ आठ किसानों के ई-केवाईसी का लक्ष्य है.

454830 किसानों का ई-केवाईसी हो चुका है

रांची में सबसे अधिक 28603 किसानों का ई-केवाईसी

राजधानी रांची में सबसे अधिक 28603 किसानों का ईकेवाईसी किया गया है. इसके बाद दूसरे नंबर पर पलामू 28526 किसानों का ई-केवाइसी हुआ है. हजारीबाग में 26502, पूर्वी सिंहभूम में 26337, गिरिडीह में 25854, दुमका में 28059, गढ़वा में 24213 और गोड्डा में 20198 किसानों का ई-केवाईसी किया जा चुका है.

किस जिले में कितने किसानों का हो चुका ई-केवाईसी

जिला	ई-केवाईसी की संख्या
बोकारो	18277
चतरा	20691
देवघर	37367
धनबाद	11872
दुमका	28059
पूर्वी सिंहभूम	26337
गढ़वा	24213
गिरिडीह	25854
गोड्डा	20198
गुमला	12897
हजारीबाग	26502
जामताड़ा	20111
खूंटी	8361
कोडरमा	9825
लातेहार	12442
लोहरदगा	10245
पाकुड़	7956
पलामू	28526
रांची	28603
साहिबगंज	13683
सरायकेला-खरसांवा	21247
सिमडेगा	6996
पश्चिमी सिंहभूम	25574

किस जिले में कितने ई-केवाईसी का लक्ष्य

जिला	ई-केवाईसी की संख्या
बोकारो	25969
चतरा	29420
देवघर	46200
धनबाद	16157
दुमका	36461
पूर्वी सिंहभूम	38991
गढ़वा	35672
गिरिडीह	33772
गोड्डा	30951
गुमला	20929
हजारीबाग	41637
जामताड़ा	28560
खूंटी	11783
कोडरमा	15283
लातेहार	16075
लोहरदगा	15270
पाकुड़	11026
पलामू	45822
रामगढ़	13102
रांची	41368
साहिबगंज	20078
सरायकेला	30916
सिमडेगा	08
पश्चिमी सिंहभूम	9754

डीलिस्टिंग की मांग को लेकर 31 को सभी जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय धरना

विशेष सत्र में डीलिस्टिंग बिल पारित हो : जनजाति सुरक्षा मंच

विशेष संवाददाता ।रांची

आरएसएस से संबंद्ध जनजाति सुरक्षा मंच ने राज्य सरकार से विशेष सत्र बुलाकर डीलिस्टिंग बिल को पास कराने की मांग की है. यह मांग मंच के मीडिया प्रभारी सोमा उरांव, मेघा उरांव, संदीप उरांव, हिन्दुवा उरांव, सन्नी उरांव, प्रदीप टोप्पो, सुशील मरांडी, अंजली लकड़ा, जयमंत्री उरांव, दुर्गा उरांव, जगरनाथ भगत, मनोज भगत आदि ने आयोजित एक प्रेस वार्ता में दी. इन्होंने बताया कि इस मांग को लेकर मंच 31 जनवरी को झारखंड के सभी 24 जिला मुख्यालयों में एक दिवसीय धरना देगी और मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल के नाम मांग पत्र सौंपेगी. इन्होंने कहा कि डीलिस्टिंग यानि जो जनजाति अपनी धर्म-संस्कृति, परम्परा, रूढ़ी प्रथा छोड़कर इसाई या मुस्लिम धर्म अपना लिए हैं वैसे लोगों को अनुसूचित जनजाति की सूची से बाहर करना है.वैसे लोगों को अनुसूचित जनजाति का आरक्षण का लाभ से बाह करना है.

4 फरवरी की आदिवासी एकता रैली ईसाइयों की

इन्होंने कहा कि आगामी 4 फरवरी को आदिवासी एकता रैली मूल जनजातियों की रैली नहीं बल्कि ईसाइयों की रैली है. जिसने घर-घर को तोड़ा, मां-पिता से बेटा-बेटी को अलग किया, भाई-भाई को तोड़ा तो किस मुंडा से आदिवासी एकता की बात करते हैं. ये मूल जनजातियों को ईसाइयों के द्वारा गुमराह करने की एक सोची समझी साजिश है, इसलिए मंच सभी से आग्रह करताहै कि यदि आप अपना बेटा-बेटी, सगे संबंधियों का नौकरी चाहते हैं, तो इस रैली में शामिल न हो. बेटा-बेटी, सगे संबंधियों का नौकरी चाहते हैं तो जनजाति सुरक्षा मंच का साथ दें ताकि आनेवाले पीढ़ी (बेटा-बेटी) के लिए नौकरी सुरक्षित करें.

कुणाल को अमेरिका में मिला अंतरराष्ट्रीय यूथ आईकॉन अवार्ड

संवाददाता । जमशेदपुर

पूर्व विधायक और झारखंड भाजपा के तेजतर्रार प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी अमेरिका के शिकागो में अंतरराष्ट्रीय यूथ आईकॉन अवार्ड से सम्मानित हुए. फेडरेशन ऑफ इंडियन एसोशिएशन (एफआईए) की ओर से आयोजित गणतंत्र दिवस महोत्सव समारोह के दौरान सोमवार को कुणाल सम्मानित हुए. शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाज कल्याण की दिशा में उल्लेखनीय और अनुकर्णीय योगदान के लिए कुणाल षाड़ंगी को यह सम्मान मिला है. शिकागो के मैट्रिक्स क्लब में आयोजित सम्मान समारोह में भारतीय दूतावास में भारत के राजदूत कंसोलेट जेनरल सोमनाथ घोष ने यह सम्मान उन्हें प्रदान किया. मौके पर फेडरेशन ऑफ इंडियन ऐसोसिएशन 2024 के चेयरमैन सुनील शाह, अध्यक्ष प्रतिभा जयरथ एवं विनीता गुलाबनी सहित अन्य मौजूद थे. समारोह में शिकागो शहर में रहने वाले सैकड़ों प्रबुद्ध भारतीय उपस्थित थें. मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावशाली उपलब्धि हासिल करने वाले भारतीय मूल के वैज्ञानिकों, डॉक्टरों, खिलाड़ियों, संगीतकारों और कई अन्य विधा में प्रसिद्धि और उपलब्धि हासिल करने वाले भारत के कई लोगों को सम्मानित किया गया. विभिन्न देशों में रह रहे दर्जनों प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को स्कॉलरशिप भी प्रदान की गई. कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि मेरा दृढ़ विश्वास है कि आने वाले समय में युवाओं की सहभागिता अमेरिका की राजनीति में भी बढ़ेगी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत बन चुका है,

पिछले साल मात्र आठ लाख 43 हजार में हुई थी नीलामी

25 लाख में हुई बाजारटांड़ महाशिवरात्रि मेले की नीलामी

संवाददाता।लातेहार

महाशिवरात्रि के मौके पर बाजारटांड़ के प्राचीन शिव मंदिर परिसर में लगने वाले मेले की नीलामी (डाक) सोमवार को नगर पंचायत कार्यालय में की गयी. इसकी अध्यक्षता नगर प्रशासक राजीव रंजन ने की. नीलामी में मत्स्य जीवी सहयोग समिति ने सर्वाधिक 25 लाख सात हजार रुपये की बोली लगाकर मेले को अपने नाम किया. बता दें कि बीते साल मात्र आठ लाख 43 हजार रुपये में महाशिवरात्रि मेले की नीलामी की गयी थी. इस नीलामी में समिति के अलावा ब्रजेश सिंह, नागेंद्र पाठक, आलोक कुमार सिंह, योगेंद्र प्रसाद, प्रदीप मांझी, रंजीत कुमार, रूपेश कुमार, सतीश कुमार, संतोष कुमार पाठक, रविकांत पासवान, अर्जुन पाठक, युगेश्वर प्रसाद, शशिभूषण पांडेय, जयराम कपूर व जयकिशोर उपाध्याय भी शामिल थे.

नौ लाख सात हजार रुपये सरकारी डाक थी : नगर प्रशासक राजीव रंजन ने शुभम संदेश से बातचीत करते हुए बताया कि पिछले साल बाजारटांड़ महाशिवरात्रि मेले की

नीलामी आठ लाख 43 हजार रुपये में की गयी. हर तीन साल में इसमें 15 प्रतिशत बढ़ोतरी करने का प्रावधान है. इस साल सरकारी डाक नौ लाख 43 हजार रुपये रखी गयी थी. नीलामी में मत्स्य जीवी सहयोग समिति ने सर्वाधिक 25 लाख 7 हजार रुपये की बोली लगायी. उन्होंने कहा कि समिति को तीन दिन के अंदर नीलामी की पहली किस्त की राशि नगर पंचायत में जमा करानी होगी. उन्होंने मेला में हर संभव मदद करने का भरोसा समिति को दिया है.

शिक्षित युवाओं को जोड़ेगी भारतीय जन जागरूकता पार्टी : पंकज

रांची। रांची में भारतीय जन जागरूकता पार्टी के मुख्य सदस्यों की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज कमल ने की. मौके पर पंकज कमल पार्टी के मुख्य उद्देश्यों के बारे में बताते हुए कहा कि पार्टी शिक्षित और योग्य उम्मीदवार हो, हर घर में रोजगार हो. उन्होंने कहा कि हमारी किसी पार्टी की बुराई कर के खुद को बेहतर बताना नहीं बल्कि हमें लोगों के लिए काम कर के खुद को बेहतर बनाना है. मौके पर राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष सह संगठन मंत्री सत्यजीत कुंदन ने कहा कि हमारी पार्टी सेवानीति पर काम करेगी, राष्ट्रीय व्यापार संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बिनोद गुप्ता ने कहा कि व्यापार मोर्चा व्यापारियों के लिए एक वरदान साबित होगा. इसमें व्यापारियों के लिए बहुत सारे सहयोग राशि व उनके विकट परिस्थिति में साथ देने का कार्य किया जाएगा. लातेहार के रोहित आरके ने कहा कि इस बार हम अपनी योग्यता के दम पर लातेहार में विधानसभा जीत कर दिखाएंगे.

आदिवासी एकता महारैली 4 को, तैयारी को लेकर हुई बैठक

मुखरता और मजबूती के साथ उठेगी आदिवासियों की आवाज : बंधु तिर्की

खास बातें

- रांची के कमड़े में तैयारी को लेकर नेताओं ने किया मंथन
- रैली की सफलता को लेकर बनायी गयी रणनीति

विशेष संवाददाता।रांची

समन्वय समिति सदस्य और प्रदेश कांग्रेस कार्यकार अध्यक्ष बंधु तिर्की ने कहा कि 4 फरवरी को आदिवासी जनाधिकार मंच द्वारा मोरहाबादी मैदान में आदिवासी एकता महारैली का आयोजन किया गया है. उन्होंने कहा कि आदिवासियों की आवाज को मुखरता और मजबूती के साथ उठाया जायेगा. अब हम इतिहास के वैसे मोड़ पर पहुंच चुके हैं. जहां आदिवासियों की न्यायोचित मांगों और उनके संवैधानिक अधिकारों से

कोई भी समझौता नहीं किया जा सकता. यह बातें उन्होंने कमड़े के हॉट लिप्स के सभागार में महारैली की तैयारी को लेकर आयोजित बैठक के दौरान कही.

सभी आदिवासी एक हैं, एकजुट हों : तिर्की ने कहा कि महारैली को सफल बनाने के लिये व्यापक स्तर पर कार्य करने और लोगों तक महारैली के उद्देश्यों को पहुंचाने की जरूरत है. तिर्की ने कहा कि बिना किसी भेदभाव के सभी आदिवासी एक है और अपनी सभ्यता-संस्कृति के साथ ही झारखंड के प्राकृतिक संसाधनों और जल, जंगल, जमीन की रक्षा के लिये बिना किसी भेदभाव के सभी एकजुट हैं.

उन्होंने कहा कि आदिवासी किसी भी कीमत पर न तो टूटेंगे और ना ही बिखरेंगे. बैठक में शिवा कच्छप, राजेश लकड़ा, सुनील तिर्की,लालू खलखो, विजय तिर्की, विजय पाहन, बसंत पाहन, शिवचरण उरांव, जयंती टोप्पो, मनोज कुमार उरांव,महरु उरांव, राजू मुंडा, ऋषि तिर्की सहित कई उपस्थित थे.

समारोह | लोकार्पण कार्यक्रम में जाने-माने रचनाकार व शिक्षाविद् मौजूद रहे

केदार कानन की संस्मरण पुस्तक 'ओ दिन ओ राति' का लोकार्पण

संवाददाता।रांची

रांची के हरमू स्थित झारखंड मैथिली मंच के विद्यापति दलान पर मैथिली के वरिष्ठ रचनाकार, लब्धप्रतिष्ठ संपादक और संस्मरण विधा को मैथिली साहित्य में नयी ऊंचाई देने वाले केदार कानन की नयी संस्मरण पुस्तक ओ दिन ओ राति का लोकार्पण किया गया. मौके पर सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं चिंतक डॉ महेंद्र ने कहा कि कवि-कथाकार केदार कानन ने संपादन के क्षेत्र में अपनी दूरदृष्टि का तो परिचय दिया ही है, संस्मरण विधा को भी अपनी रचनात्मकता से नयी ऊंचाई प्रदान की है, जिसे मैथिली साहित्य के इतिहास में शिलालेख की तरह लिखा जाएगा. केदार की वैचारिक दृष्टि लोकतांत्रिक है और वह जीवन ही नहीं, साहित्य में भी उदारता के पक्षधर हैं, जिसकी झलक इस पुस्तक में कई स्थलों पर मिलती है. उन्होंने मैथिली में संस्मरण विधा को समृद्ध किया है.

सुप्रसिद्ध साहित्यकार व रांची दूरदर्शन के पूर्व निदेशक डॉ प्रमोद कुमार झा ने कहा कि आम तौर पर संस्मरणकार दिवंगत रचनाकारों और अपने से वरिष्ठ रचनाकारों के बारे में ही संस्मरण लिखते हैं, लेकिन केदार कानन के यहां इस तरह की रूढ़ धारणा नहीं है. उन्होंने दिवंगत व वरिष्ठ रचनाकारों के साथ-साथ जीवित एवं अपने कनिष्ठ रचनाकारों पर भी संस्मरण लिखा है, जो उनकी रचनात्मक उदारता का परिचायक है. आत्ममुग्धता से परे उनकी लेखनी

संस्मरण विधा को तो समृद्ध कर ही रही है, मैथिली साहित्य में भी अतुलनीय योगदान दे रही है. वह निरंतर सक्रिय रहें और अपनी रचनात्मकता से मैथिली साहित्य को उर्वर बनाए रखें, मैं यही कामना करता हूं.

सुप्रसिद्ध साहित्यकार और अध्यापक डॉ नरेंद्र ने कहा कि अमूमन संस्मरण विधा की पुस्तकें हाशिये पर रख दी जाती हैं, लेकिन हाल के वर्षों में संस्मरण विधा ने अन्य साहित्य की तरह मैथिली साहित्य में केंद्रीय स्थान ग्रहण किया है, तो इसका श्रेय केदार कानन जैसे उत्कृष्ट संस्मरणकारों के लेखन को जाता है। इस तरह की विलक्षण पुस्तक के लिए मैं केदार कानन को बहुत-बहुत बधाई देता हूं और उनके सतत रचनाशील सक्रिय जीवन की कामना करता हूं.

राजकुमार मिश्र ने कहा कि केदार कानन के संस्मरण बेहद पठनीय, कलात्मक व प्रेरक हैं. इन संस्मरणों को पढ़ते हुए लगता है कि आप मैथिली साहित्य के क्रमागत इतिहास से रूबरू होते हुए मैथिली की समकालीन रचनाधर्मिता तक की यात्रा कर लेते हैं. इस पुस्तक की भाषा मे रवानगी है और भाषा इतनी प्रांजल और प्रवाहमयी है कि एक बार पढ़ना शुरू करने के बाद खत्म किए बिना इसे रखने का मन नहीं करता है. पहले से ही यशश्वी केदार कानन के यश को यह पुस्तक और बढ़ाएगी.

कथाकार अमरनाथ झा ने कहा कि केदार कानन बहुविधावादी रचनाकार हैं और मैथिली साहित्य की लगभग हर गतिविधि की अद्यतन जानकारी रखते हैं. इसलिए जब भी वह किसी साहित्यिक व्यक्तित्व पर कलम उठाते हैं, तो उनके समग्र रचनात्मक अवदान के साथ उनके वैचारिक मानस के निर्माण में सहयोगी रहे वस्तु, व्यक्ति और वातावरण पर भी प्रकाश डालते चलते हैं. यही वजह है कि उनकी यह पुस्तक अनूठी और विलक्षण गद्य के रूप में सामने आई है.

लोकार्पण समारोह में कई स्थानीय साहित्यकारों के साथ झारखंड मैथिली मंच के महासचिव वैद्यनाथ झा सहित अनेक साहित्य प्रेमी उपस्थित थे. अंत में झारखंड मैथिली मंच के सचिव वैद्यनाथ झा ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया.

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रही सरकार : चंद्र प्रकाश

प्रमुख संवाददाता।रांची

- परीक्षा फॉर्म निकाल कर छात्रों को कुछ दिन अंधेरे में रखने का काम कर रही सरकार
- पेपर लीक मामले की हो उच्च स्तरीय जांच

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा में कथित तौर पर हुए पेपर लीक के मामले पर आजसू पार्टी उपाध्यक्ष सह गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने हेमंत सरकार पर युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर का आरोप लगाया. चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा एक बार फिर हेमंत सरकार के काम करने के तरीके और युवाओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता की कलई खोल कर रख दी है. नौकरी का झूठा वादा कर सत्ता में आने वाली इस सरकार ने सबसे अधिक राज्य के युवाओं को छलने का काम किया है. आज इनकी गलत नीतियों के चलते छात्रों का भविष्य अधर में लटका है. इनका काम सिर्फ परीक्षा फॉर्म निकाल कर छात्रों को कुछ और दिनों के लिए अंधेरे में रखने का है. इनके पास कदाचारमुक्त परीक्षा कराने और उस परीक्षा का ससमय परिणाम जारी करने का कोई भी रोडमैप ही नहीं है. युवाओं की भावनाओं, समय और भविष्य से खिलवाड़ करने वाली हेमंत सरकार को आने वाले समय में इसकी भारी कीमत चुकानी होगी. सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ साथ राज्य के भविष्य को भी अंधेरे में डाल दिया है. उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार में भ्रष्टाचारियों के हौसले बुलंद हैं.

पोर्शे मेकन टर्बो

जुलाई से सड़कों पर दौड़ती नजर आएगी पोर्शे की यह ई–कार

जमाना ई कार का है, दो टूक की यह बात कार कंपनियों ने बखूबी समझ ली है. भारतीय बाजार में ई कार की डिमांड पिछले कुछ सालों से लगातार बढ़ती ही जा रही है. लिहाजा कार निर्माता इलेक्ट्रिक कार से अपना ध्यान नहीं हटा सकते. पिछले दिनों जर्मनी की प्रमुख लग्ज़री कार निर्माता कंपनी पोर्शे ने भारतीय बाजार में अपनी नई इलेक्ट्रिक एसयूवी पोर्शे मेकन को लॉन्च किया है. हालांकि इस इलेक्ट्रिक एसयूवी के दो वेरिएंट्स हैं लेकिन कंपनी ने भारतीय ऑटो बाजार में केवल एक वेरिएंट्स पेश है. यह है मेकन टर्बो वेरिएंट. भारत में मैकन टर्बो की कीमत 1.65 करोड़ रुपए से शुरू होती है. कंपनी ने कार की बुकिंग शुरू कर दी है और इसकी डिलीवरी जुलाई के बाद की जाएगी. आइए, इसके लुक, फीचर्स, आदि के बारे में जानकारी हासिल करें-

तीन डिजिटल डिस्प्ले

मैकन का इंटीरियर डिजाइन कंपनी के मौजूदा मॉडल केयेन की याद दिला देता लिया गया है. इसका डिजाइन स्पोर्टी फील दिलाता है. डे टाइम रनिंग लाइट्स के साथ ही कूपे जैसा लुक दिया गया है. इसमें तीन डिजिटल डिस्प्ले मिलते हैं. इनमें पहली स्टैंडर्ड 12.6-इंच का कर्व्ड ड्राइवर डिस्प्ले, 10.9-इंच की इंफोटेनमेंट टचस्क्रीन और पैसेंजर के लिए एक अलग ऑप्शनल 10.9-इंच टचस्क्रीन शामिल है. इंफोटेनमेंट सिस्टम एंड्रॉइड ऑटोमोटिव ओएस पर बेस्ड है. वहीं, पैसेंजर के लिए दिए गए डिस्प्ले में वीडियो स्ट्रीम करने के साथ, कई कंट्रोल्स भी एडजस्ट कर सकते हैं. इसके अलावा डेशबोर्ड पर वर्चुअल नेविगेशन एरो के साथ एक हेड-अप डिस्प्ले भी दिया गया है.

पेट्रोल मॉडल से लंबी कार

पेट्रोल मॉडल के मुकाबले इसकी ऊंचाई 2 मिमी कम है. जबकि लंबाई के मामले में यह पेट्रोल मॉडल से कुछ बड़ी है. पोर्शे मेकन ईवी 103 मिमी लंबी, 15 मिमी चौड़ी है. ये इलेक्ट्रिक कार प्रीमियम प्लेटफॉर्म इलेक्ट्रिक यानी पीपीई आर्किटेक्चर पर बनाया गया है, जो पोर्श और ऑडी के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है. इस प्लेटफॉर्म का उपयोग आगामी वाहनों जैसे ऑडी क्यू 6 ई-ट्रॉन और केयेन इलेक्ट्रिक द्वारा भी किया जाएगा.

सिंगल चार्ज में 613 किमी की रेंज

पोर्शे मेकन ईवी का इलेक्ट्रिक मोटर 402 बीएचपी की दमदार पावर और 650 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है. कंपनी का दावा है कि ये एसयूवी महज 5.2 सेकंड में ही 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ने में सक्षम है. इसकी टॉप स्पीड 220 किमी/घंटा है. इसमें 95 किलोव्हाट्र्ज की क्षमता का दमदार बैटरी पैक दिया गया है, जो कि कार को सिंगल चार्ज में 613 किमी की रेंज देता है. इसकी बैटरी 270 किलोव्हाट्र्ज के डीसी चार्जर से चार्ज करने पर महज 21 मिनट में ही 10 से 80 प्रतिशत तक चार्ज हो जाती है.

पढ़ाई और परीक्षा की तैयारी के लिहाज से आज तकनीक बहुत बड़ा भरोसा हो गया है. कई ऐसे मोबाइल एप हैं जो छात्रों को परीक्षा के लिए सही तरीके से तैयारी करने में मदद करते हैं और तैयारी के लिए टिप्स देते हैं. इन ऐप्स पर न सिर्फ पढ़ाई से संबंधित आडियो-वीडियो होते हैं बल्कि मॉक टेस्ट भी मौजूद होते हैं.

परीक्षा से क्या डरना जब संग हों ई-गुरु जी

परीक्षा का दौर है. ऐसे गंभीर छात्र भी कई बार नर्वस हो जाते हैं और अपना सही आकलन नहीं कर पाते. उन्हें ये समझने में दिक्कत होती है कि किस चैप्टर पर ज्यादा फोकस करें और कहां से पढ़ाई शुरू करें. कई बार वक्त-बेवक्त किसी मार्गदर्शन की दरकार होती है. खुद के आकलन और मार्गदर्शन के लिए अब केवल शिक्षकों पर निर्भर रहने की दरकार नहीं. आज कई ऐसे मोबाइल एप्लिकेशन हैं जो छात्रों को सही तरीके से तैयारी करने में मदद करती हैं और तैयारी के लिए टिप्स देती हैं. इन ऐप्स पर न सिर्फ पढ़ाई से संबंधित आडियो-वीडियो होते हैं बल्कि मॉक टेस्ट भी मौजूद होते हैं. इन मॉक टेस्ट की मदद से स्टूडेंट्स अपनी तैयारी की जांच भी आसानी से कर सकते हैं. आइए, आज ऐसे ही कुछ एप्स की करें चर्चा-

माईसीबीएसई गाइड

माईसीबीएसई गाइड सीबीएसई के स्टूडेंट्स के बीच बेहद लोकप्रिय एप है. इस ऐप के जरिए छात्रों को स्टडी मैटेरियल और नोट्स ही नहीं मिलते बल्कि एनसीईआरटी की किताबें भी उपलब्ध होती हैं. अन्य मैटेरियल प्राप्त कर सकते हैं. यह लगभग सभी सब्जेक्ट, रिवीजन नोट्स, सीबीएसई सैंपल पेपर के साथ–साथ सीबीएसई सिलेबस, समाधान, चैप्टर अनुसार जरूरी सवाल भी मुहैया करवाती है. इस ऐप के माध्यम से छात्र वीडियो भी देख सकते हैं और ऐप पर ऑनलाइन मॉक टेस्ट भी दे सकते हैं.

टॉपर ऐप

टॉपर एप भी बेहतरीन लर्निंग ऐप में से एक है, जो स्टूडेंट की जरूरत के अनुसार डिजिटल रिसोर्सेज द्वारा सीखने में उनकी मदद करती है. इस एप पर सब्जेट के अनुसार वीडियो लेक्चर उपलब्ध हैं. खद के आकलन के लिए क्वेश्चन बैंक भी उपलब्ध हैं. इस एप के जरिए अखिल भारतीय टेस्ट सीरीज ले सकते हैं, स्टडी ग्रुप्स में शामिल हो सकते हैं और मॉक टेस्ट भी दे सकते हैं. इस एप की सहायता से स्टूडेंट्स अपना आकलन कर वास्तविकता के करीब अपने लक्ष्य को तय कर सकता है. छात्रों के डाउट्स को दूर करने के लिए 24x7 विशेषज्ञ सहायता भी इस एप पर उपलब्ध है.

ई-पाठशाला

ईपाठशाला भी छात्रों के बीच लोकप्रिय एप है. यह दरअसल एनसीईआरटी और एमएचआरडी की संयुक्त पहल है. यह कोर्स की किताबों, ऑडियो और वीडियो, स्टडी मैटेरियल और कई प्रकार के डिजिटल रिसोर्सेज सहित लर्निंग मैटेरियल प्रदान करता है, जिसे ऑफलाइन इस्तेमाल करने के लिए डाउनलोड किया जा सकता है. खासबात यह है कि ई–पाठशाला ऐप न केवल इंग्लिश बल्कि हिंदी और उर्दू मीडियम वाले छात्रों के लिए भी उपलब्ध है.

मेरिटनेशन

सीबीएसई बोर्ड एग्जाम की तैयारी कर रहे हैं तो यह आपके लिए बेहद सहायक हो सकता है. यह लोकप्रिय एप छठी से बारहवीं तक के छात्रों के लिए स्टडी मैटेरियल, क्वेश्चन पेपर देता है. ये एप्लिकेशन नोट्स, एनसीईआरटी सोल्यूशन, रेफरेंस किताबें, सैंपल पेपर, रिवीजन नोट्स आदि की सुविधा देता है. साथ ही पिछले साल के 10वीं और 12वीं के क्वेश्चन पेपर और मॉक टेस्ट यहां उपलब्ध होते हैं जो प्रैक्टिस और आकलन, दोनों लिहाज से उपयोगी हैं. इस ऐप की मदद से स्टूडेंट्स फुल तैयारी कर सकते हैं.

ये ऐप करेगा मदद

10वीं और 12वीं बोर्ड एग्जाम्स के साल्व्ड पेपर्स और सैंपल पेपर्स नाम के दो ऐप हैं, जिन्हें बोर्ड एग्जाम की तैयारी करने वाले हर स्टूडेंट को डाउनलोड करना चाहिए. ये ऐप एनसीईआरटी किताबों के आधार पर सब्जेक्ट्स के अनुसार हल किए गए प्रश्न पत्र और सैंपल पेपर मुहैया करवाती है.

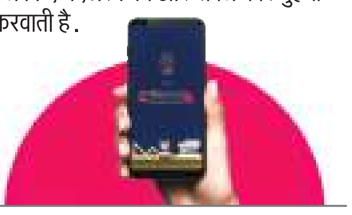

रियलमी 12 प्रो और प्रो प्लस फाइव जी

कम कीमत में धांसू फीचर्स

रियलमी ने दो नए स्मार्टफोन को लॉन्च कर दिया है, जिनके नाम रियलमी 12 प्रो और प्रो प्लस फाइव जी हैं. इन दोनों फोन में कंपनी ने सोनी आईएमएक्स 882 और सोनी आईएमएक्स 890 कैमरा सेंसर का इस्तेमाल किया गया है. रियल मी 12 प्रो प्लस में कंपनी ने 64 मेगा पिक्सल का टेलीफोटो लेंस दिया है, जो 3एक्स ज़ूम सपोर्ट के साथ आता है. वही रियलमी 12 प्रो में 50 मेगा पिकक्सल कैमरा सेटअप दिया गया है. आइए आज हम इन दोनों फोन के फीचर्स और कीमत के बारे में जानकारी हासिल करें-

ये हैं फीचर्स

दोनों स्मार्टफोन्स में 6.7 इंच कर्व्ड डिस्प्ले और एएमओएलइडी डिस्प्ले है. प्रो प्लस फाइव जी में पेरिस्कोप टेलीफोटो लैंस, 120एक्स जूम और सोनी लेंस है. प्रो प्लस फाइव जी में पेरिस्कोप टेलीफोटो लैंस का उपयोग होने के कारण शानदार पिक्चर क्वालिटी मिलने की उम्मीद की जा रही है.

जानिए कीमत

रियल मी प्रो फाइव जी की कीमत 25,999 रुपए है. यह 8 जीबी प्लस128 जीबी स्टोरेज के साथ आता है. रियल मी 12 प्रो प्लस 5 जी की कीमत 29,999 रुपए है. यह 8 जीबी प्लस 256 जीबी स्टोरेज के साथ आता है. दोनों में 2 हजार रुपए का डिस्काउंट कूपन भी दिया जा रहा है. इन्हें रियल मी की ऑफिशियल साइट से ऑर्डर किया जा सकता है.

रियल मी 12 प्रो और प्रो प्लस फाइव जी में 6.7 इंच कर्व्ड डिस्प्ले मिलता है, जो 120 हट्र्ज रिफ्रेश रेट के साथ आता है. दोनों फोन में एएमओएलईडी डिस्प्ले यूज किया गया है.

यूजर्स की जेब ढीली करने के मूड में अब यह एप

इस काम के लिए पैसे वसूलेगा व्हाट्सएप!

व्हाट्सऐप अब हमारी जरुरतों में शामिल हो गया है. ऑफिस का काम हो या पढ़ाई या फिर दुकानदारी, बिजनेस आदि या फिर दोस्ती-यारी या रिश्ते निभाने की बात हो, व्हाट्सएप के बिना शायद अब काम ही रफ्तार नहीं पकड़ पाए. अभी तक व्हाट्सऐप अपनी सर्विस फ्री में देता था. लेकिन अब इसे यूज करने वाले यूजर्स को एक सर्विस के लिए अलग से भुगतान करना होगा.

इन्हें मिल रहा ऑप्शन

बीटा यूजर्स को ये ऑप्शन मिलना भी शुरू हो गया है. ये अभी ट्रायल वर्जन है जिसे यूजर्स की मदद से व्हाट्सऐप ट्राई कर रहा है. अगर आप यह देखना चाहते हैं कि कितना जीबी फ्री है तो आपको सेटिंग्स में जाना होगा और यहां जाकर आपको पता चल जाएगा.

क्या है मामला

अब यूजर्स की जेब ढीली कराने के मूड में है. चैट बैकअप के लिए पेमेंट चैट बैकअप करने वाले यूजर्स को भुगतान करना होगा. बता दें कि चैट बैकअप के लिए व्हाट्सऐप गूगल ड्राइव का यूज कर रहा है. जब स्टोरेज फुल हो जाएगा तो सब्सक्रिप्शन लेना होगा. चैट बैकअप के लिए 15जीबी ही फ्री है. अगर इसके बाद आपको बैकअप करना होगा तो अलग से पेमेंट करनी होगी. सब्सक्रिप्शन की शुरुआत 130 रुपए से होगी. इसके लिए व्हाट्सऐप ने ट्रायल वर्जन शुरू कर दिया है. अगर आप इसका उपयोग करना चाहते हैं तो एप को अपडेट कर सकते हैं.

फुल एनर्जी में आ गया स्लिम लैंडर, अब रचेगा इतिहास

चांद पर मौजूद जापान का स्लिम मून लैंडर फिर हरकत में आ गया है. इसके सोलर पैनल्स चार्ज हो चुके हैं. इस कारण एक बार फिर उससे संपर्क स्थापित हो चुका है. इसके साथ ही जापान की इस उम्मीद को भी हौसला मिला कि स्लिम अपने काम में सफल रहेगा. बता दें कि लैंडिंग के बाद उसके सोलर पैनल पावर देने में फेल रहे. वो बिजली पैदा कर ही नहीं पा रहे हैं. लैंडर के सोलर पैनल नहीं खुलने से उसे ऊर्जा नहीं मिल रही है. लेकिन जापानी स्पेस एजेंसी ने स्लिम को मृत घोषित नहीं किया. स्पेस एजेंसी ने कहा कि चांद पर लैंड होने के बाद जब सोलर पैनल नहीं खुले, तो एजेंसी ने जानबूझकर लैंडर की बैट्री की क्षमता को 12 फीसदी कम कर दिया.

क्या है मामला

19 जनवरी 2024 को जापान के मून लैंडर स्लिम (स्मार्ट लैंडर फॉर इन्वेस्टिगेटिंग मून मिशन) ने चांद पर अब तक की सबसे सटीक सॉफ्ट लैंडिंग की थी. यह टारगेट से मात्र 55 मीटर दूर था. लिहाजा इसे चांद पर दुनिया का सबसे सटीक यानी पिन प्वाइंट सॉफ्ट लैंडिंग कहा गया. लेकिन सोलर पैनल्स की दिशा सूरज की तरफ नहीं होने से वो चार्ज नहीं हो पा रहा था. दस दिन बिना हरकत के यह लैंडर पड़ा रहा. इससे सारे संपर्क टूट गए. 10 दिन बाद जब सूरज की रोशनी की दिशा बदली, सोलर पैनल्स चार्ज होने लगे. उससे स्लिम को काफी ऊर्जा मिल गई. इसके बाद जापानी स्पेस एजेंसी जेएएक्सए ने स्लिम के साथ संपर्क भी स्थापित कर लिया. अब जापान स्लिम के साथ लगातार एक्टिव मोड में संचार कर रहा है. स्लिम की लैंडिंग के साथ जापान चांद की जमीन पर सॉफ्ट लैंडिंग कराने वाला पांचवां देश बन चुका है. इससे पहले भारत, रूस, अमेरिका और चीन यह सफलता हासिल कर चुके हैं. 19 जनवरी को लैंडिंग से पहले जापान के अंतरिक्षयान ने धरती से चांद तक पहुंचने के लिए 5 महीने की यात्रा की.

24 जनवरी को भेजी थी पहली तस्वीर

24 जनवरी को इस मून लैंडर ने अपने साथ गए एलईवी-2 रोवर के जरिए चांद के सतह की पहली तस्वीर ली थी और इसे जापानी स्पेस एजेंसी जेएएक्सए को भेजा था. फोटो ने यह सबूत दे दिया था कि जापान ने चांद की सतह पर विज्ञान और तकनीक के झंडे गाड़ दिए हैं. तस्वीर से ही यह भी जाहिर हुआ कि स्लिम लैंडर टारगेट से 55 मीटर यानी 180 फीट दूर जरूर गया लेकिन लैंडिंग सही हुई. सतह ढलान वाली थी इसलिए वह मुंह के बल गिर गया. उसके थ्रस्टर्स ऊपर की तरफ उठे हुए दिख रहे हैं. सोलर पैनल्स सूरज की दिशा से विपरीत दिशा में थे. स्पेस एजेंसी ने उसकी बैटरी को लैंडिंग के बाद बंद कर दिया था. ताकि बाद में इस्तेमाल कर सकें.

स्लिम लैंडर के हवाले यह काम

स्लिम चांद की सतह पर मौजूद ओलिवीन पत्थरों की जांच करेगा, ताकि चांद की उत्पत्ति का पता चल सके.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

भारतीय मुक्केबाज मंदीप जांगड़ा ने जीता इंटरकांन्टिनेंटल खिताब

> मैं यह खिताब अपने देश को समर्पित करता हूं. मैं देश के लिए भविष्य में भी इसी तरह का सम्मान और खिताब हासिल करने की कोशिश करूंगा.

भाषा। नयी दिल्ली

भारतीय मुक्केबाज मनदीप जांगड़ा ने वाशिंगटन के टॉप्पेनिश सिटी में गेरार्डो एसक्विवेल को हराकर अमेरिका स्थित 'नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए)' का 'इंटरकांन्टिनेंटल सुपर फेदरवेट' खिताब जीता. अपने पेशेवर करियर में अब तक अपराजित रहने वाले 30 साल के जांगड़ा ओलंपिक के पूर्व रजत पदक विजेता रॉय जोन्स जूनियर के मार्गदर्शन में अभ्यास करते हैं. उन्हें अमेरिका के मुक्केबाज के खिलाफ शुक्रवार को प्रतिस्पर्धा करने के लिए अपने पिछले 75 किलोग्राम भार वर्ग को छोड़ कर कम भार वर्ग में उतरना पड़ा. उन्होंने यहां जारी एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा, यह जीत सिर्फ मेरी नहीं है, बल्कि हर उस व्यक्ति की है, जिसने इस पूरी यात्रा में मेरा साथ दिया. इसमें मेरे कोच, परिवार, प्रशंसक और मेरे साथ खड़े रहने वाले शामिल हैं.

मैं यह खिताब अपने देश को समर्पित करता हूं. मैं देश के लिए भविष्य में भी इसी तरह का सम्मान और खिताब हासिल करने की कोशिश करूंगा. जांगड़ा ने 2021 में पेशेवर मुक्केबाजी में पदार्पण किया था. एसक्विवेल को हराने से पहले जांगड़ा ने अपने छह मुकाबलों में से चार में नॉकआउट जीत दर्ज की है. जांगड़ा ने अमेच्योर सर्किट में भी अच्छा प्रदर्शन किया है. उन्होंने 2014 ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीता था. फ्लोरिडा स्थित 'नेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (एनबीए)' पेशेवर मुकाबलों के लिए मान्यता प्राप्त संस्था है.

ब्रीफ खबरें

सैफ-19 : भारत की 23 सदस्यीय टीम घोषित

नयी दिल्ली । भारत के मुख्य कोच शुक्ला दत्ता ने शुक्रवार से ढाका में होने वाली सैफ अंडर-19 महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए सोमवार को 23 सदस्यीय टीम घोषित की. भारतीय टीम मंगलवार को बांग्लादेश के लिए रवाना होगी और अपना पहला मैच दो फरवरी को भूटान के खिलाफ खेलेगी. इसके बाद टीम चार फरवरी को बांग्लादेश जबकि छह फरवरी को नेपाल से भिड़ेगी. फाइनल आठ फरवरी को खेला जाएगा. टूर्नामेंट के सभी मैच ढाका के बीएसएसएस मुस्तफा कमाल स्टेडियम में होंगे. भारत इस प्रतियोगिता में कुल पांचवीं और अंडर-19 प्रारूप में दूसरी बार हिस्सा ले रहा है.

क्रिकेटरों के पास शराब मिलने की जांच होगी

नयी दिल्ली। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ (एससीए) ने चंडीगढ़ से राजकोट वापस जाते हुए अपने अंडर-23 क्रिकेटरों के पास से शराब की बोतलें बरामद होने के बाद सोमवार को अनुशासनात्मक जांच शुरू करने का फैसला किया. एससीए सूत्रों के अनुसार यह घटना 25 जनवरी को सीके नायुडू ट्रॉफी में मेजबान चंडीगढ़ पर सौराष्ट्र की जीत के बाद हुई. क्रिकेटरों को जिस विमान में चढ़ना था उसके कार्गो क्षेत्र में बड़ी मात्रा में शराब पाई गई. बाद में चंडीगढ़ हवाईअड्डे पर अधिकारियों ने शराब जब्त कर ली. चंडीगढ़ में एक कथित घटना हुई है जिसे सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के संज्ञान में लाया गया है.

आचार संहिता उल्लंघन पर बुमराह को फटकार

दुबई। भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को हैदराबाद टेस्ट के दौरान रन लेते समय इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप के रास्ते में आने और उसकी वजह से अनुचित शारीरिक संपर्क के कारण फटकार और एक डिमेरिट अंक लगाया गया है. बुमराह का अपराध आईसीसी आचार संहिता के तहत लेवल एक का अपराध है. उनके अनुशासन रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक भी लगाया गया. यह घटना इंग्लैंड की दूसरी पारी के 81वें ओवर की है, जब बुमराह जान बूझकर ओली पोप के रास्ते में आ गए जब वह रन ले रहे थे, जिससे अनुचित शारीरिक संपर्क भी हुआ.

दिल्ली उच्च न्यायालय में पूर्व कप्तान ने कही अपने पक्ष की बात

धोनी ने कोर्ट से कहा- मानहानि याचिका सुनवाई के योग्य नहीं

भाषा। नयी दिल्ली

खास बातें

- पूर्व व्यावसायिक साझेदारों ने दायर की है याचिका
- कोर्ट ने कोई अंतरिम आदेश देने से इनकार किया है

टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष कहा कि उनके दो पूर्व व्यावसायिक साझेदारों द्वारा उनके खिलाफ दायर मानहानि याचिका सुनवाई के योग्य नहीं है. उच्च न्यायालय ने फिलहाल धोनी, कई मीडिया घरानों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों के खिलाफ कोई भी अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया ताकि उन्हें किसी भी मंच पर वादी के खिलाफ किसी भी कथित झूठी मानहानिकारक सामग्री को पोस्ट करने या प्रकाशित करने से रोका जा सके, जो उनकी साख और प्रतिष्ठा को धूमिल कर सकती है.

वादी और पूर्व व्यावसायिक साझेदार मिहिर दिवाकर और उनकी पत्नी सौम्या दास ने धोनी, कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और मीडिया घरानों के खिलाफ स्थायी रोक और क्षतिपूर्ति की मांग करते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है. उन्हें मानहानि कारक, झूठी बातें बनाने, प्रकाशित करने, प्रसारित करने से रोकने की मांग की है. धोनी के वकील अदालत में पेश हुए और कहा कि उनके खिलाफ दायर याचिका सुनवाई योग्य नहीं है और उन्होंने हाल ही में रांची की एक अदालत में दंपति के खिलाफ मामला दायर किया है. उनके वकील ने आगे कहा कि उन्हें वादपत्र और संबंधित दस्तावेजों की प्रति नहीं मिली है और उन्हें मामला दायर करने के बारे में केवल उच्च न्यायालय रजिस्ट्री द्वारा सूचित किया गया था.

इस पर अदालत ने वादी के वकील से तीन दिन के भीतर धोनी के वकील को दस्तावेजों का पूरा सेट उपलब्ध कराने को कहा. वादी की ओर से पेश वकील ने कहा कि वह केवल मीडिया द्वारा निष्पक्ष रिपोर्टिंग चाहते थे और दावा किया कि उनके मुवक्किलों के खिलाफ मीडिया रिपोर्टिंग निष्पक्ष नहीं थी, क्योंकि उन्हें पहले ही ठग और चोर करार दिया जा चुका है.

जानिए क्या है मामला...

महेंद्र सिंह धोनी ने मिहिर दिवाकर और सौम्या दास खिलाफ मामला दायर किया है

मीडिया घरानों में से एक का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील सिद्धांत कुमार ने यह भी तर्क दिया कि याचिका सुनवाई योग्य नहीं है और उन्होंने पहले के फैसले में कहा था कि जब तक मीडिया घरानों सहित प्रत्येक प्रतिवादी के खिलाफ विशिष्ट आरोप नहीं लगाए जाते, तब तक कोई मामला नहीं बनाया जाएगा. उन्होंने यह भी कहा कि यह मामला इस अदालत के क्षेत्राधिकार में नहीं आता है. न्यायमूर्ति सिंह ने वादी के वकील से प्रतिवादियों के खिलाफ आरोप तय करने के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा और मामले की अगली सुनवाई तीन अप्रैल तय की है. अदालत ने पहले अपनी रजिस्ट्री से धोनी को उनके दो पूर्व व्यावसायिक साझेदारों द्वारा उनके खिलाफ मानहानि याचिका दायर करने के बारे में सूचित करने को कहा था. वादी के वकील ने पहले कहा था कि क्रिकेटर की ओर से वादी के खिलाफ आरोप लगाने के लिए एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया था. खेल प्रबंधन कंपनी आरका स्पोर्ट्स के दो निदेशकों के खिलाफ रांची की निचली अदालत में मामला दायर किया गया है. धोनी के प्रतिनिधियों ने कहा था कि उन्होंने क्रिकेटर की ओर से रांची की एक अदालत में आरका स्पोर्ट्स के निदेशक मिहिर दिवाकर और सौम्या दास के खिलाफ एक आपराधिक मामला दायर किया है.

साबले-पारुल को ट्रेनिंग की मंजूरी

भाषा। नयी दिल्ली

खास बातें

- खेल मंत्रालय ने दोनों धावकों को ट्रेनिंग की मंजूरी दे दी
- अविनाश व पारुल ने एशियाई खेलों में पदक जीते थे

खेल मंत्रालय ने एशियाई खेलों के पदक विजेता लंबी दूरी के धावक अविनाश साबले और पारुल चौधरी के अमेरिका के कोलोराडो में प्रशिक्षण के अनुरोध को सोमवार को मंजूरी दे दी. सरकार ने इसके साथ ही पहलवानों अंशू मलिक और सरिता मोर को क्रमशः जापान और अमेरिका में प्रशिक्षण के लिए भी हामी भर दी. राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक साबले और पारूल कोच स्कॉट सिमंस की देख रेख में कोलोराडो स्प्रिंग्स में उच्च ऊंचाई वाले केंद्र में अभ्यास करेंगे. सरिता अमेरिका के 'युनाइटेड स्टेट्स ओलंपिक/पैरालंपिक ट्रेनिंग सेंटर (यूएसओपीटीसी)' में अभ्यास करेंगी. इस केंद्र में ओलंपिक सहित बड़े टूर्नामेंटों विजेता कई शीर्ष पहलवान अभ्यास करते हैं. विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता पहलवान अंशू योकोहामा के 'निप्पॉन स्पोर्ट्स साइंस यूनिवर्सिटी (एनएसएसयू)' में प्रशिक्षण लेने के लिए कानागावा जायेंगी. इस केंद्र को जापान के कई शीर्ष पहलवानों को तैयार करने के लिए जाना जाता है. उभरते हुए टेबल टेनिस खिलाड़ी पायस जैन भी मंत्रालय के खर्च पर कोच किउ जियान की देखरेख में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए जापान के ओसाका जायेंगे.

मंत्रालय अपनी 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स)' के तहत, खिलाड़ियों कोचों और फिजियोथेरेपिस्टों को उनके हवाई किराए, आवास लागत सहित अन्य खर्चों के लिए वित्त पोषण करेगा. मंत्रालय ने इसके साथ ही भारतीय पैरा-तीरंदाज शीतल देवी, सरिता और राकेश कुमार के लिए धनुष, तीर, 'साइट स्केल' सहित अन्य उपकरणों की खरीद के अनुरोध के प्रस्तावों को भी मंजूरी दे दी.

विराट कोहली ने मेरे ऊपर थूका था: एल्गर

केपटाउन। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान डीन एल्गर ने दावा किया है कि भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने एक टेस्ट मैच के दौरान उन पर थूका था और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर टीम के साथी एबी डिविलियर्स के कहने पर दो साल बाद उन्होंने माफी मांगी थी. एल्गर ने दिसंबर में घरेलू मैदान पर भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के समापन के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया. नियमित कप्तान तेम्बा बावुमा की गैरमौजूदगी में उन्होंने इस मैच में टीम की कमान संभाली थी. अनुमान लगाया जा रहा है कि यह वाक्या 2015 में दक्षिण अफ्रीका का भारत दौरा हो सकता है. एल्गर ने एक पॉडकास्ट पर इस जानकारी साझा की.

जमैका को हराकर भारत विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में

भाषा। मस्कट

मनिंदर सिंह के चार गोल की मदद से भारत ने जमैका को तीसरे और आखिरी पूल मैच में 13-0 से हराकर एफआईएच हॉकी 5 पुरुष विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया. मनिंदर ने दूसरे मिनट में दो गोल करने के बाद 28वें और 29वें मिनट में गोल दागे. ये चारों फील्ड गोल थे. इसके अलावा मनजीत (पांचवां और 24वां), राहील मोहम्मद (16वां और 27वां) और मनदीप मोर (23वां और 27वां) ने दो-दो गोल किये, जबकि उत्तम सिंह (पांचवां), पवन राजभर (नौवां) और गुरजोत सिंह (14वां) ने एक-एक गोल किया. भारत ने पहले ही मिनट से आक्रामक हॉकी दिखाई और मनिंदर सिंह ने लगातार दो गोल दाग दिये. इसके बाद उत्तम और मनजीत के एक एक गोल से पहले छह मिनट में स्कोर 4-0 हो गया. अच्छी बढ़त बनाने के बाद भी भारतीय खिलाड़ियों ने हमले बोलना बंद नहीं किया. पवन ओर गुरजोत ने गोल करके हाफटाइम तक स्कोर 6-0 कर दिया. दूसरे हाफ में भी यही कहानी रही और गेंद पर नियंत्रण के मामले में भारत काफी आगे रहा. राहील, मनदीप, मनजीत और मनिंदर ने गोल करके भारत को बड़ी जीत दिलाई. भारत ने पूल बी में स्विटजरलैंड को हराया था.

रविंद्र जडेजा और केएल. राहुल के बाहर होने से भारत को झटका

भाषा। हैदराबाद

भारतीय ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा और बल्लेबाज लोकेश राहुल विशाखापत्तनम में दो फरवरी से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे, जिससे मेजबान टीम को यहां श्रृंखला के पहले टेस्ट में हार के बाद दोहरा झटका लगा है. जडेजा को रविवार को पहले टेस्ट के दौरान तेजी से रन लेते हुए पैर की मांसपेशियों में चोट लगी थी, जबकि राहुल ने दाईं जांघ में दर्द की शिकायत की है. राहुल को पिछले साल मई में आईपीएल के दौरान भी दाईं जांघ में चोट लगी थी और उन्हें सर्जरी करानी पड़ी थी जिसके कारण वह चार महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे. बीसीसीआई ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, रविंद्र जडेजा और लोकेश राहुल इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में दो फरवरी 2024 से होने वाले दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाएंगे. चयन समिति ने मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान, बाएं हाथ के स्पिनर सौरभ कुमार और ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर को दूसरे टेस्ट के लिए भारतीय टीम में शामिल किया है. घरेलू क्रिकेट में ढेरों रन बनाने वाले सरफराज को पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है.

हैदराबाद टेस्ट हारने के बाद भारत डब्ल्यूटीसी रैंकिंग में 5वें स्थान पर

दुबई। इंग्लैंड के हाथों हैदराबाद में पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भारत विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप रैंकिंग में खिसककर पांचवें स्थान पर आ गया है. दक्षिण अफ्रीका से दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला ड्रॉ खेलने के बाद भारत शीर्ष पर था, लेकिन पाकिस्तान को हराकर ऑस्ट्रेलिया शिखर पर पहुंच गया. दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के बाद भारत के 54.16 रैंकिंग अंक थे, जो अब घटकर 43.33 हो गए हैं. ऑस्ट्रेलिया 55 अंक के साथ शीर्ष पर है. वेस्टइंडीज के हाथों रविवार को आठ रन से मिली हार का भी उसकी रैंकिंग पर असर नहीं हुआ है.

गिल को दूसरे टेस्ट में अच्छा खेलना होगा : कुंबले

भाषा। हैदराबाद

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि खराब फॉर्म से जूझ रहे शुभमन गिल के पास टीम में जिस तरह की सुरक्षा है, वह कभी चेतेश्वर पुजारा को नहीं मिली और इस युवा बल्लेबाज को इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा वरना काफी दबाव में आ जायेगा. 24 वर्ष के गिल ने पिछली 11 टेस्ट पारियों में अर्धशतक नहीं लगाया है. उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल मार्च में पहली पारी में 128 रन बनाये थे, लेकिन उसके बाद से उनका सर्वोच्च स्कोर 36 रन रहा है. उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ यहां पहले टेस्ट में पहली पारी में 23 रन बनाये जबकि दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल सके. भारत को पहले मैच में 28 रन से पराजय झेलनी पड़ी. कुंबले ने 'जियो सिनेमा' से कहा, गिल को जो सुरक्षा मिली हुई है वह चेतेश्वर पुजारा को भी नहीं मिली थी, जबकि उसने (पुजारा) 100 से अधिक टेस्ट खेले हैं. उन्होंने कहा, मैं बार बार पुजारा की बात करता हूं क्योंकि वह कुछ समय पहले तक तीसरे नंबर पर उतरते थे. पुजारा ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेला और उसके बाद से शुभमन गिल तीसरे नंबर पर उतर रहा है. 36 वर्ष के पुजारा ने जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल खेला था, जिसके बाद से वह टीम में नहीं हैं. इस महीने की शुरुआत में रणजी मैच में उन्होंने नाबाद 243 रन बनाये.

कुंबले ने कहा कि गिल को अपनी मानसिकता पर काम करना होगा और तकनीक में भी सुधार करना होगा. अगर आप भारत में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करना चाहते हैं तो तकनीक पर काम करना होगा. उसके पास हुनर है और वह युवा है, सीख रहा है लेकिन उसे दूसरे टेस्ट में अच्छा खेलना होगा वरना उस पर दबाव आ जायेगा. लेकिन अगले टेस्ट से चार दिन पहले क्या वह अपनी शैली में बदलाव कर सकते हैं, यह पूछने पर कुंबले ने कहा, यह मानसिकता की बात है. उसके पास बताने के लिये सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति कोच (राहुल द्रविड़) के रूप में है. भारतीय बल्लेबाजों को स्पिन को बेहतर ढंग से खेलना होगा. कुछ बल्लेबाजों का रवैया सकारात्मक नहीं था और फुटवर्क भी खराब था.

अंडर 19 विश्व कप | सुपर सिक्स चरण का मुकाबला, भारत की टीम फुल फॉर्म में

अब भारत की नजरें जीत की लय कायम रखने पर

भाषा। ब्लोमफोंटेन

टीमें ▪ मैच का समय : दोपहर 1. 30 से.

- **भारत :** अर्शिन कुलकर्णी, आदर्श सिंह, रुद्र मयूर पटेल, सचिन धस, प्रियांशु मोलिया, मुशीर खान, उदय सहारन (कप्तान), अरवेल्ली अवनीश राव, सौम्य कुमार पांडे, मुरुगन अभिषेक, इनेश महाजन, धनुष गौड़ा, आराध्या शुक्ला, राज लिम्बानी और नमन तिवारी.
- **न्यूजीलैंड :** आस्कर जैकसन (कप्तान), मेसन क्लार्क, सैम क्लोड, जैक कमिंग, रहमान हिकमत, टॉम जोंस, जेम्स नेलसन, स्नेहित रेड्डी, मैट रोव, एवाल्ड श्रूडर, लाचलान स्टैकपोल, ओलिवर तेवतिया, एलेक्स थॉम्पसन, रियान सोरगास, ल्यूक वाटसन.

लगातार तीन जीत दर्ज करने के बाद आत्मविश्वास से ओतप्रोत गत चैम्पियन भारतीय टीम अंडर 19 विश्व कप में सुपर सिक्स चरण के मुकाबले में मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ उतरेगी तो नजरें जीत की लय कायम रखने पर लगी होंगी. ग्रुप ए में शीर्ष पर रहकर सुपर सिक्स में पहुंची भारतीय टीम के लिए अच्छी बात यह है कि इसी मैदान पर अगला मैच खेलना है, जहां उसने तीनों मैच जीते हैं. वहीं न्यूजीलैंड टीम ईस्ट लंदन से आई है और उसे हालात के अनुरूप ढलना होगा.

भारत ने बांग्लादेश, आयरलैंड और अमेरिका को हराया है. पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ परेशानी आई, लेकिन बाकी दोनों मैचों में भारत ने शानदार जीत दर्ज की. भारत के लिए हर मौके पर एक या दो बल्लेबाजों ने जिम्मेदारी लेकर रन बनाये हैं. तीसरे नंबर के बल्लेबाज मुशीर खान ने लगातार अच्छी पारियां खेली है. सरफराज खान के छोटे भाई मुशीर एक शतक और एक अर्धशतक समेत सर्वोच्च रन बनाने वालों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं.

आदर्श सिंह अच्छी शुरुआत को बड़ी पारियों में नहीं बदल पाये और अब उनका इरादा बड़ा स्कोर बनाने का होगा. सलामी बल्लेबाज अर्शिन कुलकर्णी का आत्मविश्वास शतक के बाद बढ़ा होगा. कप्तान उदय सहारन ने भी अच्छी पारियां खेली हैं और वह इसे कायम रखना चाहेंगे. गेंदबाजी में बायें हाथ के तेज गेंदबाज नमन तिवारी का प्रदर्शन अच्छा रहा है. पिछले दो मैचों में उन्होंने चार विकेट लिये. बायें हाथ के स्पिनर सॉमी पांडे अब तक आठ विकेट ले चुके हैं. न्यूजीलैंड ग्रुप डी में तीन मैचों में दो जीत के बाद दूसरे स्थान पर रहा, लेकिन उसके बल्लेबाज जूझते दिखाई दिये.

भारत के लिए खतरे की घंटी : हुसैन

भाषा। लंदन

खास बातें

- हैदराबाद टेस्ट में हार के बाद नासिर हुसैन ने दी प्रतिक्रिया
- इंग्लैंड की बैजबॉल रणनीति को लेकर भी रखे विचार

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा है कि हैदराबाद टेस्ट में मिली हार भारत के लिए खतरे की घंटी होनी चाहिए कि इंग्लैंड की 'बैजबॉल' रणनीति धीमी पिचों पर भी प्रभावी है. इंग्लैंड ने पहली गेंद से ही आक्रमण की 'बैजबॉल' रणनीति अपनाने के बाद से एक भी टेस्ट श्रृंखला नहीं गंवाई है. पहले टेस्ट में ओली पोप के 196 रन की मदद से उसने भारत को 28 रन से हराया. हुसैन ने 'स्काय स्पोटर्स ' के लिये अपने कॉलम में लिखा, भारत ने पहली पारी में 436 रन बनाये लेकिन और भी बना सकते थे. भारतीय टीम बेहतरीन है और वापसी करेगी. इतिहास गवाह है कि इंग्लैंड के लिए यहां जीतना आसान नहीं रहा है. उन्होंने कहा, भारत के लिए यह खतरे की घंटी है, क्योंकि इंग्लैंड ने दिखा दिया है कि बैजबॉल यहां भी असरदार है. उन्होंने कहा, इससे साबित होता है कि इंग्लैंड के पास गजब का आत्मविश्वास है. उन्हें अपने खेलने के तरीके पर भरोसा है. बाहर की बातों को लेकर वे चिंतित नहीं हैं. मैं उनकी जिद का कायल हूं. अगर आप उन पर शक करेंगे तो वे और जिद्दी होकर आपको गलत साबित करेंगे. यह अच्छी बात है, क्योंकि आप लगातार सुनते रहे हैं और आपके बारे में जो लिखा जा रहा है, उसे पढ़ते रहते हैं.

पोप ने रविचंद्रन अश्विन, अक्षर पटेल और रविंद्र जडेजा को सहजता से खेला और भारतीय स्पिन तिकड़ी को दूसरी पारी में बेअसर कर दिया. हुसैन ने कह ,पहली पारी में वे 190 रन से पिछड़ गए थे, लेकिन इतने बेहतरीन स्पिनरों के सामने ओली पोप ने एक यादगार पारी खेली. वहीं पहली पारी में जूझते दिखे टॉम हार्टली ने भी सात विकेट चटकाये. टेस्ट पदार्पण करने पर काफी दबाव रहता है, लेकिन हार्टली ने दूसरी पारी में उसका बखूबी सामना किया.

ब्रीफ खबरें

पटना में ट्रक ने 6 लोगों को रौंदा, 4 की मौत

पटना । पटना के पालीगंज अनुमंडल इलाके में एक अनियंत्रित ट्रक ने करीब आधा दर्जन लोगों को रौंद दिया. जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई. वहीं, घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर दिया. घटना की जानकारी मिलने के बाद पालीगंज थाने की पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है. हालांकि घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया है. पालीगंज डीएसपी प्रीतम कुमार अपने दलबल के साथ मौके पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन आक्रोशित लोगों ने मुआवजे की मांग पर डटे रहे.

18 किलो चरस के साथ दो गिरफ्तार

बेतिया । बेतिया में पुलिस ने दो तस्कर को 18 किलो चरस के साथ गिरफ्तार किया है. मिली जानकारी के अनुसार, पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की है. पुलिस को सूचना मिली थी कि नेपाल से दो युवक मादक पदार्थ लेकर बेतिया आने वाले हैं. इसी दौरान पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर लिया. मामला बेतिया नगर थाना का हैं. बताया जा रहा कि सोमवार सुबह पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि दो तस्कर नेपाल से मादक पदार्थ चरस लेकर बाइक से बेतिया आने वाले है. पुलिस ने सूचना के आधार पर त्वरित कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ के साथ तस्करों को पकड़ लिया.

शराब तस्करी मामले में 35 लोग गिरफ्तार

गोपालगंज । गोपालगंज में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से शराब मामले में 35 लोगों को गिरफ्तार किया गया. सभी लोगों को बिहार में शराबबंदी के बावजूद शराब पीने और बेचने के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है. राज्य में शराबबंदी के बावजूद, ये गौरखधंधा थमने का नाम नहीं ले रहा है. इसी को लेकर विभाग अलर्ट है. जिले के अलग-अलग जगहों से गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ उत्पाद विभाग, उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विधि सम्मत कार्रवाई में जुट गई है. विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी कर 35 लोगों को गिरफ्तार किया गया.

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद पूछताछ के लिए पटना ईडी कार्यालय में पेश हुए

संवाददाता।पटना

राजद प्रमुख लालू प्रसाद कथित 'जमीन के बदले नौकरी घोटाला' मामले में पूछताछ के लिए सोमवार को पटना स्थित प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कार्यालय पहुंचे. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. राजद प्रमुख के साथ उनकी बेटी मीसा भारती भी मौजूद रहीं और वे सोमवार को पूर्वाह्न 11 बजकर पांच मिनट पर ईडी कार्यालय पहुंचे. ईडी कार्यालय में लालू को प्रवेश कराने के बाद भारती ने संवाददाताओं से कहा, जब भी कोई केंद्रीय जांच एजेंसी हमारे परिवार के किसी सदस्य को पूछताछ के लिए बुलाती है तो हम वहां जाते हैं और उनके साथ सहयोग करते हैं और उनके सभी सवालों का जवाब देते हैं. उन्होंने कहा, उनकी (लालू) स्वास्थ्य स्थिति के कारण उनके लिए अकेले जाना मुश्किल है, यही कारण है कि जब भी वह कहीं जाते हैं तो किसी को उनके साथ जाना पड़ता है. वहीं लालू की बेटी आचार्य ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, सब को पता है पापा की हालात... बिना सहारे चल नहीं सकते फिर भी ईडी के अधिकारियों ने किसी भी सहायक को अपने कार्यालय में प्रवेश करने और उनके साथ जाने की अनुमति नहीं दी... अनुरोध करने के बाद भी बहन मीसा या उनके सहायक को नहीं जाने दिया.. कृपया आप लोग मेरी मदद करें. उन्होंने कहा, यह ईडी अधिकारियों द्वारा अमानवीय व्यवहार है...आपको (ईडी अधिकारियों) और आपके आका (ईडी के शीर्ष अधिकारियों) को शर्म आनी चाहिए. आचार्य ने पोस्ट में कहा, मेरे पापा को खरोंच भी आई तो मुझसे बुरा कोई नहीं होगा. अगर मेरे पापा को कुछ भी हुआ तो इसके जिम्मेदार गिरगिट (नीतीश कुमार पर निशाना) के साथ साथ सीबीआई और ईडी होंगे. शेर (लालू) अकेला है, कमजोर नहीं.

अयोध्या में सम्राट उतारेंगे अपना मुरेठा, जल्द कराएंगे मुंडन, कहा-

पार्टी के सम्मान में मुझे कुछ भी करना पड़े, उसके लिए तैयार हूं

ज्ञानवर्द्धन मिश्र।पटना

नवनियुक्त डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी अपना मुरेठा श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या में उतारेंगे और मुंडन करायेंगे. चौधरी को विधान परिषद में जब भाजपा ने विपक्ष का नेता बनाया था तो उन्होंने प्रतिज्ञा की थी कि मुरेठा कब खोलूंगा. डिप्टी सीएम चौधरी से सोमवार को पत्रकारों ने पूछा कि अब मुरेठा का क्या होगा, सम्राट चौधरी ने मुरेठा बांधने की मार्मिक कहानी कही. उन्होंने बड़े ही भावुक होकर कहा कि मां का जब निधन हुआ था तो मैंने मुरेठा बांधा था. लेकिन उसी दौरान पार्टी ने मुझे विधान परिषद में विपक्ष का नेता बना दिया था. तब मैंने कसम खायी थी कि मुरेठा कब उतारूंगा. पार्टी यानि भाजपा मेरी दूसरी मां है. अपनी दूसरी मां के सम्मान के लिए मैं कुछ भी करने को तैयार हूं. चौधरी ने कहा कि जब भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने निर्णय लिया कि हमें नीतीश कुमार के साथ जाना है तो मेरे लिए बहुत भावुक पल था. मैंने उसी समय कहा- मैं अयोध्या जा रहा हूं. मैंने पार्टी नेतृत्व को कह दिया कि मैं वहीं अपना मुरेठा उतारूंगा और अपना सिर मुंडवा कर प्रभु श्री राम के चरणों में समर्पित कर दूंगा. चौधरी ने कहा कि मैं भाजपा का सिपाही हूं. पार्टी के सम्मान में मुझे कुछ भी करना पड़े उसके लिए मैं तैयार हूं. व्यक्तिगत हित बड़ा नहीं हो सकता. व्यक्तिगत फैसले को रद्द किया जा सकता है. लेकिन पार्टी और समाज उससे बड़ा है. पार्टी के फैसले और बिहार के हित को देखते हुए मैं प्रभु श्री राम के चरणों में अपना मुरेठा और सिर का बाल मुंडवा कर समर्पित करूंगा. ज्ञातव्य है कि चौधरी ने नीतीश कुमार को गद्दी से हटाने के बाद मुरेठा खोलने का संकल्प किया था.

विस के अध्यक्ष की कुर्सी पर मंडराए संकट के काले बादल

पटना । बिहार विधान सभा के अध्यक्ष की कुर्सी पर संकट के काले बादल मंडराने लगे हैं. नवगठित एनडीए की सरकार की ओर से सभाध्यक्ष को हटाने का नोटिस जारी किया है. इस बाबत भाजपा के वरिष्ठ विधायक नंदकिशोर यादव ने विधानसभा सचिव को नोटिस दिया है. विधानसभा अध्यक्ष अवध बिहारी चौधरी राजद के विधायक और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के करीबी हैं. दरअसल, नई सरकार के गठन के बाद सोमवार को कैबिनेट की बैठक थी. बैठक में 5 फरवरी से शुरू होने वाले बिहार विधान मंडल के आहूत सत्र को अगली सूचना तक स्थगित करने का निर्णय हुआ. वर्तमान अध्यक्ष चौधरी के हटने के बाद सत्र प्रारंभ किये जाने का अंदेशा है. अब महामहिम राज्यपाल से परामर्श के बाद विधान मंडल का सत्र बुलाया जा सकेगा. अब नए सिरे से इसकी तारीख तय की जाएगी. कैबिनेट मीटिंग की समाप्ति के बाद मंत्री सुमित कुमार सिंह ने कहा कि सोमवार को बैठक में खास नहीं सिर्फ बजट सत्र की तारीख को बढ़ाने का प्रस्ताव है. हमलोग राज्यपाल से चर्चा के बाद आगे की तारीख तय करेंगे.

नौकरी के बदले जमीन का खेला करना चाहता था राजद : नीरज

विशेष संवाददाता ।पटना

जदयू के फायरब्रांड प्रवक्ता नीरज कुमार ने राजद पर प्रहार करते हुए कहा कि जदयू का राजद से मूल विवाद नौकरी को लेकर था. मुख्यमंत्री नीतीश लगातार भर्ती ले रहे थे और श्रेय लेने की होड़ में राजद मची हुई थी. राजद नौकरी के बदले जमीन का खेल करना चाहता था. जदयू प्रवक्ता ने कहा कि तबादले का खेल भूमि सुधार विभाग में चल रहा था जिसकी जानकारी नीतीश कुमार को हुई. मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस से समझौता नहीं कर अभी बिहार में और भर्ती होने वाली है, राजद जमीन लिखवाना चाहती थी, ये खेल चलता तो परेशानी होती इसको देखते हुए नीतीश कुमार ने राजद से मुक्ति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिया. चिराग पासवान व उपेंद्र कुशवाहा के प्रश्न पर कहा कि दोनों एनडीए के अंग है. 17 साल बनाम 17 महीने के तेजस्वी के बयान पर पलटवार करते हुए नीरज ने कहा कि वे अपने निर्वाचन क्षेत्र और अपने पैतृक गांव का रिकॉर्ड निकलवा लें सब पता चल जाएगा. नौकरी देने के राजद के दावे पर जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि नीतियों को तय करने का अधिकार सीएम को होता है, बिहार में बहाली नीतीश की नीति का अंग है. तेजस्वी के जदयू के बिखरने के बयान पर नीरज ने कहा कि जिसने भी जदयू की तरफ नजर लगाने की जुर्रत की है उसकी राजनीति भस्म हो गई है.

मांझी मिले नीतीश से सारे गिले-शिकवे हुए दूर

पटना । हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जीतन राम मांझी सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मिले और सारे गिले शिकवे दूर हो गये. मांझी के अपने चेंबर में आते ही नीतीश कुमार काफी गर्मजोशी से मिले. सीएम नीतीश कुमार ने खुद ही विधानसभा में हुई घटना का जिक्र किया. सीएम ने कहा कि राजद के लोगों ने उन्हें काफी गलत फीडबैक दे दिया था. बार-बार राजद के नेता बता रहे थे कि मांझी जी धोखा देने वाले हैं. इसी कारण उन्होंने आपा खो दिया था. सीएम ने मांझी से कहा-पुरानी बातें भूल जाइये. आप तो जानते ही हैं कि हम आपका कितना इज्जत करते हैं. आपको तो हम खुद ले जाकर सीएम की कुर्सी पर बिठाये थे. इसके बाद मांझी भी पुरानी यादों में खो गये.

नीतीश के राजग में जाने पर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश बोले-

'इंडिया' गठबंधन पर कोई असर नहीं होगा

संवाददाता। किशनगंज

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'महागठबंधन' को छोड़कर राजग में जाने से विपक्षी गठजोड़ 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) पर कोई असर नहीं पड़ेगा. 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के दौरान किशनगंज में संवाददाताओं से बातचीत में रमेश ने कटाक्ष करते हुए

कहा कि अब 'आया कुमार, गया कुमार' हैं. नीतीश कुमार के भाजपा के साथ जाने को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा, इसका 'इंडिया' गठबंधन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा...बिल्कुल कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा. बहुत नेता इस बात को लेकर (राहत की) सांस ले रहे हैं कि यह आदमी नहीं है, चला गया. रमेश ने यह आरोप भी लगाया कि नीतीश कुमार द्वारा विश्वासघात की पूरी भूमिका प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रची गई थी. उन्होंने दावा किया कि दिल्ली में बैठे झूठ के जगतगुरू और पटना में बैठे विश्वासघात के विशेषज्ञ के बीच जुगलबंदी है. नीतीश पिछली बैठकों में हमारे साथ थे, लेकिन रविवार को जो हुआ है वो सही नहीं है.

कारोबार

वित्तपोषण कॉर्पोरेट का वित्तपोषण 42% बढ़ा

नयी दिल्ली। दुनिया भर में अनुकूल नीतियों और ऊर्जा सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करने से वैश्विक स्तर पर सौर क्षेत्र में कॉर्पोरेट वित्तपोषण 2023 में 42 प्रतिशत बढ़कर 34.3 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया. एक रिपोर्ट में यह बात कही गई. मेरकॉम कैपिटल की ओर से सोमवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, कुल कॉर्पोरेट वित्तपोषण में उद्यम पूंजी (वीसी) कोष, सार्वजनिक बाजार तथा ऋण वित्तपोषण शामिल हैं. मेरकॉम एनुअल एंड क्यू4 2023 सोलर फंडिंग रिपोर्ट में कहा गया कि 2023 में जुटाई गई.

2.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का होगा निवेश

मुंबई। स्विट्जरलैंड स्थित परिसंपत्ति प्रबंधक रिस्पॉन्सएबिलिटी इन्वेस्टमेंट्स एजी घरेलू कंपनी ब्लूस्मार्ट में 2.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 208 करोड़ रुपये) तक का निवेश करेगी. संयुक्त बयान में सोमवार को कहा गया कि निवेश से ब्लूस्मार्ट को देशभर में अपने ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) चार्जिंग बुनियादी ढांचे का विस्तार करने में मदद मिलेगी. रणनीति के तहत रिस्पॉन्सएबिलिटी अपने निवेशकों की ओर से ब्लूस्मार्ट में 2.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक का निवेश करेगी.

चीनी का उत्पादन चार प्रतिशत कम होगा

नयी दिल्ली । देश में चीनी का उत्पादन 2023-24 सीजन (अक्टूबर-सितंबर) में सालाना आधार पर करीब चार प्रतिशत घटकर 3.16 करोड़ टन रहने का अनुमान है. चीनी व्यापार संगठन अखिल भारतीय चीनी व्यापार संघ (एआईएसटीए) ने सोमवार को अपना पहला उत्पादन अनुमान जारी करते हुए कहा कि 3.16 करोड़ टन के अनुमानित चीनी उत्पादन और 57 लाख टन के शुरुआती भंडार के साथ देश में चीनी की उपलब्धता 3.73 करोड़ टन होने की संभावना है. यह अनुमानित घरेलू खपत 2.9 करोड़ टन से अधिक है. एआईएसटीए के अनुसार 2023-24 सीजन में चीनी का अंतिम भंडार करीब 82 लाख टन होगा.

इस्त्राइल-हमास युद्ध के बाद लाल सागर में जहाजों पर हमले तेजी से बढ़े हैं

भारत का व्यापार हो रहा प्रभावित

भाषा।नयी दिल्ली

जंग से किसी का भला नहीं हो सकता है. यह सभी जानते हैं. इसके बाद भी दुनिया में इन दिनों कई देशों और संगठनों के बीच जंग जारी है. इसी में इस्त्राइल-हमास युद्ध भी है. जिसका असर अप्रत्यक्ष रूप से भारतीय व्यापार पर पड़ रहा है. दरअसल इस युद्ध के बाद लाल सागर में माल ढोने वाले जहाजों पर हमले के खतरे से अब भारत का व्यापार प्रभावित हो रहा है. स्थिति यह है कि भारत से चावल का निर्यात न होने से चावल के दामों में गिरावट आई है, जबकि दाल समेत अन्य चीजों का आयात न होने से लोगों पर महंगाई की मार पड़ने की आशंका बनी हुई है. व्यापारियों का दावा है कि अगर इस समस्या से निजात नहीं मिली तो आने वाले दिनों में कई सामानों के रेट में उछाल आ सकती है. एग्री फार्मर एंड ट्रेड एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सुनील बलदेवा ने बताया कि बीते कुछ दिनों से लाल सागर के जरिए सामानों की सप्लाई प्रभावित हुई है. क्योंकि लाल सागर के जरिए जहाजों पर हमले का खतरा है. इससे शिपिंग कंपनियों ने प्रति टन सामानों की ढुलाई में 30 से 50 डॉलर की वृद्धि कर दी है, जिससे व्यापारी परेशान हैं. बाजार में इस समय कई सामानों की सप्लाई लगभग ठप हो चुकी है.

सुनील के मुताबिक, अफ्रीका से अरहर की दाल की सप्लाई भारत में होती है, लेकिन सप्लाई चेन प्रभावित होने से बीते कुछ दिनों में अरहर दाल की कीमत में बढ़ोतरी हुई है. इसके अलावा, चावल, सफेद मटर से लेकर कई चीजों की सप्लाई प्रभावित है. साथ ही कनाडा से आने वाले सनफ्लावर और पीले सरसों के तेल की सप्लाई पर भी असर पड़ा है. इस युद्ध की वजह से भारत से चावलों का निर्यात नहीं हो पा रहा है. इससे चावल के दाम भरभरा कर गिर गए हैं. नया बाजार के चावल कारोबारी सचिन शर्मा ने बताया कि विदेशों में चावल की सप्लाई भारत से होती है, लेकिन लाल सागर से चावल की होने वाली सप्लाई ठप होने से बीते दस दिनों में बासमती के चावल में प्रति किलो 10 रुपये तक की गिरावट आई है. साथ ही दूसरे देशों से चावल का ऑर्डर लेने वाले व्यापारी भी सप्लाई न देने से परेशान हैं. कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स एसोसिएशन के दिल्ली अध्यक्ष विपिन आहूजा ने बताया कि शिपिंग कंपनियों ने किराया काफी बढ़ा दिया है, जिससे लाल सागर के जरिए खाने के सामान से लेकर रॉ मटीरियल की सप्लाई प्रभावित हो गई है. इसकी वजह से कुछ चीजों की कीमत में बढ़ोतरी होने की आशंका है.

भारत के कुल निर्यात में 6.7% की गिरावट आ सकती है

लाल सागर में हूती विद्रोहियों के वाणिज्यिक जहाजों पर हमले के कारण वैश्विक व्यापार पर संकट मंडरा रहा है. इससे अब भारतीय शिपिंग कंपनियां भी अछूती नहीं हैं. जानकारों का मानना है कि भारतीय शिपिंग कंपनियों को यूरोप जाने वाले अपने वाणिज्यिक जहाजों को स्वेज नहर की बजाय केप ऑफ गुड होप मार्ग से ले जाना पड़ रहा रहा है. इससे न केवल जहाजों को समय अधिक लग रहा है, बल्कि लागत भी बढ़ गई है. बता दें कि भारत की कई शिपिंग कंपनियां द्वारा इस्पात, इंजीनियरिंग सामान, कपड़ा, रसायन, वाहन और कृषि उत्पादों सहित बड़ी संख्या में अन्य वस्तुएं लाल सागर मार्ग के माध्यम से यूरोप और पश्चिम में निर्यात की जाती हैं. विकासशील देशों के निर्यात संबंधी एक प्रारंभिक आकलन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि वित्त वर्ष 2024 में भारत के कुल निर्यात में 6.7 प्रतिशत (लगभग 2,500 अरब रुपये) की गिरावट आ सकती है.

बढ़ेंगे रेट

- लाल सागर के जरिए सामानों की सप्लाई प्रभावित हुई है
- प्रति टन सामानों की ढुलाई में 30 से 50 डॉलर बढ़ी है

अडाणी ग्रीन एनर्जी का मुनाफा 148% बढ़ा

नयी दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी का चालू वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 148 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 256 करोड़ रुपये रहा. कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की इसी तिमाही में शुद्ध लाभ 103 करोड़ रुपये था. अडाणी ग्रीन एनर्जी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कुल आय बढ़कर 2,675 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 2,256 करोड़ रुपये थी. कंपनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमित सिंह ने एक बयान में कहा, हाल ही में घोषित इक्विटी तथा ऋण पूंजी वृद्धि के साथ हमने 2030 तक लक्षित 45 गीगावॉट क्षमता के लिए एक अच्छी तरह से सुरक्षित विकास पथ के लिए पूंजी प्रबंधन ढांचा तैयार किया है. उन्होंने कहा, हम स्थानीयकरण, बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण, कार्यबल विस्तार और योग्यता निर्माण पर जोर देने के साथ एक लचीली आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करके अपनी निष्पादन क्षमता को बढ़ाना जारी रख रहे हैं. उन्होंने कहा कि कंपनी गुजरात के खावड़ा में दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने पर भी काम कर रही है.

रविवार की रात गांधीनगर में 69वें फिल्मफेयर अवॉड्र्स के दौरान फोटो खिंचवातीं अभिनेत्री आलिया भट्ट.

आर्थिक सर्वेक्षण | संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू होकर 9 फरवरी तक चलेगा

वित्त मंत्री एक को सदन के पटल पर रखेंगी अंतरिम बजट

एजेंसी।नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2024 को अंतरिम बजट पेश करेंगी. इसकी तैयारी लगभग पूरी हो चुकी है. अंतरिम बजट से एक दिन पहले वित्त मंत्री आर्थिक सर्वेक्षण सदन के पटल पर रखेंगी. लोकसभा चुनाव से पहले संसद का बजट सत्र 31 जनवरी को शुरू होकर 9 फरवरी तक चलेगा. केंद्रीय बजट देश का सालाना वित्तीय लेखा-जोखा होता है. यूं कहें कि बजट किसी खास वित्त वर्ष के लिए सरकार की कमाई और खर्च का अनुमानित विवरण होता है. बजट के जरिए सरकार यह तय करती है कि आगामी वित्त वर्ष में वह अपनी कमाई की तुलना में किस हद तक खर्च कर सकती है. सरकार को हर वित्त वर्ष की शुरुआत में अपना बजट पेश करना होता है. भारत में वित्त वर्ष की शुरुआत एक अप्रैल से 31 मार्च तक होता है. अंतरिम बजट सरकार को आम चुनावों का फैसला होने और नई सरकार बनने के बाद पूर्ण बजट पेश होने तक देश को चलाने के लिए धन मुहैया कराता है. अंतरिम बजट शब्द आधिकारिक नहीं है. आधिकारिक तौर पर अंतरिम बजट को वोट ऑन अकाउंट कहा जाता है. चुनाव के बाद नई सरकार वित्त वर्ष 2024-25 को अपना पूर्ण बजट पेश करेगी. केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एक फरवरी, 2024 को लगातार अपना छठा बजट संसद में पेश करेंगी. इसके साथ ही वह देश की दूसरी वित्त मंत्री होंगी, जो लगातार 5 पूर्ण बजट और एक अंतरिम बजट पेश करेंगी.

खास बातें

- वित्त वर्ष की शुरुआत एक अप्रैल से 31 मार्च तक होता है
- चुनाव के बाद नई सरकार अपना पूर्ण बजट पेश करेगी

दोनों क्षेत्र में प्रतिस्पर्धी होते देखना चाहता हूं : सचिव

एजेंसी।नयी दिल्ली

दूरसंचार सचिव नीरज मित्तल ने सोमवार को कहा कि छोटी, नवोन्वेषी कंपनियों के कुछ 'उत्कृष्ट' उत्पाद बनाने के तथ्य पर गौर करते हुए वह एमएसएमई को न केवल सार्वजनिक क्षेत्र की निविदाओं के लिए बल्कि निजी क्षेत्र में भी प्रतिस्पर्धी होते देखना चाहते हैं. दूरसंचार विभाग के शीर्ष अधिकारी मित्तल ने कहा कि सरकार उत्पादन संबंधी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना में सुधार करना चाहती है और नई, बेहतर योजना के लिए लघु, कुटीर एवं मझौले उद्यमों (एमएसएमई) से भी उनके विचार मांगे हैं. उन्होंने कहा कि दूरसंचार घटक संबंधी परिवेश को भारत में विकसित होना चाहिए क्योंकि यह उप-प्रणालियों को लाने और उन्हें यहां इकट्ठा करने तथा कम मूल्य संवर्धन वाले हिस्से में दक्षता लाने के लिए पर्याप्त नहीं है.

अंतरराष्ट्रीय व्यापार एक्सपो 'भारत टेलीकॉम 2024' में मित्तल ने कहा, हमें भारत में एक दूरसंचार घटक संबंधी परिवेश विकसित करने की जरूरत है. उन्होंने कहा कि स्टार्टअप परिवेश तंत्र भविष्य में रोजगार, प्रौद्योगिकी तथा विनिर्माण का प्रवर्तक बनेगा. मित्तल ने कहा, कैसे छोटे एमएसएमई जो उत्कृष्ट उत्पाद बना रहे हैं और ठेके लेने में बड़ी कंपनियों को टक्कर देने में सक्षम हैं जो न केवल सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों द्वारा बल्कि निजी दूरसंचार कंपनियों द्वारा भी दिए जाते हैं.

ब्रीफ खबरें

कर्नाटकः सड़क हादसे में चार छात्रों की मौत

बागलकोट । जिले के जामखंडी में अलागुर गांव के पास सोमवार को स्कूल बस और ट्रैक्टर के बीच टक्कर के कारण चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि आठ अन्य लोग घायल हो गए. पुलिस ने कहा कि अलागुर में वर्धमान महावीर एजुकेशनल सोसाइटी के 13 से 17 साल की उम्र के छात्र जब कवातागी गांव से लौट रहे थे तभी यह दुर्घटना हुई. मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की अनुग्रह राशि और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये देने की घोषणा की.

ईरान ने चार दोषियों को दी मौत की सजा

तेहरान । ईरान ने रक्षा मंत्रालय से जुड़ी एक फैक्टरी को निशाना बनाने का षड्यंत्र रचने और इजराइल की खुफिया एजेंसी 'मोसाद' के लिए काम करने के दोषी चार लोगों को सोमवार को मौत की सजा दी. आधिकारिक 'आईआरएनए' समाचार एजेंसी ने बताया कि इन लोगों को 2022 में ईरान के रक्षा मंत्रालय से जुड़ी और इस्फहान शहर में मिसाइल और रक्षा उपकरणों से संबंधित एक फैक्टरी को निशाना बनाने का षड्यंत्र रचने का दोषी ठहराया गया था.

तीन सैनिकों की मौत का जवाब देगा अमेरिका

कोलंबिया (अमेरिका) । जॉर्डन में ईरान समर्थित समूह के ड्रोन हमले में तीन अमेरिकी सैनिकों की मौत और कई सैनिकों के घायल होने से तिलमिलाए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रविवार को कहा कि अमेरिका इसका जवाब देगा. इजराइल-हमास युद्ध की शुरुआत के बाद से पश्चिम एशिया में अमेरिकी बलों के खिलाफ ऐसे समूहों द्वारा महीनों से जारी हमलों में पहली बार हुई अमेरिकी सैनिकों की मौत के लिए बाइडन ने ईरान समर्थित मिलिशिया को जिम्मेदार ठहराया.

परिक्रमा करने जा रहे शंकराचार्य को रोका

लखनऊ । ज्ञानवापी के वज़ूखाने में मिले कथित शिवलिंग की परिक्रमा करने जा रहे ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को पुलिस ने आश्रम की गेट पर रोक लिया. शंकराचार्य स्वामी ने पुलिस से पूछा आप सनातन का कार्य करने से क्यों रोक रहे हैं. वाराणसी पुलिस ने धारा 144 का हवाला देकर शंकराचार्य को जाने से रोका है. उन्होंने लिखित परमिशन के लिए कहा है. कहा लिखित परमिशन इसके बाद शंकराचार्य ने लिखित परमिशन के लिए आवेदन किया है.

योगी आदित्यनाथ ने किया रुद्राभिषेक

गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान रुद्राभिषेक एवं अनुष्ठान पूर्ण करके देवाधिदेव भगवान भोलेनाथ से लोकमंगल एवं जगत के कल्याण की प्रार्थना की. एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्ति मंदिर में देवाधिदेव महादेव को बिल्व पत्र, कमल पुष्प आदि अर्पित करने कर बाद रुद्राभिषेक किया.

नयी दिल्ली में सोमवार को परीक्षा पे चर्चा 2024 के दौरान उपस्थित छात्राओं व शिक्षकों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी.

परीक्षा पे चर्चा में पीएम नरेंद्र मोदी ने दी सलाह

छात्रों को खुद से प्रतिस्पर्धा होनी चाहिए, दूसरों से नहीं

एजेंसी । नयी दिल्ली

10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं से पूर्व छात्रों के मानसिक तनाव को कम करने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को अभिभावकों को सलाह दी कि वे अपने बच्चे के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न मानें. साथ ही उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को खुद से प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए, दूसरों से नहीं. राष्ट्रीय राजधानी स्थित प्रगति मैदान के नवनिर्मित भारत मंडपम के टाउन हॉल में प्रधानमंत्री ने परीक्षा पे चर्चा के सातवें संस्करण में कहा कि प्रतिस्पर्धा और चुनौतियां जीवन में प्रेरणा का काम करती हैं लेकिन प्रतिस्पर्धा स्वस्थ होनी चाहिए. उन्होंने अभिभावकों व शिक्षकों को सुझाव देते हुए कहा, आपको एक बच्चे की तुलना दूसरे से नहीं करनी चाहिए, क्योंकि यह उनके भविष्य के लिए हानिकारक हो सकता है. कुछ माता-पिता अपने बच्चों के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड समझते हैं, यह अच्छा नहीं है. प्रधानमंत्री ने बताया कि छात्रों पर तनाव तीन प्रकार का होता है. उन्होंने कहा कि यह कभी साथियों के दबाव से प्रेरित होता है तो कभी माता-पिता द्वारा और कभी स्वयं से भी प्रेरित होता है.

छात्र असुरक्षा के बारे में अपने शिक्षकों से खुलकर चर्चा कर सकें : पीएम ने कहा, कई बार बच्चे खुद पर दबाव बनाते हैं कि वे उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं. मेरा सुझाव है कि आपको तैयारी के दौरान छोटे लक्ष्य निर्धारित करने चाहिए और धीरे-धीरे अपने प्रदर्शन में सुधार करना चाहिए. इस तरह आप परीक्षा से पहले पूरी तरह से तैयार हो जायेंगे. प्रधानमंत्री ने शिक्षकों और छात्रों के बीच संबंधों पर चर्चा करते हुए कहा कि यह संबंध ऐसा होना चाहिए कि छात्रों को शिक्षक के साथ विषय से संबंधित बंधन से परे कुछ महसूस हो. उन्होंने कहा, यह बंधन गहरा होना चाहिए! यह रिश्ता ऐसा होना चाहिए कि छात्र अपने तनाव, समस्याओं और असुरक्षा के बारे में अपने शिक्षकों से खुलकर चर्चा कर सकें.

इस साल, माइ गोव पोर्टल पर 2.26 करोड़ पंजीकरण हुए : पिछले वर्ष के संस्करण में कुल 31.24 लाख छात्रों, 5.60 लाख शिक्षकों और 1.95 लाख अभिभावकों ने भाग लिया था. इस साल, माइ गोव पोर्टल पर करीब 2.26 करोड़ पंजीकरण हुए हैं जो छात्रों के बीच इस कार्यक्रम को लेकर व्यापक उत्साह को दर्शाता है. इस साल का आयोजन भारत मंडपम में टाउन-हॉल प्रारूप में आयोजित किया गया है. जी20 शिखर सम्मेलन के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस भारत मंडपम में विश्व के बड़े-बड़े नेताओं ने भविष्य की चर्चा की थी उसी स्थान पर आज भारत के भविष्य की चर्चा परीक्षा की चिंताओं के साथ करने वाले हैं.

अभिभावकों से बोले - वे अपने बच्चे के रिपोर्ट कार्ड को अपना विजिटिंग कार्ड न मानें

दबाव इतना नहीं हो कि किसी की क्षमता प्रभावित हो

उन्होंने कहा कि माता-पिता, शिक्षकों या रिश्तेदारों की रनिंग कमेंट्री और हर बार नकारात्मक तुलना एक छात्र की मानसिक भलाई के लिए हानिकारक है. उन्होंने कहा, यह भलाई के बजाय नुकसान ज्यादा करता है. हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि शत्रुतापूर्ण तुलनाओं और वार्ताओं के माध्यम से छात्रों के मनोबल और आत्मविश्वास को कम करने के बजाय उनके साथ उचित और सौहार्द्रपूर्ण बातचीत के माध्यम से इस मुद्दे का समाधान किया जाये. उन्होंने कहा कि दबाव इतना नहीं होना चाहिए कि यह किसी की क्षमताओं को प्रभावित करे.

शिक्षक का काम सिर्फ नौकरी करना या उसे बदलना नहीं है

उन्होंने कहा कि जब शिक्षक अपने छात्रों को अच्छी तरह से सुनेंगे और उनके मुद्दों को पूरी ईमानदारी से संबोधित करेंगे, तभी छात्र बेहतर करेंगे. प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि शिक्षक का काम सिर्फ नौकरी करना या उसे बदलना नहीं है बल्कि उसका काम जिंदगी को संवारना है तथा जिंदगी को सामर्थ्य देना है. उन्होंने कहा, ऐसे ही शिक्षक परिवर्तन लाते हैं. छात्रों को भारत के भविष्य को आकार देने वाला बताते हुए मोदी ने कहा कि परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम उनके लिए भी एक परीक्षा की तरह है. परीक्षाओं से पहले छात्रों के साथ अपने संपर्क कार्यक्रम की सातवीं कड़ी में उन्होंने कहा कि छात्र पहले से कहीं अधिक नवाचारी हो गये हैं. मोदी ने कहा, हमारे छात्र हमारे भविष्य को आकार देंगे.

नीतीश के जाने से गठबंधन पर असर नहीं पड़ेगा : संजय

भाषा । पुणे (महाराष्ट्र)

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में वापसी से विपक्षी दलों के 'इंडिया' गठबंधन पर कोई असर नहीं पड़ेगा और दावा किया कि कांग्रेस कुमार को विपक्षी दलों के गठबंधन का संयोजक नियुक्त करने के पक्ष में थी.

राउत ने यहां पत्रकारों से बातचीत में नीतीश कुमार को पलटू राम करार दिया. राउत ने कहा कि जिस तरह से कुमार ने 'इंडिया' गठबंधन को छोड़ा वह दुर्भाग्यपूर्ण है. अगर कोई सोचता है कि नीतीश कुमार के जाने से राष्ट्रीय (इंडिया) गठबंधन में दरार पैदा हो जाएगी तो यह सही नहीं है. वास्तव में ऐसे लोगों के जाने से संगठन और दृढ़ होगा और 'इंडिया' गठबंधन भी मजबूत होगा. उन्होंने कहा, वहां राजद के तेजस्वी यादव हैं और वे 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत बनाएंगे. राउत ने कहा कि नीतीश का मतलब बिहार नहीं है और उन्होंने साथ ही सवाल किया कि क्या राज्य के लोगों को यह पसंद आएगा कि एक व्यक्ति एक ही कार्यकाल में कई बार शपथ ले.

एक सप्ताह के भीतर पूरे देश में सीएए लागू होगा : केंद्रीय मंत्री

भाषा । कोलकाता

केंद्रीय मंत्री शांतनु ठाकुर ने सोमवार को कहा कि संशोधित नागरिकता अधिनियम (सीएए) एक सप्ताह के भीतर देश में लागू कर दिया जाएगा. एक समाचार चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के मटुआ समुदाय की बहुलता वाले क्षेत्र बोंगांव से भाजपा सांसद ठाकुर ने कहा कि विवादास्पद कानून को सात दिनों के भीतर तेजी से कार्यान्वित किया जाएगा.

वर्ष 2019 में केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा लाए गए सीएए का उद्देश्य 31 दिसंबर 2014 से पहले भारत में बसे बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से आए हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित प्रताड़ना झेल चुके गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करना है. मटुआ समुदाय के नेता ठाकुर ने कहा, सीएए बहुत जल्द लागू किया जाएगा. इसे सात दिनों के भीतर लागू किया जाएगा. यह मेरी गारंटी है. केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग राज्य मंत्री ठाकुर ने रविवार को इसी तरह की टिप्पणी की थी.

उन्होंने दावा किया कि इस साल लोकसभा चुनाव से पहले देश में सीएए लागू कर दिया जाएगा. वहीं, राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने सीएए का पुरजोर विरोध किया और इसे विभाजनकारी करार दिया. वहीं तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा, हमारी पार्टी सुप्रीमो और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने स्पष्ट रूप से कहा है कि पश्चिम बंगाल में सीएए लागू नहीं किया जाएगा.

किम ने क्रूज मिसाइलों के परीक्षण की निगरानी की : उत्तर कोरिया

सियोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने पनडुब्बियों से दागी जाने वाली नयी क्रूज मिसाइलों के परीक्षण की निगरानी करने के साथ परमाणु ऊर्जा से संचालित पनडुब्बी बनाने के प्रयासों की भी समीक्षा की. उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने सोमवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बढ़ते बाहरी खतरों का मुकाबला करने के लिए परमाणु संपन्न नौसेना बनाने के अपने लक्ष्य को दोहराया. यह रिपोर्ट दक्षिण कोरिया की सेना के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें कहा गया है कि उसने सिनपो के पूर्वी बंदरगाह के पास उत्तर कोरिया द्वारा कई क्रूज मिसाइलें दागने का पता लगाया है. सिनपो में उत्तर कोरिया का पनडुब्बियों का विकास करने वाला एक प्रमुख शिपयार्ड है.

भाजपा की विचारधाराएं हिंसा और नफरत फैला रहीं : राहुल

भाषा । किशनगंज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विचारधाराएं देश में हिंसा और नफरत फैला रही हैं. कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' ने सोमवार को किशनगंज से बिहार में प्रवेश किया. कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं ने बिहार में राहुल गांधी का स्वागत किया. गांधी ने 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत यहां एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल में विभिन्न धर्मों और जातियों के लोग लड़ रहे हैं. भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तहत पड़ोसी राज्य पश्चिम बंगाल से होते हुए बिहार पहुंचे गांधी ने कहा, आरएसएस और भाजपा की विचारधारा ने देश में हिंसा और नफरत फैलाई है. उन्होंने कहा, हम नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना चाहते हैं.

दक्षिण सूडान के तेल संपन्न क्षेत्र अबेई में संघर्ष, 52 की मौत

भाषा । जुबा (दक्षिण सूडान)

सूडान और दक्षिण सूडान दोनों के दावे वाले तेल समृद्ध क्षेत्र अबेई में बंदूकधारियों ने ग्रामीणों पर हमला किया, जिसमें एक संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षक सहित कम से कम 52 लोग मारे गए और 64 घायल हो गए. क्षेत्र के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. अबेई के सूचना मंत्री बुलिस कोच ने अबेई से टेलीफोन पर दिए साक्षात्कार में बताया कि शनिवार शाम को हुए हमले का मकसद तुरंत स्पष्ट नहीं हुआ, लेकिन इसके भूमि विवाद से जुड़े होने का संदेह है. क्षेत्र में घातक जातीय हिंसा की घटनाएं आम रही हैं, जहां पड़ोसी वार्रप राज्य के ट्विक डिंका जनजाति समुदाय का सीमा पर स्थित अनीत क्षेत्र को लेकर अबेई के नगोक डिंका के साथ भूमि विवाद है. कोच ने कहा कि शनिवार की हिंसा में हमलावर नुएर जनजाति के हथियारबंद युवक थे.

संसद का बजट सत्र 31 जनवरी से, बुलाई बैठक

नयी दिल्ली । केंद्र की मोदी सरकार ने बजट सत्र से पहले मंगलवार को संसद में विभिन्न दलों के नेताओं की बैठक बुलायी है. हर सत्र से पहले यह एक तरह की पारंपरिक बैठक होती है. बैठक में विभिन्न दलों के नेता उन मुद्दों को सामने रखते हैं, जिन्हें वे संसद में उठाना चाहते हैं और सरकार उन्हें अपने एजेंडे के बारे में जानकारी प्रदान करती है और उनका सहयोग मांगती है. लोकसभा चुनाव से पहले यह बजट सत्र 31 जनवरी को आरंभ होकर 9 फरवरी को समाप्त होगा.

कन्नूर अर्बन निधि धोखाधड़ी मामले में ईडी ने की छापेमारी

भाषा । तिरुवनंतपुरम

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड द्वारा करोड़ों रुपये की कथित धोखाधड़ी से जुड़ी धन शोधन जांच के तहत सोमवार को केरल में कई स्थानों पर छापेमारी की. सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय एजेंसी त्रिशूर और मलप्पुरम में लगभग चार-पांच परिसरों की तलाशी ली. जांच धोखाधड़ी के एक कथित मामले से संबंधित है जिसमें 12-13 प्रतिशत तक के उच्च रिटर्न का वादा करके जमा राशि एकत्र करके लोगों के साथ धोखाधड़ी की गई थी. सूत्रों ने कहा कि कन्नूर अर्बन निधि लिमिटेड के प्रवर्तकों पर जमा राशि को निकालने और इस धनराशि को निजी संपत्ति में निवेश करने का आरोप है. सूत्रों ने कहा कि लगभग 20 करोड़ के सार्वजनिक धन की कथित तौर पर धोखाधड़ी की गई और ईडी धोखाधड़ी मामले का पता लगाने की कोशिश कर रही है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

फार्मासिस्ट में बना सकते हैं कॅरियर

रजनीश प्रसाद । फार्मासिस्ट, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स हैं, जो रोगियों या कस्टमर को डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के द्वारा मेडिसिन्स उपलब्ध कराते हैं और सलाह देते हैं. फार्मासिस्ट की भूमिका केवल दवा खरीदने और बेचने तक ही सीमित नहीं है. वे क्लीनिकल और फार्मास्यूटिकल रिसर्च में भी शामिल होते हैं.

फार्मासिस्ट के काम

- कस्टमर को बताना कि कैसे और कब दवाएं लेनी हैं और रिटर्न इंस्ट्रक्शन प्रदान करना. वहीं दवाओं के कारण होने वाले पॉसिबल साइड इफ़ेक्ट पर चर्चा करना.
- कस्टमर को बेहतर ढंग से समझने में मदद करने के लिए जानकारी प्रदान करना जैसे कि उनकी प्रेसक्राइब्ड मेडिसिन क्या करती हैं.
- डाइट, एक्सरसाइज, स्ट्रेस मैनेजमेंट और अन्य हेल्थ और लाइफस्टाइल के इशू पर कस्टमर के साथ चर्चा करना.
- पॉसिबल कम्पेटिबिलिटी या इनकम्पेटिबिलिटी पर चर्चा करने के लिए डॉक्टर के साथ कार्य करना.
- फार्मेसी की दवाओं की सूची का मैनेजमेंट और मेंटेनेंस करना.
- फार्मास्यूटिकल चैलेंज जैसे डैमेज लेबल वाली दवाओं की पहचान करना आदि का समाधान करने में रोगियों की सहायता करना.
- माइनर हेल्थ प्रॉब्लम के लिए डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के बिना मिलने वाले ट्रीटमेंट रेकमेंड करना.

भारत के विश्वविद्यालयों में आवेदन प्रक्रिया

- सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
- यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूज़र नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
- फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
- अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
- इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
- यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

भारत की टॉप यूनिवर्सिटीज

- जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय (दिल्ली)
- बुंदेलखंड यूनिवर्सिटी (झांसी, उत्तर प्रदेश)
- दिल्ली इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज एंड रिसर्च (दिल्ली)
- महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय (उत्तर प्रदेश)
- बिरला प्रौद्योगिकी संस्थान (मेसरा, रांची)
- जादवपुर विश्वविद्यालय (कोलकाता)
- मणिपाल कॉलेज ऑफ फार्मास्युटिकल साइंसेज (मणिपाल)
- ऑक्सफोर्ड कॉलेज ऑफ फार्मेसी (बेंगलुरु)
- पीएसजी कॉलेज ऑफ फार्मेसी (कोयंबटूर)
- दिल्ली विश्वविद्यालय (दिल्ली)

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा राजकमल प्लाजा, रूम नंबर 102 जयप्रकाश नगर, डीनोवली स्कूल रोड बरटांड़, धनबाद-826001 झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - दीपक कुमार अम्बष्ठ*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)